ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सांस्कृतिक नगरी में आज होगी विश्व प्रसिद्ध जम्बूसावरी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 12 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-283

सिख धर्म के कलंक आतंकी पन्नू ने भारत की बर्बादी का दावा किया

भारत पर हमला करने के लिए चीन को उकसाया

न्यूयॉर्क, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सिख धर्म के कलंक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने चीन को भारत पर हमला करने के लिए उकसाया है। घोषित खालिस्तानी आतंकी और प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू ने खालिस्तान के निर्माण में चीन से समर्थन मांगा है और उसके एवज में कहा है कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है उस पर हमला कर वह अरुणाचल प्रदेश को अपने देश में मिला सकता है। इसके लिए खालिस्तानी चीन की मदद करेंगे। ऐसा करके गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत की अखंडता के खिलाफ़ गंभीर गुस्ताखी की दी है। पन्नू ने एक वीडियो जारी कर भारत के कई राज्यों में अलगाववादी ताकतों को खड़ा करने की बात कही है। उसने 2047 तक भारत को

भारत की सम्प्रभुता और अखंडता के खिलाफ गंभीर गुस्ताखी

कई टुकड़ों में बांटने का दावा किया है और कहा है कि 2047 तक भारत का कोई अस्तित्व नहीं रहेगा और इसका पूरा भूगोल बदल दिया जाएगा। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने यह वीडियो कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन के एक बयान के बाद बौखलाहट में जारी किया है। कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने हाल ही में एक सार्वजनिक बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत को लेकर कनाडा की नीति स्पष्ट है। कनाडा भारत की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता है। मॉरिसन ने कहा, भारत एक एकीकृत राष्ट्र है और इसकी संप्रभुता को कोई खतरा नहीं होना चाहिए। मॉरिसन के इस बयान से पन्नू भड़क उठा और भारत के खिलाफ जमकर आग उगला।

पन्नू ने अपने वीडियो में मुंगेरीलाल के हसीन सपने की तरह एसएफजे के मिशन का जिक्र किया। पन्नू ने कहा, एसएफजे का मिशन 2024 से 2047 तक भारत को खत्म करना है। ▶10पर

बांग्लादेशी इस्लामिक कट्टरपंथियों की एक और नापाक हरकत

मां काली के सिर पर धारित स्वर्ण मुकुट लूटा

ढाका, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के सतखीरा में स्थित मां काली के जेशोरेश्वरी मंदिर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हमला कर मां काली के सिर पर धारित मुकुट लूट लिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 मार्च 2021 को बांग्लादेश के दौरे के समय उस मंदिर में मां काली को स्वर्ण आरोहित मुकुट भेंट किया था। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त ने मां काली का मुकुट लूटे जाने की घटना पर चिंता जाहिर की है और बांग्लादेश की जांच एजेंसियों से आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की है।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि सीसीटीवी के जरिए हमलावरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। लिए मंदिर के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे

पीएम मोदी ने भेंट किया था मुकुट, उच्चायोग ने जताई चिंता

हैं। सनातन धर्म में जेशोरेश्वरी मंदिर का बहुत महात्म्य है। जेशोरेश्वरी नाम का अर्थ है जेशोर की देवी। चोरी हुआ मुकुट भक्तों के लिए सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखता है। हिंदू पौराणिक कथाओं में, जेशोरेश्वरी मंदिर को भारत और पड़ोसी देशों में फैली 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है।

पीढ़ियों से मंदिर की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य ज्योति चट्टोपाध्याय ने बताया कि यह मां काली के सिर पर धारित मुकुट का लूटा जाना सांकेतिक रूप से हिंदू आस्था पर गंभीर चोट है। बताया जाता है कि सतखीरा के ईश्वरीपुर में स्थित इस मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में अनारी नामक ब्राह्मण ने कराया था। उन्होंने जशोरेश्वरी पीठ के लिए 100 दरवाजों वाला मंदिर बनवाया था। बाद में 13वीं शताब्दी में लक्ष्मण सेन ने इसका जीर्णोद्धार करवाया और अंततः राजा प्रतापादित्य ने 16वीं शताब्दी में मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया। ▶10पर

19वें ईस्ट एशिया सम्मेलन के मंच से पीएम मोदी ने फिर दोहराया

समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं हो सकता

वियनतियाने, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

19वें ईस्ट एशिया सम्मेलन के मंच से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर दोहराया कि समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं हो सकता। पीएम मोदी ने कहा कि मुक्त, खुला, समावेशी, समृद्ध और नियम आधारित भारत-प्रशांत (इंडो-पैसिफिक) क्षेत्र समग्र विकास के लिए जरूरी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए लाओस दौरे पर हैं। आज उनके दौरे का दूसरा दिन है। वियनतियाने में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के साथ ही ईस्ट एशिया सम्मेलन का भी आयोजन हो रहा है। भारत के प्रधानमंत्री ने ईस्ट एशिया सम्मेलन में तूफान टाइफून यागी में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। साथ ही दुनिया के अलग-अलग भागों में चल रहे संघर्षों का ग्लोबल

यूरेशिया और पश्चिम एशिया में शांति का आह्वान

भारत ने पेश किया 10 सूत्री योजनाओं का खाका

साउथ के देशों पर पड़ रहे सबसे ज्यादा नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए प्रधानमंत्री ने यूरेशिया और पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता लाने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने 19वें ईस्ट एशिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आ सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुक्त, खुला, समावेशी, समृद्ध और नियम आधारित इंडो-पैसिफिक पूरे क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि दक्षिण चीन सागर में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के हित में है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारा मानना है कि समुद्री गतिविधियां संयुक्त राष्ट्र की समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के तहत होनी चाहिए। नेविगेशन और वायु क्षेत्र की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना आवश्यक है। एक मजबूत और प्रभावी आचार संहिता बनाई जानी चाहिए। और इससे क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर कोई रोक नहीं लगनी चाहिए। हमारा दृष्टिकोण विकासवाद का होना चाहिए न कि विस्तारवाद का। यह देखते हुए कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों का ग्लोबल साउथ के देशों पर सबसे नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर कोई (चाहे वह यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया) चाहता है ▶10पर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सार्वजनिक सभा में कहा

सरकार पर 10 साल में भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भाजपा नीत एनडीए की सरकार के 10 साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार का कोई आरोप सामने नहीं आया है। अमित शाह ने कहा कि इस बात को वह विपक्ष भी स्वीकार कर रहा है, जो खुद भ्रष्टाचार के कीचड़ में सना रहा है। अमित शाह ने कहा कि सरकार ने नीतिगत निष्क्रियता को खत्म किया और भारत को पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से बाहर निकालते हुए एक आकर्षक स्थान में बदल दिया। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश विकास की राह पर अग्रसर है।

अमित शाह नई दिल्ली स्थिति विज्ञान भवन में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 119वें वार्षिक अधिवेशन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के उठाए गए कदमों के कारण भारत 2047 तक दुनिया

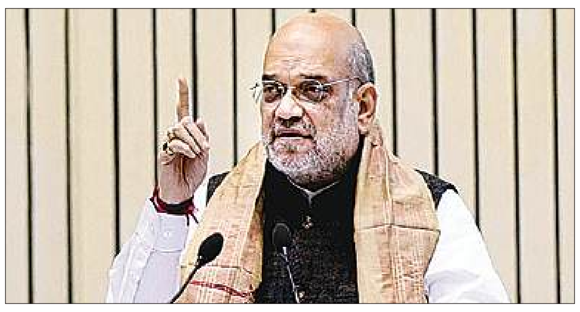

भ्रष्टाचार के कीचड़ में सना विपक्ष भी यह बात कबूल रहा

के सबसे विकसित देशों में से एक होगा। 2014 में पीएम मोदी के कार्यभार संभालने के बाद से सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार किए हैं।

इसमें बुनियादी ढांचे का उन्नयन, बेहतर कनेक्टिविटी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रेलवे नेटवर्क का विस्तार, सेमी-कंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विनिर्माण उद्योगों की स्थापना शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि हम देश में सुधार और आर्थिक विकास लाए हैं। इस दौरान हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। यह बात विपक्ष ने भी स्वीकार की है। ▶10पर

दशहरा की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं

सभी सुधी पाठकों, एजेंटों, हॉकरों, विज्ञापनदाताओं, विज्ञापन एजेंसियों व शुभचिंतकों को **शुभ-लाभ** की ओर से असत्य पर सत्य की जीत के पर्व **दशहरा** की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

-गोपाल अग्रवाल
प्रधान संपादक

अवकाश-सूचना

दशहरा के उपलक्ष्य में शुभ-लाभ कार्यालय में शनिवार दिनांक 12 अक्टूबर, 2024 को अवकाश रहेगा। शुभ-लाभ का अगला अंक सोमवार दि. 14 अक्टूबर 2024 को आपके समक्ष प्रस्तुत होगा। -प्रबंधक

पाकिस्तान से लगी सीमा पर 2280 किमी लंबी सड़क बनेगी

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मोदी सरकार ने पंजाब और राजस्थान से जुड़े सीमावर्ती इलाकों में 2280 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण के लिए हरी झंडी दे दी है। अब इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू होगा जिसके लिए 4400 करोड़ से ज्यादा की राशि मंजूर की गई है। प्रोजेक्ट के तहत राजस्थान और पंजाब से लगते सीमावर्ती इलाकों में सड़क व्यवस्था को बेहतर करने का प्लान है। सेना और सुरक्षाबलों के आवागमन और सुरक्षा जरूरतों के लिए यह सड़क निर्माण अत्यंत आवश्यक था। पाकिस्तान से लगने वाले इलाकों में रोड नेटवर्क की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी, लेकिन इस पर काम अब शुरू हुआ है। रोड बन जाने से न केवल रोड नेटवर्क सुधरेगा बल्कि आपात परिस्थितियों में भी जरूरी सामान और मदद को त्वरित गति से पहुंचाया जा सकेगा। इसके अलावा इस रोड नेटवर्क से ग्रामीणों की आजीविका में भी वृद्धि होगी। साथ ही साथ सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी, तथा जल आपूर्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाओं पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

निगरानी वाले वन्यजीवों की आबादी 73 फीसदी घटी

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महज 50 साल में निगरानी वाले यानी जिन्हें संरक्षण की जरूरत है ऐसे वन्य जीवों की आबादी में 73 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की एक नई लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024 में यह खुलासा हुआ है। इसकी सबसे बड़ी वजह इन वन्य जीवों के प्राकृतिक आवासों को नुकसान जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण है।

रिपोर्ट कहती हैं कि इस दौरान

गिद्ध की प्रजातियों पर मंडरा रहा खतरा

भारत में गिद्धों की तीन प्रजातियों में भी तेज गिरावट का पता चला है। इनकी आबादी 1992 से 2022 के बीच तेजी से घटी है। इनमें सफेद पूंछ वाले गिद्धों की आबादी में 67 फीसदी, भारतीय गिद्धों में 48 फीसदी और पतली चोंच वाले गिद्धों की आबादी में 89 फीसदी की गिरावट रही है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ भारत के महासचिव और सीईओ रवि सिंह के मुताबिक, यह रिपोर्ट प्रकृति, जलवायु और मानव कल्याण के अंतर्संबंधों के बारे में बताती है। अगले पांच साल में हम जो विकल्प और काम करेंगे,वे धरती के भविष्य के लिए अहम होंगे। ▶10पर

पांच साल में 58% बढ़ गई ग्रामीण परिवारों में कमाई: नाबार्ड

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले परिवारों की कमाई बीते 5 वर्षों में लगभग 58 प्रतिशत बढ़ गई है। यह जानकारी नाबार्ड के एक सर्वे में दी गई है। सर्वे में बताया गया है कि देश के ग्रामीण परिवारों की कमाई 2016-17 में 8059 थी जो कि 2021-22 में बढ़ 12698 हो गई। सर्वे में बताया गया है कि जो परिवार कृषि से जुड़े हुए हैं, उनकी कमाई और ज्यादा है। कृषि से जुड़े परिवारों की आय 13361 है। सर्वे में बताया गया है कि इस बीच परिवारों का खर्च भी बढ़ा है। यह 2016-17 में 6646 था जो कि 2021-22 में बढ़ कर 11,262 हो गया। खर्चे और कमाई के अलावा अब देश के ग्रामीण घरों में अधिक बचत भी हो रही है। सर्वे में बताया गया है कि 2021-22 में देश का एक औसत ग्रामीण परिवार 13209 बचा रहा था जो कि 2016-17 में 9104 ही था। पहले लगभग 50 प्रतिशत घर ही बचत कर रहे थे जबकि यह संख्या बढ़ कर 66 प्रतिशत हो गई है।

महिला सम्मान: केरल हाईकोर्ट के जज बदरुद्दीन का नायाब फैसला

किसी महिला को परोक्ष में वेश्या कहना अपराध नहीं

महिला के सामने कहा जाए, तभी अपराध

तिरुअनंतपुरम, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केरल हाईकोर्ट के जज बदरुद्दीन ने महिलाओं के सम्मान की बेजोड़ मिसाल पेश की है। एक मामले की सुनवाई करते हुए केरल हाईकोर्ट के जज बदरुद्दीन ने कहा कि किसी महिला को दूसरों के सामने वेश्या कहना भारतीय दंड संहिता की धारा 509 के तहत अपराध नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि यह अपराध तब होता उसके वेश्या होने की बात संदर्भित महिला के सामने कही गई होती। केरल हाईकोर्ट के जज बदरुद्दीन ने यह टिप्पणी 30 सितम्बर 2024 को हुई एक सुनवाई के दौरान की। जस्टिस बदरुद्दीन ने कहा कि धारा 509 के तहत इसको अपराध तब माना जाता जब यह शब्द महिला के सामने कहा गया होता और उसकी निजता का उल्लंघन किया गया होता। ▶10पर

अब मिजोरम में भी हिंदुओं को लड़नी पड़ रही आस्था की लड़ाई

असम राइफल्स मंदिर को बचाने में लगे हैं हिंदू

आइजोल, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पूर्वोत्तर भारत के ईसाई बहुल राज्य मिजोरम में हिंदू अपना एक मंदिर सरकारी नियंत्रण में जाने से बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह मंदिर ऐतिहासिक है। मिजोरम की राजधानी आइजोल में स्थित असम राइफल्स हरि मंदिर, गोरखा हिंदुओं और ब्रू रियांगों के लिए काफी महत्वपूर्ण है और श्रद्धा का बड़ा केंद्र है। मिजोरम की आबादी का बेहद छोटा हिस्सा हिंदू समुदाय इस बात से चिंतित है कि इस ऐतिहासिक मंदिर का प्रशासन मिजोरम सरकार के हाथों में चला जाएगा। हरि मंदिर (जिसे महादेव ट्रान के नाम से भी जाना जाता है) पहले बेथलहम में असम राइफल्स परिसर में स्थित था। यह यहां पिछले 70 वर्ष से स्थित है। असम राइफल्स आइजोल के ▶10पर

असम राइफल्स का बेस हटने से मंदिर पर आया संकट

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

आचार्य स्वयं के साथ औरों को भी करते है प्रकाशित: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि नवपद ओलीजी का तीसरा दिन आचार्य पद की आराधना का दिन है। शासन की स्थापना अरिहंत परमात्मा करते हैं। सिद्ध परमात्मा को नमन कर अरिहंत परमात्मा की अनुपस्थिति में आचार्य भगवंत जिन शासन का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में अपने भारत क्षेत्र में अरिहंत परमात्मा सदेह विराजित नही होने से उनकी अनुपस्थिति में आचार्य पद धारी प्रभु हमें जिन वाणी का अर्थ समझाते हैं। पंच परमेष्ठी में आचार्य का स्थान बीच में है। आचार्य का वर्ण पीला है। आचार्य खुद भी प्रकाशित है औरों

को भी खुद की कान्ति से प्रकाशित करते हैं। नमो आयरियाणं यानि कोई एक आचार्य को वंदन नही है। जगत में जितने भी आचार्य है उन्हें वंदना की गयी है। जिनशासन में कोई भी कार्य आचार्य भगवंत को पूछे बिना नही किया जा सकता। क्योंकि संघ को चलाने की जिम्मेदारी उनको दी गयी है। आचार्य को तीर्थंकर के समान कहा गया है। आचार्य के छत्तीस गुण होते है। 12 और 13 अक्टूबर को भंडारी पदमचन्द्र महाराज का 108वां जन्मोत्सव अन्नदानम एवं 2-2 सामायिक साधना द्वारा दो दिवसीय आयोजन के रूप में मनाया जायेगा। गुरु अमर संयम के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में देश भर में 75 हजार लोगों के लिये अन्नदानम का आयोजन रहेगा। इस अवसर पर गुरु गणेश सेवा समिति बेंगलूरु के चेयरमैन गौतम धारिवाल, अध्यक्ष किरणराज बोहरा, अनिल बाफना व अन्य समिति के पदाधिकारी व सदस्य आगामी 17 नवम्बर को महावीर धर्मशाला में आयोजित गुरु गणेश जन्मोत्सव की विनती लेकर उपस्थित हुए। गौतमचंद धारिवाल एवं शकुन्तला मेहता ने अपने विचार रखे। रुपेशमुनि ने गुर आरती व मंत्र जाप का उच्चारण करवाया। अंत में मंगलपाठ पंकजमुनि ने प्रदान किया। कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

नौ दिवसीय नवरात्रि पर्व के तहत नवान्हिक जप अनुष्ठान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार टी. दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल ने नौ दिवसीय नवरात्रि पर्व के तहत नवान्हिक जप के अनुष्ठान का आयोजन स्थानीय भवन में किया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया व जप का महत्व समझाया। तत्पश्चात नमस्कार महामंत्र से जप की शुरुआत हुई। फिर अनुष्ठान मंत्र उच्चारण कर लोगस्स मंत्र का जप कर चौबीसी का संगान निरंतर नौ दिनों के क्रम में चला। मंत्री नम्रता पितलिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। सभा अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत, संस्थापक अध्यक्ष लादुलाल बाबेल ने मंडल को आध्यात्मिक प्रगति में मंगलकामना प्रदान किया। तेरापंथ युवक परिषद से मंत्री शुभम बाबेल ने विचार व्यक्त किए। तेयुप अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी एवं श्रावकगण, महिला मंडल से परामर्शक संरक्षिका पुष्पा बाई बोहरा, सुशीला बाई बाबेल, रोशन बाई बोहरा, संस्थापक अध्यक्षा गीता बाबेल, उपाध्यक्ष दीपिका गांधी, संगठन मंत्री सरोज मारू, कार्यकारिणी सदस्य सुनीता भटेवरा, सदस्य संगीता बोथरा, मीना बाबेल ने अनुष्ठान में जुड़ कर कर्म निर्जरा की।

केंद्र की तत्कालिन कांग्रेस सरकार राज्य को टैक्स हिस्सेदारी के आंकड़े दे: एन रविकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार ने मांग की कि केंद्र की तत्कालिन कांग्रेस सरकार राज्य को टैक्स हिस्सेदारी के आंकड़े प्रदान करे। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब आपकी पार्टी सत्ता में थी, तब दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों को कितना टैक्स का पैसा जारी किया गया था, इसका आंकड़ा उन्हें देना चाहिए। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी केंद्र सरकार ने जितना पैसा दिया है, हम उसे जारी करने के लिए भी तैयार हैं। हमारी सरकार ने कर्नाटक सहित दक्षिण भारतीय राज्यों को कांग्रेस पार्टी की सरकार से अधिक पैसा दिया है। इस प्रकार कोई अन्याय नहीं हुआ है। डीके सुरेश ने उत्तर प्रदेश और कर्नाटक को दिए गए पैसे की तुलना करते हुए अलग राज्य मांगने की बात कही थी। उन्होंने आल-ोचना की कि केंद्र सरकार टैक्स में हिस्सेदारी देने में कर्नाटक के साथ अन्याय कर रही है। डीके सुरेश का आरोप सही नहीं है और यह बयान निंदनीय है। जब राजीव गांधी, पीवी नरसिम्हा राव, डॉ. मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार थी तो कर्नाटक को टैक्स में कितना हिस्सा दिया गया था। सबको पता है कितना पैसा दिया जा रहा था। इसलिए मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर टैक्स हिस्सेदारी को लेकर सवाल उठाना गलत है।

तपस्वियों ने हवन में दी आहुति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीरवी सेवा संघ ट्रस्ट अडकमारनहल्ली बडेर में शुक्रवार को सुबह होम अष्टमी के दिन हवन का आयोजन किया गया। जिसमें तपस्या करने वाले 11 तपस्वियों ने सजोड़े विधि-विधानपूर्वक पूर्णाहुति दी।

अध्यक्ष नेमाराम सेंणचा ने बताया कि नवरात्रि के पर्व पर बडेर के प्रांगण में शाम को गरबा नृत्य किया जाता है, जिसमें पुरुष व महिलाएं व बच्चे भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। रविवार शाम को बडेर में महाप्रसादी व सत्संग

कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उपाध्यक्ष रतनलाल मुलेवा, भंवरलाल परिहारिया, बाबुलाल परिहारिया, चौथाराम चोयल, गिरधारीलाल राठौड़, बाबुलाल सिदंडा, केसाराम मुलेवा एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सरस्वती महापूजन का आयोजन

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी, वज्ररत्न सागरजी के पावन सानिध्य में स्थानीय वीर बालिका एवं महिला मंडल कि ओर से सरस्वती महापूजन का आयोजन किया गया। स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के सभा भवन में सभी सफेद वस्त्र में पधारे थे। इस महापूजन में बड़ी संख्या में संघ के सदस्य उपस्थित हुए और विधि विधान के साथ पूजन किया।

कांग्रेस सरकार ने हुब्बल्ली दंगा मामला लिया वापस

भाजपा ने कांग्रेस पर लगाया मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने 2022 में हुब्बल्ली में हुए पुलिस पर हमले के मामले में आरोपियों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को वापस लेने का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति गर्म हो गई है। भाजपा ने कांग्रेस सरकार के इस फैसले पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। इसके साथ ही भाजपा ने राज्य सरकार पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप भी लगाया है। साल 2022 में हुब्बल्ली जिले में एक आरोपी ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर अपमानजनक सामग्री पोस्ट की थी। जिससे नाराज अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 150 लोगों ने 16 अप्रैल, 2022 को रात करीब 10.30 बजे उत्तरी कर्नाटक के ओल्ड हुब्बल्ली टाउन पुलिस

स्टेशन के पास डंडों से लैस होकर जमा हुए थे। सूत्रों की माने तो कर्नाटक सरकार की तरफ से यह उन 43 मामलों में से एक है, जिन्हें राज्य मंत्रिमंडल ने गुरुवार को अपनी बैठक में वापस लेने का फैसला किया है।

हुब्बल्ली दंगे के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया था कि वहां उपस्थित भीड़ मांग कर रही थी कि पुलिस आरोपी को उन्हें सौंप दें, ताकि वे उसे वहीं खत्म कर सकें। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि जो कोई भी आरोपी को बचाएगा, उसे भी नहीं बख्शा जाएगा। इस दौरान भीड़ ने कथित तौर पर आरोपी की रक्षा करने वाले पुलिसकर्मियों को मारने के नारे लगाए। सूत्रों ने बताया कि पुलिस इंस्पेक्टर ने उन्हें अपना अड़ियल रुख छोड़ने और मनाने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान आक्रोशित भीड़ हर हाल में आरोपी को हासिल करना चाहते थे। इसके बाद भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर डंडों और पत्थरों से हमला किया और जिसमें कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस दौरान आक्रोशित भीड़ पुलिस स्टेशन में मौजूद कई सरकारी और निजी वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया था। इसके साथ ही इस मामले में अधिकारी ने आगे बताया कि ओल्ड हुब्बल्ली टाउन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दंगा, हत्या का प्रयास, सरकारी अधिकारियों पर हमला, सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। वही सरकार के इस केस को वापस लेने के बाद भाजपा लगातार से हमलावर है। इस मामले में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कांग्रेस सरकार के फैसले को तुष्टीकरण की पराकाष्ठा बताया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी तुष्टीकरण की पराकाष्ठा पर पहुंच गई है। उन्होंने यूपीए मामले के तहत मामला वापस ले लिया है, जबकि मामला एनआईए अदालत में है। जहां तक मुझे पता है, सामान्य तौर पर राज्य सरकार इसे वापस नहीं ले सकता है, लेकिन फिर भी उन्होंने इसे वापस ले लिया है।

कांग्रेस ने राजनीतिक लाभ के लिए नवरात्रि उत्सव का किया दुरुपयोग: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने शुक्रवार को राज्य की कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने राजनीतिक लाभ के लिए नवरात्रि उत्सव का दुरुपयोग किया है। राज्य सूचना एवं प्रसारण विभाग ने एक पोस्टर जारी किया है, जिसका शीर्षक बुरी ताकतों के खिलाफ सत्य की जीत और सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही ताकतों से बचाने की प्रार्थना है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, राज्य भाजपा अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने लिखा देवी दुर्गा के नौ अवतारों की पूजा के लिए समर्पित नवरात्रि का भ्रष्ट मुख्यमंत्री और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के मुख्य आरोपी सिद्धरामैया ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए दुरुपयोग किया है, जो अक्षम्य है। विजयेंद्र

ने कहा सीएम सिद्धरामैया, ऐसे विज्ञापन जारी करके आपने जो पाप और भ्रष्ट कृत्य किए हैं, उन्हें माफ नहीं किया जाएगा। भगवान राम सत्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन सीएम सिद्धरामैया ब्रह्मांडीय झूठ का प्रतीक हैं। भगवान राम ने सत्य की खोज के लिए सीता से दूरी बना ली थी। यदि आप (सिद्धरामैया) उस रास्ते पर चलना चाहते हैं, तो आपको मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और सत्य की खोज के लिए जांच की अनुमति देनी चाहिए।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** सीरवी समाज ट्रस्ट रायसंद्रा होसा रोड में नवरात्रि कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें प्रतिदिन महिलाओं द्वारा डांडिया गरबा नृत्य किया गया। रात्रि में सत्संग रखी गई। अष्टमी पर हवन किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष तुलछाराम लखावत, सचिव कुनाराम काग, मल्लाराम मुलेवा, सत्यनारायण चोयल, प्रकाश परिहारिया, गणपत काग, रामलाल बरफा, महिला मंडल, नवयुवक मंडल मौजूद थे।*

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री माँ माजीसा भक्त मंडल अक्किपेट द्वारा आयोजित नवरात्रि महामहोत्सव के तहत शुक्रवार को पंडित मनोज कुमार ने विधि विधान के साथ माँ माजीसा का होम यज्ञ करवाया। इस अवसर पर अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, अशोक कटारिया संघवी, सिद्धार्थ भंसाली, विजय गुप्ता, संतोष बाई, रेखा जैन, काजल भंसाली ने आहुतियां देकर हवन किया।*

मैसूरु राजपरिवार ने दशहरा आयुधपूजा उत्सव पर नए बच्चे का किया स्वागत

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

इस दशहरा ने मैसूरु के पूर्ववर्ती राजपरिवार में और भी उत्सवों की शुरुआत कर दी है।

मैसूरु-कोडागु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार की पत्नी त्रिशिका कुमारी देवी ने शुक्रवार को सुबह 8.45 बजे मैसूरु के यादवगिरी के एक निजी अस्पताल में अपने दूसरे बच्चे - एक लड़के - को जन्म दिया, जो कि आयुध पूजा का दिन भी है। लोगों में गलत आशंका है कि इस जन्म के कारण यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार के नवरात्रि और विजयादशमी अनुष्ठानों के लिए पुरुडु हो सकता है। अनजान लोगों के लिए, हिंदू संस्कृति में, पुरुडु बच्चे के जन्म के बाद माँ और बच्चे के लिए कारावास की अवधि है। इस अवधि को पारंपरिक रूप से सापेक्ष अशुद्धता का समय माना जाता है। लेकिन, परिवार में बच्चे के जन्म से संबंधित पुरुडु के बारे में,

धार्मिक विद्वान शाल्वपिल्ले अयंगर ने कहा कि न तो पुरुडु और न ही सूतक (परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु से संबंधित) राजा पर लागू होता है (भले ही वह 'नामधारी' हो), क्योंकि वह जो अनुष्ठान करता है वह उसके व्यक्तिगत स्व के लिए नहीं, बल्कि उसके प्रजा (लोगों) के लिए होता है। उन्होंने कहा एक बार जब वह कंकणा पहन लेते हैं और नवरात्रि अनुष्ठान शुरू कर देते हैं, तो यह राज्य के लोगों की भलाई के लिए प्रार्थना करने के लिए किया जाता है, न कि उनके व्यक्तिगत लाभ के लिए। अयंगर ने उल्लेख किया कि राजा वाडियार प्रथम ने दशहरा समारोह को रद्द नहीं किया, भले ही उनके बेटे की मृत्यु नवरात्रि से एक दिन पहले हो गई थी, जब शाही परिवार को श्रीरंगपटना में अपना पहला दशहरा शुरू करना था। आमतौर पर, उर्स समुदाय (जिससे वाडियार वंश संबंधित है) में मृत्यु के लिए शोक की अवधि 13 दिन होती है। लेकिन, दशहरा जैसे बड़े राज्य उत्सवों के लिए, इन अनुष्ठानों को व्यापक भलाई के लिए अनदेखा कर दिया जाता है। यह याद किया जा सकता है कि बेट्टादा कोटे परिवार के सदस्य यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा (वाईकेसी) वाडियार को 10 दिसंबर, 2013 को उनके पति श्रीकांतदत्त नरसिम्हराजा वाडियार की मृत्यु के बाद 23 फरवरी, 2015 को प्रमोदा देवी वाडियार ने गोद लिया था। 28 मई, 2015 को उन्हें यदु वंश के 27वें महाराजा के रूप में राज्याभिषेक किया गया।

कृष्णदत्त चामराजा (वाईकेसी) वाडियार ने 27 जून, 2016 को राजकोट के शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाली त्रिशिका देवी से विवाह किया। देवी ने 6 दिसंबर, 2017 को अपने पहले बच्चे आद्यावीर नरसिंहदत्त वाडियार को जन्म दिया। पुराने मैसूरु क्षेत्र के लोग, खास तौर पर मैसूरु, मांड्या और चामराजनगर जिलों के लोग इस परिवार का बहुत सम्मान करते हैं। 1947 में मैसूरु साम्राज्य के अंतिम महाराजा जयचामराजा वाडियार भारत संघ के गठन के लिए सत्ता छोड़ने वाले पहले भारतीय शाही परिवार थे। उन्हें प्रतिष्ठित कृष्णराज सागर बांध के निर्माण का श्रेय दिया जाता है, जो दक्षिणी कर्नाटक में खाद्य फसलों की सिंचाई के लिए जीवन रेखा प्रदान करता है और भारत के सिलिकॉन शहर बेंगलूरु की पेयजल आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि मैसूरु के महाराजा कृष्णराज वाडियार चतुर्थ ने जमशेदजी नुसरवानजी टाटा को भारतीय विज्ञान संस्थान बनाने के लिए 371 एकड़ जमीन और धन दान किया था, जो दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में से एक बन गया है।

सांस्कृतिक नगरी में आज होगी विश्व प्रसिद्ध जम्बूसावरी

सीएम करेंगे शुरुआत

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा उत्सव का शानदार जंबूसवारी जुलूस शनिवार को आयोजित होगा। ऐतिहासिक विजयादशमी जुलूस का शुभारंभ मैसूरु पैलेस परिसर में स्वर्ण अंबारी में पूरी तरह से सुशोभित भूषित नाद आदिदेवता श्रीचामुंडेश्वरी की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया जाएगा। शनिवार शाम 4 से 4:30 बजे के बीच पड़ने वाले शुभ कुंभ लग्न पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया जंबू सवारी जुलूस का शुभारंभ करेंगे।

मैसूरु दशहरा महोत्सव के 12वें जम्बूसवारी जुलूस पर, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया शुभ मकर लग्न पर नंदी ध्वज की पूजा करके ऐतिहासिक विजयादशमी जुलूस की शुरुआत करेंगे, जो दोपहर 1.41 बजे से 2.10 बजे के बीच अंजनेय स्वामी मंदिर, बलराम द्वार के पास आयोजित किया जाएगा। बाद में, शुभ कुंभ लग्न के दौरान, जो शाम 4 बजे से 4.30 बजे के बीच पड़ता है, मुख्यमंत्री महल परिसर में एक सोने की तिजोरी में स्थापित देवी श्रीचामुंडेश्वरी की उत्सवमूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इस दशहरा जुलूस में 50 से ज्यादा मूक फिल्में दिखाई जाएंगी। इसके साथ ही 60 से अधिक लोक कला मंडलियां विजयादशमी जुलूस में सरकारी उपलब्धि, गारंटी योजना, संवैधानिक लोकतंत्र, पर्यटन स्थल, धार्मिक केंद्र, आदिवासी विरासत जैसे विभिन्न स्थिर चित्रों का प्रदर्शन करेंगी। अभिमन्यु के साथ कर्नाटक पुलिस बैंड द्वारा लक्ष्मी और हिरण्य साथ प्रस्तुत किया जाएगा। उनके साथ, केएसआरपी टुकड़ियां, महल के प्रतीक आदि परेड में दर्शकों का ध्यान आकर्षित करेंगे। जंबू सवारी जुलूस महल से निकलकर उत्तरी गेट से होते हुए केआर सर्कल, शिवाजीराव रोड, सरकारी आयुर्वेद सर्कल तक जाएगा। यह हाईवे सर्कल से होकर गुजरेगा और शाम को परेड ग्राउंड पहुंचेगा। उसी दिन शाम को बन्नीमंतपा मैदान में एक रोमांचक परेड भी आयोजित की जाएगी। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, सांसद यदुवीर कृष्ण दत्त चामराजा वाडियार, जो एक शाही वंशज हैं, जिला प्रभारी मंत्री डॉ. एचसी महादेवप्पा, मंत्री शिवराज तंगदागी और अन्य कैबिनेट मंत्री, विधायक और संसद सदस्य भाग लेंगे। साथ ही जिला कलेक्टर लक्ष्मीकांत रेड्डी, शहर पुलिस आयुक्त सीमा लाटकर और कई अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति भी शामिल होंगे। शाम को मैसूरु के बन्नीमंतपा मैदान में होने वाले रोमांचक परेड कार्यक्रम में राज्यपाल थावरचंद गहलोत परेड देखेंगे और सलामी लेंगे। सोमन्ना सहित राज्य के मंत्री, सांसद, विधायक समेत कई गणमान्य लोग शामिल होंगे।

शिवकुमार कोविड घोटाले की जांच के लिए कैबिनेट उप-समिति का करेंगे नेतृत्व

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछली भाजपा सरकार के दौरान कथित कोविड घोटाले की जांच में तेजी से आगे बढ़ते हुए कर्नाटक सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) और कैबिनेट उप-समितियों के गठन की घोषणा के बाद घोषणा की कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कैबिनेट उप-समिति के अध्यक्ष होंगे।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार शाम को शिवकुमार की अध्यक्षता में सात सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति का गठन किया। गृह मंत्री जी परमेश्वर, कानून और पर्यटन मंत्री एचके पाटिल, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव, आरडीपीआर, आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे, श्रम मंत्री संतोष लाड और चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल समिति के सदस्य होंगे। सिद्धरामैया ने आदेश में कहा है कि कोविड घोटाले की जांच के लिए गठित सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी' कुन्हा आयोग ने अपनी पहली रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि एक बड़ा घोटाला हुआ था और सिफारिश की गई थी कि कार्रवाई शुरू की जा सकती है। सिद्धरामैया ने कहा कि इस पृष्ठभूमि में, आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के लिए उपमुख्यमंत्री शिवकुमार की अध्यक्षता में एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया गया है। इस घटनाक्रम से बहस छिड़ने की संभावना है क्योंकि शिवकुमार और तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री और वर्तमान भाजपा सांसद के सुधाकर के बीच प्रतिद्वंद्विता जगजाहिर है, जो कथित घोटाले के केंद्र में हैं। इससे पहले, कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि सरकार भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए कथित कोविड घोटाले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करेगी।

उन्होंने कहा घोटाले की जांच के लिए कैबिनेट उप-समिति बनाने का भी फैसला किया गया है।

कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री पाटिल ने कहा कि सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी'कुन्हा की अध्यक्षता वाले आयोग ने कोविड घोटाले पर एक अंतरिम रिपोर्ट पेश की है। मंत्री ने कहा एसआईटी बनाने का फैसला इसलिए किया गया है क्योंकि रिपोर्ट में आपराधिक सामग्री है। वसूली की कार्यवाही तुरंत तेज करनी होगी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट 11 खंडों में प्रस्तुत की गई है और 7,200 करोड़ रुपये की हेराफेरी की जांच की गई है। आयोग ने 500 करोड़ रुपये की वसूली की सिफारिश की है।

पीएमओ अधिकारी बनकर श्री कृष्ण मठ को ठगने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के संसदीय मुख्य सचिव के रूप में खुद को पेश कर उडुपी के श्री कृष्ण मठ में भगवान कृष्ण के विशेष दर्शन प्राप्त करने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 9 अक्टूबर को उदय नाम के एक व्यक्ति ने श्री कृष्ण मठ के पर्याय पुट्टीगे मठ के दीवान नागराज आचार्य को फोन किया और खुद को पीएमओ का संसदीय मुख्य सचिव बताया। उसने नागराज से मठ में उनके और उनके परिवार के ठहरने और दर्शन के दौरान व्यवस्था करने का अनुरोध किया। मठ के प्रबंधक नंदन ने अपनी शिकायत में कहा 9 अक्टूबर को डॉ. उदय और उनका परिवार भारत सरकार लिखी इनोवा कार में आए थे। हमने आवश्यक व्यवस्था की और 10 अक्टूबर को भगवान कृष्ण के उनके विशेष दर्शन की व्यवस्था की। हालांकि, हमें डॉ. उदय के व्यवहार पर संदेह हुआ और हमने आगे पूछताछ की। वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए और परिसर से चले गए। पीएमओ की वेबसाइट पर जांच करने पर हमें डॉ. उदय के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। इस व्यक्ति ने केंद्र सरकार के अधिकारी का रूप धारण करके श्री कृष्ण मठ को धोखा दिया है। उडुपी पुलिस घटना की जांच कर रही है।

1 नवंबर को राज्य के स्थापना दिवस पर

सभी शैक्षणिक संस्थानों, व्यवसायों और कारखानों में कर्नाटक का झंडा फहराना अनिवार्य: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि 1 नवंबर को राज्य के स्थापना दिवस पर बेंगलूरु में सभी शैक्षणिक संस्थानों, व्यवसायों और कारखानों, जिनमें सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में काम करने वाले संस्थान भी शामिल हैं, में राज्य का झंडा अनिवार्य रूप से फहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर और बेंगलूरु शहरी जिले में रहने वाले लगभग 50 प्रतिशत लोग दूसरे राज्यों से हैं और उन्हें भी कन्नड़ सीखने को प्राथमिकता देनी चाहिए। शिवकुमार ने कहा हम मैसूरु राज्य का नाम बदलकर कर्नाटक किए जाने के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। एक

नवंबर कन्नड़ लोगों के लिए जश्न का दिन है। बेंगलूरु के प्रभारी मंत्री के तौर पर मैंने एक नया कार्यक्रम बनाया है जिसके तहत सभी स्कूलों और कॉलेजों, कारखानों, आईटी-बीटी क्षेत्र सहित व्यवसायों में कन्नड़ झंडा अनिवार्य रूप से फहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक आदेश जारी किया जाएगा। शिवकुमार ने कहा सभी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, कारखानों, व्यवसायों और अन्य को अनिवार्य रूप से कन्नड़ ध्वज फहराना चाहिए। राज्योत्सव का सरकारी समारोह एक स्थान पर आयोजित किया जाएगा, लेकिन निजी और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में भी समारोह अनिवार्य रूप से आयोजित किए जाने चाहिए, जिसका उद्देश्य छात्रों में कन्नड़ भाषा के प्रति प्रेम और स्नेह की भावना पैदा करना है। शिवकुमार ने कहा कि सभी को यह महसूस होना चाहिए कि कन्नड़ जाने बिना कर्नाटक में रहना संभव नहीं है। स्कूलों और कॉलेजों को एक नवंबर को कन्नड़ ध्वज फहराने के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित करने चाहिए, जैसे स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस पर आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि कन्नड़ ध्वज के प्रति सम्मान दिखाया जाना चाहिए। मंत्री ने कहा कि वह कारखानों और व्यवसायों को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नहीं कह रहे हैं, लेकिन कन्नड़ ध्वज अनिवार्य रूप से फहराया जाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकारी आदेश का पालन न करने वालों को दंडित किया जाएगा, उन्होंने कहा मैं सभी को सूचित कर रहा हूं कि इस कन्नड़ भूमि पर, कन्नड़ सीखना उनका कर्तव्य है, हमने स्कूलों में कन्नड़ को एक विषय के रूप में अनिवार्य कर दिया है। कन्नड़ झंडे फहराने के ऐसे कार्यक्रम गांवों में आयोजित किए जाते हैं, लेकिन बेंगलूरु शहर में - जिला मंत्री के रूप में मैं इसे अनिवार्य बना रहा हूं। शिवकुमार ने कन्नड़ समर्थक संगठनों को भी चेतावनी दी कि अगर वे संस्थानों या व्यवसायों पर इस कदम को थोपने की कोशिश करेंगे तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा वे (संस्थाएं और व्यवसाय) सरकार द्वारा ऐसा करने के लिए कहे जाने के बाद स्वेच्छा से ऐसा करेंगे।

दिनदहाड़े निजी बस चालकों में झड़प, लोगों में आक्रोश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में निजी बस चालकों का लापरवाह व्यवहार कोई नई बात नहीं है। सैकड़ों निजी बसें लंबे समय से परिवहन नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए चल रही हैं, जबकि अधिकारियों को इस मामले की जानकारी होने के बावजूद वे इस पर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। मेंगलूरु में हुई एक चौंकाने वाली घटना में, निजी बस चालकों का अनियंत्रित व्यवहार उस समय चरम पर पहुंच गया, जब दो बस चालक और कंडक्टर व्यस्त सड़क के बीच में हिंसक झड़प में शामिल हो गए, जबकि यात्री अभी भी बसों में सवार थे। इस झड़प में सड़क पर गुंडों जैसा व्यवहार देखने को मिला, जिससे लोगों में व्यापक आक्रोश फैल गया।

यह घटना विट्टल-मेंगलूरु मार्ग पर चलने वाली दो निजी बसों के कर्मचारियों के बीच हुई। ड्यूटी के दौरान, दोनों बसों के चालक और कंडक्टर आपस में भिड़ गए, जिसमें से एक ने हथियार के रूप में पेचकस भी उठा लिया। यह हाथापाई बस के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिससे निजी बस कर्मचारियों का उपद्रवी व्यवहार उजागर हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दो निजी बसों के कर्मचारियों के बीच कथित तौर पर थूकने से संबंधित विवाद को लेकर झगड़ा हुआ, जो बाद में हाथापाई में बदल गया। एक बस के कर्मचारी दूसरे बस में चढ़ गए, कंडक्टर को बाहर खींच लिया और घबराए हुए यात्रियों के सामने उसे पेचकस से मारने की कोशिश की। इस हिंसक घटना के अलावा, यात्रियों ने बताया कि निजी बस चालकों और कंडक्टरों द्वारा आक्रामक और लापरवाह व्यवहार प्रदर्शित करना असामान्य नहीं है। कई चालक सुरक्षा के बारे में बिल्कुल भी परवाह किए बिना सड़कों पर तेज गति से गाड़ी चलाते हैं और कुछ तो यात्रियों को डराने-धमकाने के लिए उपद्रवी की तरह व्यवहार करते हैं। बढ़ती चिंताओं के बावजूद, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय सहित अधिकारी इन मुद्दों पर आंखें मूंदे हुए हैं, जिससे जनता में निराशा है।

हाल के दिनों में, निजी बस कर्मचारियों का दुर्व्यवहार बढ़ गया है, जिससे सभ्य यात्री निजी बस सेवाओं का उपयोग करने से कतराने लगे हैं। लोगों ने पुलिस और आरटीओ अधिकारियों के प्रति असंतोष व्यक्त किया है, उन पर लापरवाही का आरोप लगाया है और दावा किया है कि उनकी निष्क्रियता ने निजी बस कर्मचारियों के असभ्य व्यवहार को बढ़ावा दिया है।

राज्य भर में अगले कुछ दिनों तक बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में पिछले एक सप्ताह से छिटपुट बारिश हो रही है और अगले तीन दिनों तक व्यापक बारिश का अनुमान है। सतही चक्रवात और दबाव में गिरावट के परिणामस्वरूप राज्य में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, शाम और रात के दौरान कई स्थानों पर बारिश का अनुमान है। उत्तरी कर्नाटक को छोड़कर अन्य जगहों पर पिछले दस दिनों में सामान्य बारिश हुई है। यदि उत्तरी आंतरिक भाग में वर्षा सामान्य से 14 प्रतिशत कम है, तो दक्षिणी आंतरिक भाग में 15 प्रतिशत, पहाड़ी क्षेत्र में 28 प्रतिशत और तटीय भाग में सामान्य से 16 प्रतिशत अधिक है।

मौसम विशेषज्ञों ने कहा कि लक्ष्यद्वीप के अंदरूनी हिस्से में सतही चक्रवात बनने के कारण राज्य में बारिश जारी रहेगी। इस प्रकार, पूरे राज्य में छिटपुट गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है, और उत्तरी और दक्षिणी अंतर्देशीय जिलों में व्यापक वर्षा का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि कुछ स्थानों पर छिटपुट भारी बारिश की संभावना है। राजधानी बेंगलूरु के आसपास आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शाम या रात में व्यापक रूप से मध्यम बारिश होगी। मौसम विभाग ने कहा है कि एक-दो जगहों पर भारी बारिश का अनुमान है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *मल्लेश्वरम में स्थित भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में शुक्रवार सुबह आयुध पूजा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रदेश कार्यालय सचिव लोकेश अंबेकल्लू, संयुक्त सचिव विश्वनाथ अंजी समेत पार्टी नेता मौजूद थे। बेंगलूरु उत्तर जिले के महासचिव रंगास्वामी, बीबीएमपी की पूर्व सदस्य दीपा नागेश ने भी पूजा में भाग लिया।*

तुमकुरु में पारंपरिक रूप से दशहरा मनाना खुशी की बात: वी. सोमन्ना

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय रेल और जलविद्युत राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा यह खुशी की बात है कि जिला प्रशासन द्वारा मनाया जाने वाला तुमकुरु दशहरा उत्सव परंपरा के अनुसार मैसूरु दशहरा की शैली में आयोजित किया जा रहा है। यह चामुंडेश्वरी देवी ही है, जिन्हें शहर के सरकारी प्री-ग्रेजुएशन कॉलेज मैदान में दशहरा के हिस्से के रूप में स्थापित किया गया था। उन्होंने शैलजा सोमन्ना के साथ पूजा अर्चना की। वी. सोमन्ना दंपत्ति ने अष्टमी के अवसर पर आयोजित श्री दुर्गा होम में भाग लेने के बाद बोलते हुए कहा कि संस्कृति और परंपराएं हमारे पूर्वजों द्वारा हमें दिए गए अच्छे

संदेश हैं और तुमकुरु में बिना किसी भेदभाव की भावना के दशहरा उत्सव मनाना खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि दशहरा उत्सव जिले के प्रभारी मंत्री के मार्गदर्शन में जिले के विधायकों एवं अधिकारियों द्वारा बहुत ही व्यवस्थित तरीके से सभी प्रकार के पारंपरिक रीति-रिवाजों के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। हमें इसे हर वर्ष मनाकर अपने सांस्कृतिक उत्सव को पड़ोसी राज्यों तक फैलाना चाहिए। इस अवसर पर विधायक जीबी ज्योतिगणेश, जिलाधिकारी कल्याण, जिला पुलिस अधीक्षक केवी अशोक, जी.पी. सीईओ जी प्रभु, निगमायुक्त बी.वी. अश्विता, तहसीलदार राजेश्वरी, मुजराई तहसीलदार सविता, पुजारी संघ के जिला अध्यक्ष रामतीर्थन और अन्य उपस्थित थे।

विपक्ष के इस्तीफे की मांग के बीच मंत्रियों ने सीएम का किया समर्थन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कैबिनेट की बैठक में मंत्रियों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया, जो मुडा साइट आवंटन मामले में आरोपों के बाद विपक्षी दलों द्वारा इस्तीफे की मांग का सामना कर रहे हैं। यह कदम सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर पर्दे के पीछे की राजनीतिक गतिविधियों के बीच उठाया गया है। सिद्धरामैया कैबिनेट के कुछ मंत्रियों ने हाल ही में बंद कमरे में बैठकें कीं, जिससे नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हो गईं। कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच के पाटिल ने संवाददाताओं से कहा यहां तक कि (मंत्रियों) द्वारा खड़गे (कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे) से मुलाकात को भी आप (मीडिया) गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। यहां तक कि अगर मंत्री भोजन पर मिलते हैं, तो भी इसे गलत तरीके से पेश किया जाता है, इस पृष्ठभूमि में कैबिनेट के दौरान सभी मंत्रियों ने (सीएम के साथ) अपनी एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया। हम उनके साथ हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री तथा प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डी के शिवकुमार से नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही अफवाहों को खत्म करने को कहा है। साथ ही कुछ मंत्रियों द्वारा दिए जा रहे बयानों तथा उनमें से कुछ द्वारा अलग-अलग बैठकें करने पर नाराजगी भी व्यक्त की है। विपक्षी दलों द्वारा सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग के बीच, पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली ने रविवार को तुमकुरु में एससी समुदाय के वरिष्ठ नेता गृह मंत्री जी परमेश्वर से मुलाकात की, जिससे नेतृत्व परिवर्तन को लेकर राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गईं। जारकीहोली, परमेश्वर तथा समाज कल्याण मंत्री डॉ. एच सी महादेवप्पा, जो स्वयं एससी समुदाय से हैं, के बीच बंद कमरे में बैठक भी हुई।

कैबिनेट बैठक से पहले परमेश्वर ने कहा मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैंने, सतीश जारकीहोली ने या महादेवप्पा ने कभी भी मुख्यमंत्री पद पर चर्चा नहीं की है। जब मीडियाकर्मियों ने हमसे पूछा तो हमने कहा है कि वह (सिद्धरामैया) सीएम बने रहेंगे। इसलिए मैं व्यक्तिगत रूप से अब सीएम मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दूंगा। अन्य मंत्रियों के साथ बैठकों पर उन्होंने कहा यदि आवश्यक हो तो हम मिलेंगे, अनावश्यक रूप से हम रात्रिभोज या राजनीतिक बैठकें नहीं करेंगे।

कपड़ों को लेकर कर्मचारी ने दी महिला पर तेजाब फेंकने की धमकी

कंपनी ने नौकरी से निकाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर से एक अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। जहां एक कर्मचारी ने अपने सह कर्मचारी की पत्नी पर तेजाब फेंकने की धमकी दी थी। जिसके बाद अंसार नाम के दूसरे कर्मचारी ने इसकी शिकायत पुलिस और कंपनी के कार्यकारिणी सदस्यों से की। इस मामले में कंपनी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए धमकी भरे संदेश के आधार पर आरोपी कर्मचारी को कंपनी से निकाल दिया। जानकारी के मुताबिक आरोपी कर्मचारी की पहचान निकित शेट्टी के रूप में हुई है। बता दें एक बिजनेस डेवलपमेंट प्रोफेशनल निकित शेट्टी ने अंसार नाम के शख्स को धमकी दी थी कि वह अपनी पत्नी के पहनावे को लेकर उस पर तेजाब फेंक देगा। इस घटना के बाद कंपनी ने सतर्कता बरतते हुए आरोपी शख्स को कंपनी से निकाल दिया है। इसके साथ ही पुलिस ने भी धमकी देने वाले शख्स निकित शेट्टी के खिलाफ जांच भी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार निकित शेट्टी ने बीते 9 अक्टूबर को एक निजी संदेश में अंसार को कथित तौर पर कहा कि कृपया अपनी पत्नी को अच्छे कपड़े पहनने के लिए कहें, खासकर कर्नाटक में, वरना मैं उसके चेहरे पर तेजाब फेंक सकता हूं। जिसके बाद अंसार ने ये सूचना तुरंत पुलिस को दी और उस संदेश का स्क्रीनशॉट भी साझा किया। इसके साथ ही अंसार ने एक ऑनलाइन पोस्ट में कर्नाटक के डीजीपी और मुख्यमंत्री के साथ-साथ डिप्टी सीएम को टैग करते हुए लिखा, कि यह गंभीर मामला है। एक व्यक्ति मेरी पत्नी के पहनावे को लेकर उसके चेहरे पर तेजाब फेंकने की धमकी दे रहा है। कृपया इस व्यक्ति के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। पीड़ित शख्स ने ये भी कहा- मुझे नहीं लगता कि इस संस्थान में महिलाएं सुरक्षित हैं। संदेश में निकित शेट्टी की तरफ से दी गई धमकी के बाद कंपनी ने संज्ञान लेने के बाद उसे कंपनी से निकाल दिया, जिसके बाद अंसार ने कंपनी को धन्यवाद कहा और लिखा कि जिस आदमी ने मेरी पत्नी पर एसिड अटैक की धमकी दी थी, उसकी नौकरी चली गई। कंपनी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे नौकरी से निकाल दिया। मेरी मदद करने के लिए सभी लोगों का शुक्रिया।

राजगीर में पहली बार होगा अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट

गया के इन होटल में रहेंगे छह देशों के खिलाड़ी

राजगीर/गया (एजेंसियां)।

बिहार में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन होने जा रहा है। महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के अगले सत्र का आयोजन बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में 11 से 20 नवंबर तक होगा। विभिन्न देशों से आने वाले महिला खिलाड़ियों को गया जिले के बोधगया में स्थित दो अलग-अलग होटल में रखा जाएगा। उक्त हॉकी टूर्नामेंट में छह देशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें चीन, जापान, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और भारत शामिल हैं।

वहीं, राजगीर में होने वाले महिला हॉकी टूर्नामेंट में छह देशों की महिला खिलाड़ी भाग ले रही हैं। यह पूरा खेल राजगीर में होगा। लेकिन सभी महिला खिलाड़ियों को गया जिले के बोधगया के दो अलग-अलग होटलों में रहने की व्यवस्था की जा रही है। सभी खिलाड़ी इन्हीं होटल में रहेंगी और यहीं से खेलने के लिए राजगीर जाएगी।

इस संबंध में गया के डीएम डॉ. त्याग राजन एसएम ने शुक्रवार छह देशों से आने वाले खिलाड़ियों के आवासन स्थल बोधगया में स्थित होटल हयात पैलेस और बुद्धा रिसॉर्ट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने होटल के संबंधित लोगों को खाने-पीने और साफ-सफाई समेत कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

वहीं, इस संबंध में सीनियर एसपी आशीष भारती ने बताया कि राजगीर में आयोजित होने वाले एशिया महिला हाकी टूर्नामेंट के दौरान बोधगया के अलग-अलग दो होटलों में छह देशों के महिला खिलाड़ियों का आवासन स्थल बनाया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए आवासन स्थल के साथ-साथ बोधगया के पूरे इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी जाएगी।

भौतिक व आध्यात्मिक इच्छाएं पूरी करती है सिद्धिदात्री : राष्ट्रसंत

कृष्णागिरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारत की दिव्यतम नवरात्रि श्रीकृष्णगिरी शक्ति महोत्सव में जगत जननी राजराजेश्वरी पाताल लोक की महारानी देवी मां पद्मावतीजी की प्रतिदिन शाम के सत्र में विभिन्न बीज मन्त्रों, सहस्रनाम स्तोत्र पाठ के साथ 36 कुंडो में दुर्लभ औषधियों की आहुतियों से आलौकिक ऊर्जा प्रदान कर रहे हवन यज्ञ की पूर्णाहुति पर पांच दीपों से सामूहिक महाआरती तीर्थ धाम को दिव्यता के साथ जगमग कर रही है। इसी क्रम में दीप पूजा से देवी देवताओं की प्रसन्नता का शास्त्रोक्त विधान एवं व्याख्यान देते हुए साधना के शिखर पुरुष श्री वसंत विजय जी ने कहा कि दीप पूजा के दुर्लभ रहस्य है, व्यक्ति की हर क्रिया का फल प्रतिक्रिया के रूप में मिलता है। यदि नहीं मिलता है तो निश्चित ही उस क्रिया में गलती की संभावना है, जिसे सुधारना आवश्यक है। उन्होंने कहा हिंदू सनातन धर्म में प्रत्येक पर्व त्यौहार की अपनी वृहद स्तर की तेजोमय आध्यात्मिक, श्रद्धा भक्तिपूर्ण महिमा है। दिवस विशेष को कृत्रिम जीवन नहीं जीने की सीख देते हुए श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा वाचन में राष्ट्रसंत ने बताया कि देवी दुर्गा के नौ रूपों में से एक सिद्धिदात्री की पूजा नौवें दिन की जाती है, जिनका स्वरूप और गुण अत्यंत भव्य तथा दिव्य है। समस्त सिद्धियों व शक्तियों को देने वाली, चार हाथों वाली मां सिद्धिदात्री संतों, योगियों और साधकों के लिए विशेष रूप से पूजनीय है। इनकी ध्यान व साधना से सभी प्रकार की भौतिक व आध्यात्मिक इच्छाएं पूरी होती है। आगामी दीपोत्सव की सभी को शुभकामनाएं देते हुए शुक्रवार दिवस विशेष मां महालक्ष्मीजी की अनन्य कृपा प्रदान करने वाला आदि शंकराचार्यजी द्वारा रचित कनकधारा स्तोत्र का वाचन लक्ष्मी मुद्रा के साथ मय प्रसंग के सुना कर लाभान्वित किया। उन्होंने कहा कि मन से संसार बनता है, मन में मस्ती है तो जीवन भी मस्त होगा। इसलिए दुख दरिद्रता को मन से निकालने पर जीवन में सुख समृद्धि निश्चित आएगी। राष्ट्रसंत वसंत विजय जी ने कहा, संसार में जीने का तरीका आ जाए तभी व्यक्ति का मंदिरों, तीर्थ आदि में जाना सत्संग प्रवचन सुनना सार्थक होगा। दया को धर्म का मूल बताते हुए उन्होंने कहा कि जहां दान धर्म होगा, वहां लक्ष्मीजी भी स्थिर रहेगी। डॉ. संकेश छाजेड़ ने बताया कि सुबह के सत्र में मां पद्मावतीजी का केसर मिश्रित दूध से अभिषेक किया गया, इसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने साधना कक्ष में पूज्य गुरुदेव के सान्निध्य में जाप अनुष्ठान में भाग लेकर सामूहिक रुप से ओम धन लक्ष्मी शुभ लक्ष्मी महालक्ष्मी स्वाहा मंत्र का जाप भी किया।

मुजफ्फरपुर और सहरसा में विजयदशमी की धूम, रावण दहन की तैयारियों का पुलिस प्रशासन ने लिया जायजा

मुजफ्फरपुर/सहरसा (एजेंसियां)।

विजयदशमी के पर्व पर मुजफ्फरपुर के कुढ़नी प्रखंड समेत विभिन्न इलाकों में रावण दहन की जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। मड़वन, मशहरी, बोचहा, कुढ़नी और मीनापुर में होने वाले रावण दहन कार्यक्रमों को लेकर आयोजक समिति अंतिम तैयारियों में जुटी है।

कुढ़नी के हाई स्कूल मैदान में रावण दहन का भव्य आयोजन होगा, जहां कारीगरों को जल्द से जल्द पुतले तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

आयोजन स्थल पर पटाखों की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि रावण दहन को भव्य बनाया जा सके।

डीएसपी वेस्ट टू अनिमेष चंद्र ज्ञानी और कुढ़नी थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश ने स्थल का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था की पुख्ता तैयारी के निर्देश दिए। डीएसपी ने आयोजकों को सभी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सख्त हिदायत दी। पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ रावण दहन के बाद घर लौटने वालों की सुरक्षा के लिए रोशनी और सुव्यवस्थित निकासी के निर्देश भी दिए गए हैं।

वहीं, सहरसा जिले में भी विजयदशमी के मौके पर रावण दहन की तैयारियां जोरों पर हैं। शहर के कॉलेज गेट स्थित दुर्गा मंदिर में 1999 से जारी इस अनूठे कार्यक्रम में रावण वध का आयोजन किया जाता है। एमएलटी कॉलेज मैदान में रावण के साथ-साथ कुंभकर्ण और मेघनाद के विशालकाय पुतलों का भी दहन किया जाएगा। जिलाधिकारी वैभव चौधरी और पुलिस अधीक्षक हिमांशु ने शुक्रवार को स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने आयोजन स्थल पर निकासी मार्गों के मरम्मत कार्य और प्रकाश व्यवस्था की सुनिश्चितता के निर्देश दिए।

वाटर टैंकर की उपलब्धता के साथ-साथ, भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त स्वयंसेवकों की तैनाती भी सुनिश्चित की जा रही है। कार्यक्रम का रावण दहन अपराह्न पांच बजे करने का निर्णय लिया गया है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे।

दोनों जिलों में सुरक्षा और सुचारू आयोजन के लिए प्रशासनिक तैयारियों के साथ-साथ, जनसुविधाओं का भी ध्यान रखा जा रहा है ताकि विजयदशमी का यह महोत्सव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सके।

भगवान ने हमेशा मुझ पर कृपा की है: सीएम सिद्धारमैया

हर किसी से प्रशंसा की उम्मीद नहीं

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुडा घोटाला मामले में विपक्ष द्वारा उनके इस्तीफे की मांग के बावजूद, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें हमेशा भगवान का आशीर्वाद मिला है और इसी कारण से वे राजनीति में टिके हुए हैं। हाई-प्रोफाइल मामले में आरोप है कि मुडा ने मैसूरु शहर के एक पॉश इलाके में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को अवैध रूप से 14 भूखंड आवंटित किए हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा भगवान ने हमेशा मुझ पर कृपा की है। मेरे जीवन में ऐसा कोई चरण नहीं है, जब भगवान ने मुझ पर कृपा न की हो और इसी कारण से मैं इतने लंबे समय से राजनीति में हूं। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए यह बयान दिया, जिसमें कहा गया कि वे एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने दशहरा उत्सव के दौरान देवी चामुंडेश्वरी को सबसे अधिक बार पुष्पांजलि अर्पित की है। राजनीति में, दुश्मन और समर्थक होते हैं। प्रशंसा करने वाले और आलोचना करने वाले होते हैं। सीएम सिद्धरामैया ने कहा मैं लोकतंत्र में हर किसी से मेरी प्रशंसा करने की उम्मीद नहीं करता। लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वस्थ बहस की जरूरत है और आलोचना की जानी चाहिए। तभी लोकतंत्र सफल होगा। दशहरा के अवसर पर जारी किए गए विवादास्पद विज्ञापन के बारे में बात करते हुए, सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि दशहरा का त्यौहार बुराई के विनाश और अच्छे लोगों की रक्षा का प्रतीक है। उन्होंने कहा यह सब दशहरा के बारे में है। विजयनगर के राजाओं ने अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए दशहरा मनाया था। मैसूरु के राजाओं ने इसे जारी रखा और यह परंपरा आज तक जारी है। हमने भी इसे वर्तमान व्यवस्था में जारी रखा है। सीएम ने कहा यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे परिभाषित करते हैं। मीडिया कभी पक्ष में होता है तो कभी इसके खिलाफ। हम यह नहीं कह सकते कि आपको एक विशेष तरीके से विश्लेषण करना चाहिए। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे द्वारा उन पर निशाना साधे जाने वाले बयान पर टिप्पणी करते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि उन्हें यह बात पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा को बतानी चाहिए, जो पॉक्सो मामले में फंस गए हैं। सीएम सिद्धरामैया ने कहा उन्हें केंद्रीय संसदीय बोर्ड समिति से हटवाना चाहिए। वह इस तरह के बयान जारी नहीं कर सकतीं। येदियुरप्पा पॉक्सो मामले का सामना कर रहे हैं और उनके खिलाफ आरोप पत्र भी दाखिल है। उन्हें केवल अदालत की दया से बचाया जा रहा है। अन्यथा, वह जेल के अंदर होते।

मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला की हत्या और बलात्कार का आरोपी गिरफ्तार

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में एक व्यक्ति को 50 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला की हत्या करने और फिर शव के साथ संभोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह घटना कोलार जिले के मुलबागल कस्बे में हुई। आरोपी की पहचान मुलबागल कस्बे के हैदर नगर इलाके के निवासी ऑटो चालक सैयद सुहैल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने 24 सितंबर को अपराध किया था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता एक विवाहित महिला है और उसके दो बच्चे हैं। वह शाम 7.30 बजे अपने घर से बाहर निकली थी। वह बाजार और अन्य इलाकों में भी गई थी। महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त होने के बावजूद इधर-उधर घूम सकती थी।

वह देर रात तक चलने वाले एपीएमसी बाजार में रुकी रही। रात करीब 1 बजे अपने घर वापस आते समय आरोपी ऑटो चालक ने उसे देखा और उसे घर पर छोड़ने की पेशकश की। हालांकि, ऑटो चालक महिला को उसके घर ले जाने के बजाय राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सुनसान जगह की ओर चला गया। कुछ गड़बड़ होने का आभास होने पर महिला ने वाहन मोड़ते समय वाहन से छलांग लगा दी और सुहैल से भिड़ गई। ऑटो चालक ने वाहन तो रोक दिया, लेकिन उसके सिर पर पत्थर से वार किया, जिसके बाद वह गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद सुहैल ने उसे अपने वाहन में डाल लिया और उसके साथ बलात्कार किया। बाद में उसने महिला के शव को फेंक दिया और मौके से फरार हो गया। उसके पति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और आखिरकार तलाशी के बाद शव बरामद हुआ। जांच के दौरान पुलिस ने महिला के ऑटो में सवार होने का सीसीटीवी फुटेज एकत्र किया। पुलिस ने वाहन के पंजीकरण नंबर को ट्रैक करने में कामयाबी हासिल की और आखिरकार आरोपी को पकड़ लिया। सुहैल पड़ोसी शहर चिंतामणि में छिपा हुआ था। ऑटो चालक ने कहा था कि उसने महिला को चिल्लाने से रोकने के लिए पत्थर से मारा था। महिला की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने पुष्टि की है कि पत्थर लगने से उसकी मौत हुई थी। उसके शरीर पर कोई बाहरी चोट नहीं पाई गई थी और आंतरिक चोट के कारण उसकी मौत हुई थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसके पति ने दूसरी महिला से शादी कर ली थी, लेकिन वह उसके साथ रहता भी था। मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति के इलाज के लिए महिला को कई अस्पतालों में ले जाया गया। वह अक्सर घर से बाहर चली जाती थी और बहुत देर से लौटती थी।

धैर्य ही सबसे बड़ा मित्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर लुनावत जैन स्थानक में विराजित गुरुदेव श्री राजेशमुनि ने कहा कि मर्यादा राम जैसी हो, संयम महावीर जैसा हो, राजनीति श्री कृष्ण जैसी हो। प्रभु महावीर का धैर्य अद्भुत था। धैर्य ही सबसे बड़ा मित्र है। जब भी किसी पर कष्ट आए तो उसे धैर्य रखना चाहिए। धैर्य और धर्म सूई धागे की तरह होती हैं। उन्होंने कहा कि आत्मा को अलग नहीं कर सकते।

प्रभु की अद्भुत कृपा है। शरीर को अलग कर सकते हैं पर आत्मा को कभी नहीं। प्रभु महावीर अंर्तयामी थे। केवल ज्ञान केवल दर्शन से प्रभु देखते थे। ज्ञान रुपी प्रकाश और वीरता के प्रतिक थे। धैर्य अपार था और अंधेरे से मुक्त उनका जीवन था। 9 दिन नवरात्रि में आयंबिल तप करने से नई उर्जा का संचार होता है। पापों का नाश होता है। इन दिनों गुरु की वंदना करने से शुभ कर्मों का उदय होता है। सहमंत्री नरेंद्र बैताला ने सभा का संचालन किया। चेयरमैन महावीर चंद मुथा ने सभी का अभिनंदन किया। बबिता मरलेचा का स्वागत किया गया। महावीरचंद बोरा, मुकेश मुथा, ओमप्रकाश लुनावत, अध्यक्ष धनरूपचंद मेहता, शांतिलाल लुनावत आदि मौजूद थे। इस दौरान दिल्ली से दर्शन हेतु कई लोग पधारे।

आतंकियों का समर्थक पत्रकार वाजिद खान गिरफ्तार

भारत में भी तख्ता पलट के देखता है सपने

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान पुलिस ने सोशल मीडिया पर हिंदूफोबिक कंटेंट डालने वाले इस्लामी आतंकवाद समर्थक वाजिद खान को हिरासत में ले लिया है। पुलिस फिलहाल उसके कंटेंट और उसके संपर्कों की जांच कर रही है। पुलिस पता लगा रही है कि वाजिद का किसी आतंकी नेटवर्क या देशद्रोही तत्वों के साथ संपर्क तो नहीं है। वह सोशल मीडिया पर हिंदू और यहूदी घृणा से पोस्ट किया करता था और कट्टरपंथी इस्लाम का समर्थन करता था।

वाजिद खान राजस्थान के अजमेर जिले के गवाना के कायड़ रोड का रहने वाला है। उसने सोशल मीडिया साइट द (पूर्व में ट्विटर) पर खुद को पत्रकार बता रखा है। इसके साथ ही अपने बायो में अल जजीरा अंग्रेजी लिख रहा है। हालांकि, वह अल जजीरा में काम करता है या नहीं या वहां अपने लेख छपवाता है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं करता है। मुस्लिम मुल्क कतर का सरकार समर्थक मीडिया हाउस अल जजीरा अपने हिंदूफोबिक कंटेंट और इस्लाम परस्ती के साथ-साथ आतंकवादियों के पक्ष में वैश्विक स्तर पर नैरेटिव तैयार करने के लिए कुख्यात है। वाजिद खान यहां काम करने का दावा करता है। वाजिद खान

कुछ दिन पहले आतंकवादी समूह द्वारा निर्दोष यहूदी नागरिकों पर क्रूर हमले की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए कई ट्वीट पोस्ट किया था।

पिछले साल 7 अक्टूबर को फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास ने इज़राइल पर हमला करके यहूदियों का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया था। इस साल 7 अक्टूबर को इसके एक साल पूरे हुए। इस दौरान वाजिद खान ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 7 अक्टूबर की यादगार तस्वीरें। इसके साथ ही उसने एक तस्वीर भी पोस्ट की थी। इस पोस्ट में एक हथियारबंद आतंकवादी एक इजरायली सैनिक को टैंक के ऊपर पकड़े हुए है। वाजिद खान ने इस तस्वीर को विजय वाले इमोजी के साथ पोस्ट करके इसके जरिए इस्लामी आतंकवादियों का महिमामंडन किया था। उसने यह भी कहा कि यह दिन किसी त्यौहार से कम नहीं है, जो फिलिस्तीन से इज़राइल की भारी हार की याद दिलाता है।

उसने एक दो अलग-अलग पोस्ट में लिखा था, 7 अक्टूबर की शुभकामनाएं। 7 अक्टूबर को फिलिस्तीनियों ने इज़राइल का सुपर पावर होने का घमंड तोड़ दिया था। एक अन्य पोस्ट में उसने लिखा था, इज़राइल पर हमले को आज एक साल पूरा हो गया है, उसका ताकतवर बनने वाला भ्रम टूट गया है। उसने इज़राइल पर हमला करने वाले हमास के चीफ याह्या सिनवार गाजा का शेर बताया। वाजिद खान न केवल यहूदियों के प्रति, बल्कि हिंदू समुदाय के प्रति भी नफरत से भरा हुआ है। दोनों के प्रति अपनी घृणा व्यक्त करने के लिए वह मौत की धमकी देने से भी नहीं चूकता है। वह मुस्लिमों के आतंकवाद के खिलाफ इज़राइल के साथ खड़े हिंदुओं से घृणा करता है। यह यति नरसिंहानंद के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाली सबसे मुखर आवाज़ों में से एक था।

वाजिद खान ने 4 अक्टूबर को नरसिंहानंद और उनके अनुयायियों को मौत की धमकी दी और कहा था, कल अति (उनके नाम का मजाक उड़ाते हुए) नरसिंहानंद ने नबी ए करीम की शान में गुस्ताखी की थी लेकिन कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। और अब उस मलूंन के चेले भी नबी ए करीम और हजरत अली की शान में गुस्ताखी कर रहे है।

इनका इलाज एक ही है वो है हजरत अली की जुल्फिकार। जुल्फिकार मुस्लिमों के पैगंबर मुहम्मद के दामाद अली इब्न अबी तालिब की तलवार का नाम है। वाजिद खान इस पोस्ट के जरिए कहना था कि हिंदू संत नरसिंहानंद और उनके अनुयायियों को वही मौत के घाट उतारा दिया जाएगा, जो मुस्लिम खलीफाओं और शासकों के शासनकाल के दौरान इस्लाम को अस्वीकार करने वालों को भुगतना पड़ा था।

भारत के 14 राज्यों में बाल विवाह बढ़ने की खबर

यूपी में पांच लाख बच्चों ने किया विरोध

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने बृहस्पतिवार को खुलासा किया है कि देश में 11.4 लाख से अधिक बच्चों पर बाल विवाह का खतरा मंडरा रहा है। एनसीपीसीआर के मुताबिक, उसने 2023-24 में इन बच्चों की मदद के लिए परिवारों से बात करने, बच्चों को स्कूल लौटाने में मदद करने, और पुलिस के साथ मिलकर उनकी सुरक्षा करने जैसे कदम उठाए।

एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में मुख्य सचिवों से इस मुद्दे को थमिकता देने और बाल विवाह उन्मूलन के लिए जिला-स्तरीय रणनीतियों को लागू करना जारी रखने की अपील की। एनसीपीसीआर बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत 1.2 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा। आयोग के मुताबिक, इसमें उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में अच्छा काम किया। उत्तर प्रदेश में 500,000 से अधिक बच्चों ने बाल विवाह का पुरजोर विरोध किया।

इसके बाद मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य रहे। कर्नाटक और असम जैसे राज्यों में जागरूकता बढ़ाने के लिए धार्मिक नेताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्थानीय लोगों के साथ 40,000 से अधिक बैठकें कीं। 1993 में बाल विवाह की शिकार लड़कियों की संख्या 49 फीसदी थी। 28 साल के बाद यानी 2021 में यह 22 प्रतिशत हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर लड़कों का बाल विवाह भी काफी कम हुआ है। 2006 में सात फीसदी बालकों की शादियां हो रही थीं, जो 2021 में घटकर दो फीसदी रह गई है। हालांकि, शोध टीम ने इस बात पर चिंता जाहिर की और कहा, 2016 से 2021 के दौरान बाल विवाह को खत्म करने की प्रगति रुक गई है। 2006 से 2016 के दौरान बाल विवाह में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई।

बीटेक का टॉपर निकला डिजिटल अरेस्ट का मास्टरमाइंड

चार महीने में की 4 करोड़ की ठगी

आगरा, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

खुद को सीबीआई, ईडी और पुलिस अधिकारी बताकर लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने वाले गैंग पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने शिकंजा कसा है। मास्टरमाइंड सोहेल अकरम सहित चार को गिरफ्तार किया गया है। सोहेल चेन्नई की एसआरएम यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में बीटेक पास की है, वो कॉलेज का टॉपर रहा है। अकरम दिल्ली और गुरुग्राम में कंपनी खोलकर गैंग चला रहा था। फर्जी दस्तावेज से खुले बैंक खातों और सिम कार्ड के माध्यम से ठगी करते थे। फर्जी एकाउंट में रकम ट्रांसफर करने के बाद निकाल लेते थे। पिछले चार महीने में 4 करोड़ की ठगी कर चुके हैं।

डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि राज अपार्टमेंट जसोरिया एंक्लेव, फतेहाबाद मार्ग निवासी रेलवे के सेवानिवृत्त मुख्य टिकट निरीक्षक नईम बेग को 13 अगस्त को डिजिटल अरेस्ट किया गया था। मनी लॉन्ड्रिंग और ड्रग्स ट्रैफिकिंग का केस बताकर 15 लाख रुपए ठगे गए थे। एसीपी हरीपर्वत आदित्य सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम लगाई गई। बृहस्पतिवार को सिकंदरा के फैक्टरी एरिया से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें दिल्ली के दरियागंज निवासी मोहम्मद राजा रफीक (मूलरूप से भीलवाड़ा, राजस्थान), बागपत के पारस विहार कॉलोनी निवासी मोहम्मद दानिश, उसका भाई मोहम्मद कादिर और असम के करीमगंज निवासी मोहम्मद सोहेल हैं। सोहेल मास्टरमाइंड है।

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपियों ने जिस खाते में 15 लाख रुपए जमा कराए थे, उसमें 24 घंटे में 2.70 करोड़ रुपए विभिन्न खातों में जमा कराने के बाद निकाले गए थे। पुलिस ने इन खातों की डिटेल निकलवाई। रकम निकालने के बाद खाते बंद भी कराए गए थे। इन खातों को मजदूर वर्ग के लोगों को रुपयों का लालच देकर खोला गया था। फर्जी आईडी लगाई गई थीं। कॉल करने के लिए सिम भी फर्जी आईडी के थे। इन नंबरों से व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर कॉल किए जाते थे। लोगों को भय दिखाकर ठगते थे। रकम आने के बाद अलग-अलग एकाउंट में ट्रांसफर करने के बाद निकाल लेते थे। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उनके साथ विवेक कुमार सिंह, गौरव शर्मा, महेश शिंदे भी हैं। गिरोह के हर सदस्य का काम अलग-अलग था। कोई खाते खुलवाकर एटीएम कार्ड और चेक बुक उपलब्ध कराता था। कोई रकम निकालने जाता था। लोगों से बात करने से लेकर फर्जी गिरफ्तारी प्रपत्र, नियुक्तिपत्र आदि बनाने से लेकर अलग-अलग काम सदस्य करते थे। वह तकरीबन 4 महीने में डिजिटल अरेस्ट से ही 4 करोड़ रुपए की ठगी कर चुके हैं। पुलिस अब आरोपियों के बैंक खातों और सम्पत्ति की भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से 1 लैपटॉप, 1 मैकबुक, 2 कीपेड मोबाइल, 5 स्मार्ट फोन, 2 आईफोन बरामद किए हैं। इसके अलावा आरोपियों के पास से फर्जी नियुक्तिपत्र, गिरफ्तारी प्रपत्र आदि बरामद किए हैं।

जिस भाजपा को दलित विरोधी बता रही कांग्रेस

उसने जीत ली जम्मू में सभी आरक्षित सीटें

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस पिछले कुछ वर्षों से भाजपा को लगातार दलित विरोधी पार्टी बता रही है। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा संविधान और आरक्षण के खिलाफ है। लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार के दौरान कांग्रेस के नेताओं ने अपनी चुनावी जनसभाओं में लगातार इस बात को कहा था कि भाजपा दलित विरोधी है और उसके फिर से सत्ता में आने पर संविधान और आरक्षण पर खतरा पैदा हो जाएगा। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने पर साफ दिखाई दिया कि कांग्रेस के इस प्रचार का उसे फायदा हुआ और भाजपा को नुकसान हुआ और भाजपा अपने दम पर बहुमत भी नहीं हासिल कर सकी। वह 240 सीटों पर आकर रुक गई।

भाजपा को दलित विरोधी बताए जाने का कांग्रेस का यह प्रचार जम्मू में पूरी तरह ध्वस्त होता दिखाई दिया है क्योंकि जम्मू में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी सातों सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की है। इसके अलावा हरियाणा में भी आरक्षित सीटों के मामले में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया है। जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है। नेशनल कांफ्रेंस को

42 सीटों पर जीत मिली है जबकि कांग्रेस को 6। भाजपा ने अकेले दम पर चुनाव लड़ते हुए 29 सीटें जीती हैं और यह सभी सीटें उसने जम्मू संभाग से ही जीती हैं। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की 90 सीटें हैं। इसमें से जम्मू में 43 और कश्मीर में 47 सीटें हैं।

हालांकि भाजपा को अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों पर जीत नहीं मिली है। जम्मू-कश्मीर में एसटी के लिए 9 सीटें आरक्षित हैं। इसमें से 6 सीटें जम्मू में हैं। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद एसटी यानी अनुसूचित जनजाति के लिए पहली बार सीटें आरक्षित की गई थीं। केंद्र सरकार ने पहाड़ी समुदाय को भी एसटी की श्रेणी में शामिल किया था। पुंछ और राजौरी के जिलों में एसटी मतदाता बड़ी संख्या में हैं। बताया जा रहा है कि पहाड़ी समुदाय को एसटी में शामिल किए जाने से गुज्जर मतदाता नाराज हो गए और इस वजह से अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों पर भाजपा को जीत नहीं मिली। एक शख्स ने कहा कि इस वजह से गुज्जर मतदाता कांग्रेस-एनसी गठबंधन के पीछे एकजुट हो गए और उन्हें पहाड़ी समुदाय का भी वोट मिला।

हरियाणा में भी आरक्षित सीटों के मामले में भाजपा का प्रदर्शन 2019 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले काफी बेहतर रहा है। हरियाणा की विधानसभा में 17 सीटें आरक्षित हैं। 2019 में भाजपा को इनमें से 5 सीटें मिली थी जबकि इस बार पार्टी ने यहां 8 सीटें जीती हैं और 9 सीटें कांग्रेस के खाते में गई हैं। जबकि कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह सभी आरक्षित सीटों पर कब्जा जमा लेगी। हरियाणा में भी विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कांग्रेस ने संविधान और आरक्षण पर खतरा होने की बात कही थी लेकिन इसका कोई असर होता हुआ नहीं दिखाई दिया। इसके साथ ही पार्टी ने अग्निवीर योजना और किसानों के मुद्दों को भी उठाया था और यह दावा किया था कि हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनाएगी लेकिन चुनाव नतीजे आने पर उसके सभी दावे हवा में उड़ गए।

दलित समुदाय को रिझाने के लिए कई कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यों को संविधान के तहत अनुसूचित जातियों (एससी) के भीतर उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है।

एससी समुदाय को वंचित एससी श्रेणी में बांटा गया, जिसमें धानक, बाजीगर, कबीरपंथी, वाल्मीकि, मजहबी और मजहबी सिख शामिल हैं। दूसरी श्रेणी में रहगर, रैगर, रविदासी, रामदासी और मोची शामिल हैं और इन जातियों के लोगों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया। इस कदम से भाजपा को हरियाणा में फायदा हुआ।

बिहार में ईसाई धर्मांतरण की ग्राउंड रिपोर्ट

यूट्यूब ने बेसाख्ता डिलीट कर दिया वीडियो

पटना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया पर वामपंथियों का दबदबा कोई नई बात नहीं है। पिछले कुछ सालों में कई ऐसे मामले सामने आए जब बड़ी टेक कंपनियों में बैठे वामपंथी अपनी विचारधारा के अनुरूप कंटेंट को बढ़ाने और सेंसर करने का काम करते रहे। उन्होंने कभी किसी हिंदूवादी आवाज को दबाने के लिए उसकी ऑडियंस के बीच रीच कम कर दी तो कभी उनके वीडियो को हटा दिया तो कभी उसका चैनल ही उड़ा दिया।

दिलचस्प बात ये है कि इन बड़ी टेक कंपनियों की कम्युनिटी गाइडलाइन सिर्फ तभी आहत होती है जब कोई हिंदुओं की बात करे। ताजा उदाहरण पर प्रकाशित एक वीडियो से जुड़ा है। यह वीडियो 4 साल पहले यूट्यूब पर डाली गई थी। इस वीडियो में बिहार के सुदूर ग्रामों में हो रहे ईसाई धर्मांतरण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। बताया गया था कि कैसे मधुबनी इलाके में एनजीओ के नाम पर ईसाई मिशनरियां अपना घिनौना खेल खेलती हैं और हिंदू धर्म के खिलाफ घृणित बातें करते हुए ईसाई धर्म में आने के लिए कहती है। दो एपिसोड की यह वीडियो न्यूज़ यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर हर जगह थी। लेकिन अचानक अब देखा गया है कि यूट्यूब पर से उस वीडियो को हटा दिया गया है, जो 31 अक्टूबर 2020 को डाली गई थी। जिसमें ईसाई मिशनरियों के घिनौने खेल के साथ उस पादरी का चेहरा भी साफ तौर पर दिखाया गया था जो ग्रामीणों को भड़काता था। यह कार्रवाई सिर्फ और सिर्फ ईसाई धर्मांतरण के मुद्दे को दबाने की नीयत से की गई है, इसके अतिरिक्त और कुछ नहीं।

अब भले ही ईसाई धर्मांतरण की पोल खोलने वाली वीडियो यूट्यूब पर मौजूद नहीं है लेकिन आप अगर इसे देखना चाहते हैं तो यह फेसबुक पर फिलहाल मौजूद है। भविष्य में फेसबुक भी उसे डिलीट कर सकता है। अगर आप इस वीडियो को देखें तो समझेंगे कि कैसे गरीब, लाचार लोगों का ब्रेनवॉश करके उन्हें धर्मांतरित किया जाता है। उन्हें हिंदू धर्म से घृणा करवाई जाती है और धर्म परिवर्तन को सही बताया जाता है। यह पहली बार नहीं है कि किसी मामले को लेकर बड़ी टेक कंपनियों के वामपंथी रवैये पर सवाल खड़ा किया जा रहा हो। इनका प्रभाव फेसबुक पोस्ट से लेकर इंस्टा की रीच तक देखा जा सकता है।

हिंदू को काफिर कहकर मारने की बात करने वाली रील मिलियन तक पहुंचती है और फिर भी उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती। जबकि हिंदुओं के समर्थन वाली पोस्ट को कम्युनिटी गाइडलाइन के विरुद्ध कहकर खारिज कर दिया जाता है। जहां फेक न्यूज फैलाने वाले पोस्टों पर कार्रवाई नहीं होती, लेकिन अगर कोई उस फेक न्यूज की पोल खोल दे तो उस पोस्ट को हाइड कर दिया जाता है। तमाम यूट्यूबर्स और अन्य सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर इन समस्याओं से रोज जूझते हैं। सबका इलाज सिर्फ इन टेक कंपनियों को मेल करना नहीं हो सकता।

ये भी पता हो कि ये वामपंथी लॉबी सिर्फ हिंदुत्व की विचारधारा के खिलाफ अपनी सक्रियता नहीं दिखाती बल्कि इन्हें दक्षिणपंथी विचार वाले लोगों से समस्या है। 2020 में इन कंपनियों पर आरोप भी लगे थे कि ये चुनावों के वक्त सोशल मीडिया यूजर्स को मैनिपुलेट करने का काम कर रही थी। इनकी विश्वसनीयता किस आधार पर आंकी जाए ये कहना मुश्किल है लेकिन ये जरूर है कि आप अगर यूट्यूब, फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर दिखाए जाने वाले कंटेंट को देखेंगे तो पाएंगे कि काम की वीडियोज से ज्यादा वो वीडियो आपके सामने होंगी जिनसे या तो आपके विचार शून्य हो जाएं या फिर वैसे हों जैसा वो चाहते हैं। आपके फीड में किसी वामपंथी का प्रोपगेंडा 3 मिलियन से 30 मिलियन तक पहुंचता दिखाई देगा लेकिन अगर कोई हिंदूवादी आवाज उठा ले, धर्मांतरण के खिलाफ बोल दे तो उसका वही होगा जो इस टेक कंपनी में बैठे लोग चाहते हैं। संभव है कभी उसे 30 हजार व्यूज के लिए मशक्कत करना पड़े तो कभी 3 हजार का।

दिल्ली में फिर मिली नशे की खेप

2000 करोड़ की कोकीन बरामद

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दुबई से भारी मात्रा में कोकीन एक कंपनी के जरिए भारत भेजी गई है। इस कंपनी की पहचान कर ली गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अधिकारी इस कंपनी के अधिकारियों से पूछताछ कर रहे हैं और ये पता कर रहे हैं कि कितनी मात्रा में कोकीन भारत भेजी गई है। अभी तक भारत में कुल 773 किलोग्राम कोकीन पकड़ी जा चुकी है। इतनी मात्रा में देश से कोकीन बरामद होने पर देश की सुरक्षा एंजेंसियां हाई अलर्ट मोड में आ गई हैं। सभी राज्यों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। स्पेशल सेल ने अब नार्को टेरर का लिंक भी खंगालना शुरू कर दिया है।

स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुबई से

कोकीन की खेप सीधे गाजियाबाद व हापुड़ पहुंची थी। यहां गोदाम में पूरी खेप को रखा गया था। यहां से खेप भारत के अन्य राज्यों में भेजी जा रही है। दिल्ली के रमेश नगर से जो 208 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई है वह भी गाजियाबाद से यहां पहुंचाई गई थी। यहां से ये खेप आगे पहुंचाई जाती उससे पहले ही महिपालपुर में कोकीन की खेप पकड़ी गई। इसके बाद इस खेप की निगरानी करने भारत आया सविंदर गोदाम बंद कर बुधवार रात को लंदन फरार हो गया। वह आईजीआई एयरपोर्ट से लंदन फरार हुआ है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार लंदन में बैठे इंटरनेशनल ड्रग्स गिरोह के सरगना ने ही सविंदर को रमेश नगर वाली कोकीन की खेप की निगरानी के लिए भारत भेजा था। गिरोह सरगना ने ही जितेंद्र गिल उर्फ जस्सी को महिपालपुर वाली खेप पर निगरानी के लिए भारत भेजा था। खेप पकडऩे जाने के बाद जस्सी जब लंदन फरार हो रहा था तो उसे अमृतसर एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। स्पेशल सेल के पुलिस अधिकारियों के अनुसार रमेश नगर वाली कोकीन की खेप की आवाजाही के लिए किराए की एरिग्टा कार का इस्तेमाल किया गया। ये कार तिलक नगर में एक व्यक्ति की है। वह कागजात किराए पर रखकर कारें किराए पर देता है। पुलिस इस कार के मालिक से पूछताछ कर रही है।

सीएम योगी ने बेटियों के पांव पखार कर मातृ शक्ति की आराधना की

शारदीय नवरात्रि की नवमी को नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं का पूजन किया

गोरखपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मातृ शक्ति के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा और उन्हें समाज में शक्ति स्वरूप में प्रतिष्ठित करने की पहल को एक बार फिर मजबूत करते दिखे। शुक्रवार को शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कन्या पूजन अनुष्ठान में सीएम योगी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया।

शुक्रवार को गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंदिर स्थित अपने आवास परिसर के प्रथम तल पर परंपरागत रूप से पीतल के परात में जल से सभी नौ कुंवारी कन्याओं के बारी-बारी पांव धोये। उनके माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत और शक्तिपीठ की वेदी पर उगाई गई जई का

तिलक लगाया।

माला पहनाकर, चुनरी ओढ़ाकर, उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया। पूजन के बाद इन कन्याओं को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद सीएम योगी ने अपने हाथों से परोसा। इन नौ कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंची बालिकाओं और बटुकों को भी पूजनोपरांत श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्यार-दुलार पाकर नन्हीं बालिकाओं व बटुकों की प्रसन्नता देखते ही बन रही थी। सत्कार और स्नेह के भाव से मुख्यमंत्री ने एक-एक कर नौ कन्याओं व बटुक भैरव के पांव पखारे और पूजन किया।

इस दौरान सीएम योगी के हाथों दक्षिणा मिलने से सभी बालिकाएं काफी प्रफुल्लित दिखीं। पूजन के बाद भोजन परोसते समय सीएम निरंतर संवाद भी करते रहे। यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी बालक-बालिका की थाली में प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे।

पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, द्वारिका तिवारी, वीरेंद्र सिंह, दुर्गेश बजाज, अमित सिंह मोनू, विनय गौतम आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी ने इसके पूर्व प्रातःकाल के पूजन सत्र में मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से आराधना की।

एक हजार शक्ति-सारथी को हरी झंडी दिखाकर रचा इतिहास

शारदीय नवरात्रि के अवसर पर गोंडा में हुई ऐतिहासिक पहल

लखनऊ/गोंडा, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। शारदीय नवरात्रि की दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में गोंडा जिले ने ऐतिहासिक पहल की है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रदेश में पहली बार गोंडा में शक्ति सारथी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत 1000 पिंक कलर के ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इन ई-रिक्शा को शक्ति सारथी नाम दिया गया है, जिनका उपयोग 90% से अधिक महिलाओं द्वारा किया जाएगा। सभी ई-रिक्शा चालकों को सुरक्षा के दृष्टिगत प्रशिक्षित किया गया है और उन्हें महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में 108 कन्याओं का कन्या पूजन और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 9 महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।

गोंडा की डीएम नेहा शर्मा ने बताया कि दुर्गा अष्टमी के अवसर पर जनपद में शक्ति वंदन 2.0 के तहत शक्ति सारथी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शक्ति सारथी कार्यक्रम एक अनूठा प्रयास है, जिसमें ई-रिक्शा चालकों को सारथी शक्ति की उपाधि दी गई है, जिससे वे महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में योगदान कर सकें। शक्ति सारथी पहल के तहत ऑटो चालकों का प्रशिक्षण महिला सुरक्षा को मजबूत बनाएगा और समाज में एक नया संदेश प्रस्तुत करेगा। यह पहल इस बात पर आधारित है कि 90 प्रतिशत से अधिक महिलाएं यात्रा के लिए ऑटो या ई-रिक्शा का इस्तेमाल करती हैं। शुरुआत में 1000 से अधिक ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को इस पहल के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिन्हें महिलाओं की सुरक्षा और आपातकालीन स्थितियों में सहायता प्रदान करने का प्रशिक्षण दिया गया है। भविष्य में इस कार्यक्रम को और भी विस्तारित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि शक्ति वंदन 2.0 के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी सुरक्षा के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। शक्ति सारथी पहल के अंतर्गत ऑटो चालकों को प्रशिक्षित किया गया है, ताकि महिलाएं बिना किसी डर के यात्रा कर सकें। यह कार्यक्रम समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक ब दलाव लाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कार्यक्रम जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में आयोजित किया गया है, जिसमें कार्यक्रम स्थल पर उत्पन्न कचरे का समुचित निस्तारण सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास कार्यों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, और आधारभूत ढांचे में हुए सुधारों को प्रदर्शित किया गया।

इस अवसर पर जिले के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों से आई 108 कन्याओं का कन्या पूजन किया गया और उन्हें उपहार भेंट किए गए। वहीं, नवदेवी सम्मान समारोह के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का भी सम्मान किया गया। इसके अतिरिक्त हवन, प्रसाद वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत आकांक्षा समिति उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष डॉक्टर गरिमा सिंह ने वर्चुअल माध्यम से की, जबकि गोंडा की डीएम नेहा शर्मा, सीडीओ अंकिता जैन और जिले के अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इससे पूर्व पिछले वर्ष गोंडा जिला प्रशासन ने शक्ति वंदन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। तब करीब 12 हजार कन्याओं का पूजन कर रिकॉर्ड स्थापित किया गया था।

विजयादशमी शोभायात्रा की अगुवाई करेंगे गोरक्षपीठाधीश्वर

गोरखपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। विजयादशमी के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार पूर्वाह्न शिवावतार गुरु गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन करेंगे तो सायंकाल गोरखनाथ मंदिर से निकलने वाली पारंपरिक विजयादशमी शोभायात्रा की अगुवाई करेंगे। शोभायात्रा का समापन मानसरोवर रामलीला मैदान में होगा जहां गोरक्षपीठाधीश्वर प्रभु श्रीराम का पूजन व राज्याभिषेक करेंगे। सामाजिक समरसता के ताने-बाने को मजबूत कर समग्र रूप में लोक कल्याण की भावना को संजोए गोरक्षपीठ से प्रति वर्ष विजयादशमी को निकलने वाली विजय शोभायात्रा अनूठी होती है। गोरक्षपीठाधीश्वर की अगुवाई वाली परंपरागत शोभायात्रा में हर वर्ग के लोग तो शामिल होते ही हैं, इसका अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों द्वारा भव्य स्वागत भी किया जाता है। वास्तव में विजयदशमी का पर्व गोरक्षपीठ की विशिष्टता और इसके ध्येय की व्यापकता को एक बड़े फलक पर अवलोकन करने का भी अवसर होता है। गोरखनाथ मंदिर की विजयादशमी शोभायात्रा इसलिए भी आकर्षक और अनूठी होती है कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी इसके स्वागत के लिए गोरखनाथ मंदिर के मुख्य द्वार से थोड़ी दूरी पर घंटों पहले फूलमाला लेकर खड़े रहते हैं।

गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी विजयादशमी के दिन, शनिवार सायंकाल गोरखनाथ मंदिर से गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की शोभायात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी। विजयादशमी पर गोरक्षपीठाधीश्वर नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशेष परिधान में होते हैं। पीठाधीश्वर, गुरु गोरक्षनाथ का आशीर्वाद लेकर अपने वाहन पर सवार होंगे। तुरही, नगाड़े व बैंड बाजे की धुन के बीच शोभायात्रा मानसरोवर मंदिर पहुंचेगी।

यहां पहुंचकर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गोरक्षपीठ से जुड़े मानसरोवर मंदिर पर देवाधिदेव महादेव की पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद उनकी शोभायात्रा मानसरोवर रामलीला मैदान पहुंचेगी। यहां चल रही रामलीला में वह प्रभु श्रीराम का राजतिलक करेंगे। इसके साथ ही प्रभु श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण व हनुमानजी का पूजन कर आरती भी उतारी जाएगी। रामलीला मैदान में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन भी होगा।

विजयादशमी के दिन पूर्वाह्नकाल गोरक्षपीठाधीश्वर गुरु गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन करेंगे। साथ ही मंदिर परिसर के सभी देव विग्रहों की पूजा की जाएगी। इसके बाद गोरखनाथ मंदिर में होने वाले पारंपरिक तिलकोत्सव कार्यक्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देंगे। सायंकाल विजयादशमी शोभायात्रा निकाली जाएगी। देर शाम को गोरखनाथ मंदिर में परंपरागत भोज का भी आयोजन होगा जिसमें अमीर-गरीब और जाति-मजहब के विभेद से परे बड़ी संख्या में सर्वसमाज के लोग शामिल होंगे।

गोरक्षपीठ में विजयादशमी का दिन एक और मायने में भी विशेष होता है। इस दिन यहां संतों की अदालत लगती है और दंडाधिकारी की भूमिका में होते हैं गोरक्षपीठाधीश्वर। नाथपंथ की परंपरा के अनुसार हर वर्ष विजयदशमी के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में पीठाधीश्वर द्वारा संतों के विवादों का निस्तारण किया जाता है। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ नाथपंथ की शीर्ष संस्था अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा के अध्यक्ष भी हैं। इसी पद पर वह दंडाधिकारी की भूमिका में होते हैं। गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी को पात्र पूजा का कार्यक्रम होता है। इसमें गोरक्षपीठाधीश्वर संतो के आपसी विवाद सुलझाते हैं। विवादों के निस्तारण से पूर्व संतगण पात्र देव के रूप में योगी आदित्यनाथ का पूजन करते हैं।

नारी को सम्मान देने वाला समाज होता है समर्थ और शक्तिवान : योगी

गोरखपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को महापर्व शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं विजयादशमी की बधाई देते हुए कहा कि शारदीय नवरात्र नारी गरिमा की प्रतिष्ठा का पर्व है। जिस समाज में नारी की पूजा होती है तथा सम्मान दिया जाता है वह समाज स्वयं ही समर्थ और शक्तिमान होता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया में रहने वाले सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगतजननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन व अनुष्ठान के कार्यक्रम से श्रद्धा, उल्लास व उमंग से जुड़ते हैं। सनातन धर्म की पर्व और त्योहार से जुड़ी समृद्ध परंपरा सबका ध्यान आकर्षित करती है। आज शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली मां सिद्धिदात्री के स्वरूप के पूजन के साथ कन्या पूजन का अनुष्ठान हो रहा है। वह सौभाग्यशाली हैं कि गोरक्षपीठ की पवित्र परंपरा के अनुसार उन्हें भी कन्या पूजन का अनुष्ठान करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्र का पर्व शक्ति की आराधना के साथ आधी आबादी के सम्मान का भी प्रतीक पर्व है। भारतीय मनीषा ने प्राचीनकाल से ही यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: अर्थात जहां नारी की पूजा की जाती है, उसका सम्मान किया जाता है वहां दैवीय शक्तियों का वास होता है की मान्यता और इसके भाव को अंगीकार किया है। नवरात्र में जगतजननी भगवती मां दुर्गा के पावन नौ स्वरूपों की आराधना सनातन धर्म की उदात्त और पवित्र परंपरा का महत्वपूर्ण अवसर है। यह आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की नई प्रेरणा देने का भी माध्यम है। सीएम योगी ने कहा कि आधी आबादी की सुरक्षा के साथ पूरे समाज की सुरक्षा जुड़ी होती है। उन्होंने कहा कि जब हम आधी आबादी को सामर्थ्यवान बनाकर उनकी गरिमा और सम्मान की सुरक्षा करेंगे तो प्रदेश और देश सभी नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाने के लक्ष्यों को प्राप्त करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मां जगतजननी की नौ तिथियों में पूजन के बाद कल शनिवार को विजयादशमी का पावन पर्व है। विजयादशमी भगवान श्रीराम द्वारा रावण पर विजय प्राप्त करने के उल्लास का पर्व है। इसमें यह संदेश भी निजी है कि जहां शक्ति की साधना होगी तो वहां सिद्धि के रूप में विजयश्री का वरण अवश्य होगा। सीएम योगी ने कहा कि विजयादशमी त्रेतायुग के बलशाली राजा, अधर्म, अत्याचार और अन्याय के प्रतीक रावण पर प्रभु श्रीराम के विजय का उत्सव है। इस अवसर पर भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव व्यक्त करने के लिए सनातन धर्मावलंबी रामलीलाओं के माध्यम से श्रीराम के राज्याभिषेक के कार्यक्रम से जुड़ेगा। इस अवसर पर अन्याय के प्रतीक रावण के पुतला दहन की परंपरा भी देखने को मिलती है। मुख्यमंत्री ने विजयादशमी के पावन पर्व पर सभी लोगों के मंगलमय जीवन की कामना की।

कुंभ की संवाद परंपरा को पुनर्जीवित कर रही है योगी सरकार

प्रयागराज में 25 से 27 अक्टूबर तक होगा कुंभ कॉन्क्लेव

प्रयागराज, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाकुंभ मात्र एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि कुम्भ हमारे देश की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं वैचारिक विविधताओं का संगम का प्रतिबिंब है। कुम्भ की महत्ता के दृष्टिगत यूनेस्को द्वारा इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। वर्ष 2019 के दिव्य-भव्य और सुरक्षित कुंभ के आयोजन के योगी सरकार के बेंचमार्क के बाद महाकुंभ 2025 के आयोजन को देश-विदेश में पहुंचाने के लिए कुंभ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है।

तीसरा कुंभ कॉन्क्लेव 25-27 अक्टूबर तक प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित किया जा रहा है। एमएनएनआईटी के इनोवेशन व इनक्यूबेशन हब और इंडिया थिंक काउंसिल की ओर से यह आयोजन होगा। इसमें उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की भी सहभागिता होगी। इंडिया थिंक काउंसिल के निदेशक डॉक्टर सौरभ बताते हैं कि इस तीन दिवसीय कुंभ कॉन्क्लेव में 10 से अधिक तकनीकी सत्र होंगे। उसमें देश और विदेश के विद्वान शामिल होंगे।

सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हो सकते हैं। उनके अलावा सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में पद्म विभूषण और भारत के पूर्व उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय, परमार्थ निकेतन हरिद्वार के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द मुनि, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह प्रमुख वक्ता होंगे।

कुम्भ-कॉन्क्लेव 2024-25 के निमित्त देश के 25 प्रमुख स्थानों पर कुम्भ की भव्यता, विशेषता और महत्व के सम्बन्ध में गोलमेज सम्मेलन/रोड-शो का आयोजन होता है।

इस अवसर पर विभिन्न विषय विशेषज्ञों एवं विद्वानों के पारस्परिक विचार-विमर्श से उपयोगी एवं रचनात्मक सुझाव समाज के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेंगे। इंडिया थिंक काउंसिल के निदेशक का कहना है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के प्रोत्साहन के बाद 2019 के कुंभ से शुरू हुए इस कुंभ कॉन्क्लेव के आयोजन में विभिन्न सत्रों में आयोजित होने वाले विमर्श और चिंतन-मनन से कुंभ की उस प्राचीन संवाद परंपरा को पुनर्जीवन मिल रहा है जो धीरे धीरे हासिये में आ गई थी। प्राचीन काल से कुंभ धर्म, समाज और व्यवस्था की मौजूदा व्यवस्था को चिंतन की कसौटी में कसने का अवसर रहा है जिससे बेहतर व्यवस्था के मूल मंत्र पहचाना जा सके। कुंभ कॉन्क्लेव में तीन दिनों तक चलने वाले 11 सत्रों में अखाड़ा, आश्रम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फूड सिक्योरिटी, फूड सिक्योरिटी, टेंपल इकोनॉमी और उद्यमिता की थीम पर विचार मंथन होगा। इसके लिए देश और विदेश के विषय के विशेषज्ञ इसमें शामिल हो रहे हैं।

संपादकीय

हर चुनाव 'स्वतंत्र' है

यह मानना गलत और अद्र्धसत्य है कि एक राज्य के चुनाव नतीजे दूसरे राज्य के जनादेश को तय करते हैं। कुछ संयोग और अपवाद जरूर हो सकते हैं। अलबत्ता प्रत्येक चुनाव 'स्वतंत्र' होता है। हरियाणा में कांग्रेस को 'विजयी' आंका जा रहा था, लेकिन अंतिम जनादेश भाजपा के पक्ष में रहा। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन जीता है, हालांकि उसमें कांग्रेस का योगदान लेशमात्र है। भाजपा वहां दूसरी सबसे ताकतवर पार्टी बनकर उभरी है। अब सवाल यह है कि क्या कश्मीर-हरियाणा के औसत मतदाता की मानसिकता और राजनीतिक सोच वही है, जो महाराष्ट्र और झारखंड के दूरदराज इलाकों में मौजूद मतदाता की है? क्या दोनों क्षेत्रों की समस्याएं और उनके सरोकार भी समान हैं? क्या हरियाणा-कश्मीर के जनादेश अब महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावी परिदृश्य को प्रभावित करेंगे और वहां कांग्रेस समेत 'इंडिया' गठबंधन पराजित हो सकते हैं? हमारे सामने लोकसभा चुनाव का भी उदाहरण है। लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई, 2024 में हुए, लेकिन उनसे पहले मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना आदि राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए। उनमें तेलंगाना को छोड़ कर शेष सभी राज्यों में जनादेश भाजपा के पक्ष में रहा। तेलंगाना में कांग्रेस जीती। इस अनुपात में लोकसभा चुनाव के नतीजे नहीं रहे। आम चुनाव को विधानसभा चुनावों का सारांश माना जाता है। यह धारणा भी भ्रामक है। इसका कोई निश्चित मानदंड नहीं है। हर राज्य अपने-अपने मुद्दों और राजनीतिक लहर के आधार पर जनादेश देता है। मसलन-किसानों का आंदोलन और मांग भी 'राष्ट्रीय' नहीं है। दिल्ली में जो किसान आंदोलन देखा गया, उसमें पंजाब और हरियाणा के किसानों का ही जमावड़ा था। किसान महाराष्ट्र में भी एक सांगठिन ताकत हैं, लेकिन वे एमएसपी की मांग नहीं कर रहे, बल्कि वे आंदोलित भी नहीं हैं। सवाल है कि किसान 'राष्ट्रीय' मुद्दा कैसे हो सकते हैं? चूंकि कांग्रेस ने हरियाणा में 'जीती बाजी' हारी है, लिहाजा उसके सहयोगी दल भी मानने लगे हैं कि कांग्रेस महाराष्ट्र और झारखंड में भी 'पराजय की परिधि' में है, लिहाजा 'इंडिया' गठबंधन के छोटे साथी भी नसीहतों का प्रलाप कर रहे हैं। कांग्रेस को 'अहंकारी', 'एकाधिकारवादी', 'स्वार्थी' आदि तक करार दिया जा रहा है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना, ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस, हेमंत सोरेन के झामुमो आदि का हरियाणा-कश्मीर में 'शून्य' जनाधार है, लेकिन वे गठबंधन-धर्म को नकारने के मद्देनजर कांग्रेस को कोस रहे हैं। लालू यादव के राजद की उपस्थिति भी इन राज्यों में नदारद है, फिर भी वह कांग्रेस को 'गठबंधन-धर्म' का पाठ पढ़ा रहे हैं। वह कांग्रेस को गठबंधन राजनीति के प्रति 'अनुदार' भी मान रहे हैं। फिर ये सभी दल 'इंडिया' के तहत लामबंद क्यों हैं? क्या इस तरह भाजपा को शिकस्त दी जा सकती है? बेशक हरियाणा चुनाव में 'आप' और समाजवादी पार्टी की प्रासंगिकता जरूर थी। कांग्रेस अपनी ऐंठ में रही और गठबंधन की बानगी के तौर पर कुछ सीटें इन दलों को नहीं दी। 'आप' को हरियाणा में 1.79 फीसदी वोट मिले हैं, जबकि कांग्रेस मात्र 0.85 फीसदी वोट के अंतर से हारी है। यकीनन कांग्रेस को आत्ममंथन जरूर करना चाहिए, क्योंकि अति आत्मविश्वास भी घातक होता है। कांग्रेस की पराजय का एक बड़ा कारण यह भी है। 'इंडिया' शुरू से ही, बुनियादी तौर पर, छिन्न-भिन्न रहा है। कांग्रेस और 'आप' में कभी गठबंधन हो जाता है, तो कभी अलग-थलग होकर चुनाव में उतरते हैं और एक-दूसरे को गरियाते हैं। कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन में पीडीपी को शामिल नहीं किया गया, जबकि वह 'इंडिया' का घटक दल है। अब उप्र में सपा-कांग्रेस का गठबंधन खटाई में पड़ता दिख रहा है।

हरियाणा में कांग्रेस को 'विजयी' आंका जा रहा था, लेकिन अंतिम जनादेश भाजपा के पक्ष में रहा। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन जीता है, हालांकि उसमें कांग्रेस का योगदान लेशमात्र है। भाजपा वहां दूसरी सबसे ताकतवर पार्टी बनकर उभरी है। अब सवाल यह है कि क्या कश्मीर-हरियाणा के औसत मतदाता की मानसिकता और राजनीतिक सोच वही है, जो महाराष्ट्र और झारखंड के दूरदराज इलाकों में मौजूद मतदाता की है? क्या दोनों क्षेत्रों की समस्याएं और उनके सरोकार भी समान हैं? क्या हरियाणा-कश्मीर के जनादेश अब महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावी परिदृश्य को प्रभावित करेंगे और वहां कांग्रेस समेत 'इंडिया' गठबंधन पराजित हो सकते हैं? हमारे सामने लोकसभा चुनाव का भी उदाहरण है। लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई, 2024 में हुए, लेकिन उनसे पहले मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना आदि राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल पर कराया जाता है सर्वेक्षण

गांव को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए मजबूत पहल की जरूरत

ममता कुमारी

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के छठे दौर के सर्वे का काम शुरू हो गया है। इसे केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से प्रत्येक तीन वर्ष के अंतराल पर कराया जाता है। इसके माध्यम से देश की जनसंख्या, परिवार नियोजन, बाल और मातृत्व स्वास्थ्य, पोषण, वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा इत्यादि से संबंधित मुख्य संकेतकों का आकलन किया जाता है। केंद्र सरकार की ओर से कराये जाने वाला यह सर्वेक्षण देश में स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति को समझने में सहायक सिद्ध होता है। दरअसल आज भी हमारे देश में में कुपोषण की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में इसका आंकड़ा ज्यादा नजर आता है। इसकी प्रमुख वजह कमज़ोर आर्थिक स्थिति मानी जा सकती है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली किशोरियों और महिलाओं को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध नहीं हो पाता है। इसका प्रभाव बच्चों के स्वास्थ्य पर भी नज़र आता है। बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में भी कुपोषण की समस्या पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है। हालांकि केंद्र और राज्य सरकार इस दिशा में काफी गंभीर प्रयास कर रही है। लेकिन अभी भी बहुत से ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या नज़र आती है। ऐसा ही एक गांव गया का कैशापी पुरानी डिह है। जिला मुख्यालय से 32 किमी और डोभी प्रखंड से करीब 5 किमी दूर इस गांव की कई महिलाएं, किशोरियां और बच्चे कुपोषण की समस्या से जूझते नज़र आ जायेंगे। इस संबंध में 28 वर्षीय मालती पासवान बताती हैं कि उनके चार बच्चे हैं। पति खलासी (कंडक्टर) का काम करते हैं। आमदनी इतनी नहीं है कि घर में सभी के लिए पौष्टिक आहार उपलब्ध हो सके। इसलिए अक्सर वह और बच्चे कई प्रकार की बीमारियों का शिकार रहते हैं। एक अन्य महिला 32 वर्षीय विमला कहती हैं कि गर्भवती महिलाओं को आंगनबाड़ी से पौष्टिक आहार उपलब्ध हो जाता है। जिससे इस दौरान उनकी सेहत अच्छी रहती है। लेकिन अन्य दिनों में घर में अनाज की व्यवस्था करना कठिन काम होता है। पंचायत में दर्ज आंकड़ों के अनुसार अनुसूचित जाति बहुल कैशापी पुरानी डिह गांव में 633 परिवार आबाद हैं। जिनकी कुल

आबादी लगभग 3900 है। इनमें करीब 1600 अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग परिवार रहता है। गांव में पासवान और महतो समुदायों की संख्या अधिक है। ज़्यादातर परिवार के पुरुष नोएडा, सूरत, कोलकाता और अमृतसर जैसे शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों में दैनिक मज़दूर के रूप में काम करने जाते हैं। कुछ मकान उच्च जाति के लोगों की है। जो आर्थिक रूप से संपन्न होने के कारण बड़े पैमाने पर कृषि कार्यों से जुड़े हुए हैं। यहां के 48 वर्षीय पूरन महतो बताते हैं कि आर्थिक रूप से कैशापी पुरानी डिह के लोग बहुत कमज़ोर हैं। आय के साधन सीमित हैं। ऐसे में बच्चों, महिलाओं व किशोरियों के लिए पोषण युक्त खाने की व्यवस्था करना परिवार के लिए संभव नहीं है। आमदनी इतनी ही होती है कि किसी प्रकार परिवार का गुज़र बसर हो जाए। वह कहते हैं कि सरकार की ओर से आंगनबाड़ी और स्कूल में मिलने वाले मध्यान भोजन (मिड डे मील) की सुविधा के कारण बहुत से घरों के बच्चों को अच्छा भोजन उपलब्ध हो पाता है। 7वीं में पढ़ने वाली 12 वर्षीय किशोरी पूजा बताती है कि वह अपने भाई-बहन के साथ प्रतिदिन स्कूल इसीलिए जाती है क्योंकि वहां दोपहर खाने के लिए अच्छा भोजन मिलता है। गांव में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र की संचालिका आशा देवी बताती हैं कि कैशापी पुरानी डिह गांव के लगभग सभी परिवार की महिलाएं, बच्चे और किशोरियां कुपोषण से ग्रसित नज़र आएंगी। इसकी प्रमुख वजह उनका आर्थिक रूप से कमज़ोर होना है। ज़्यादातर परिवार की आमदनी इतनी ही है कि उनका किसी प्रकार गुज़ारा चलता है। पोषण की कमी के कारण महिलाओं में खून की कमी पाई जाती है। जिससे उनमें रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है और वह कई बिमारियों का शिकार हो जाती हैं। पर्याप्त संतुलित आहार की कमी के कारण किशोरियों में भी खून की कमी होती है। जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आशा देवी बताती है कि पहले की अपेक्षा अब गांव में कम उम्र में ही लड़कियों की शादी लगभग समाप्त हो गई है लेकिन दो बच्चों के बीच अंतराल की समस्या गहरी है। पौष्टिक आहार की कमी और जल्दी जल्दी गर्भधारण के कारण महिलाओं के स्वास्थ्य पर सबसे अधिक असर पड़ता है। कई बार प्रसव के दौरान खून की कमी के कारण महिला की मौत भी हो जाती है। आशा देवी कुपोषण के कारणों पर बात करते हुए बताती हैं कि जिस व्यक्ति के शरीर में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन की कमियां होती हैं उसे कुपोषण की श्रेणी में रखा जाता है। इसकी वजह जहां गांव में गरीबी और रोज़गार की कमी है। वहीं घर का अच्छा खाना पुरुषों को देने की सामाजिक और पारंपरिक प्रचलन से भी महिलाओं के हिस्से में नाममात्र के पौष्टिक आहार उपलब्ध हो पाते हैं। वह कहती हैं कि गर्भवती महिलाओं में कुपोषण की वजह से जच्चा और बच्चा दोनों के स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है जबकि बच्चों में कुपोषण की कमी के कारण उनका शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित होता है। आशा देवी के अनुसार कैशापी पुरानी डिह में स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार लाने की बहुत ज़रूरत है। विशेषकर कुपोषण के विरुद्ध बहुत अधिक काम करने की जरूरत है क्योंकि इससे यहां की महिलाओं, किशोरियों और बच्चों का विकास प्रभावित हो रहा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के पांचवें दौर के दूसरे चरण की जारी रिपोर्ट के अनुसार कुपोषण के मामले में पहले चरण की तुलना में मामूली सुधार हुआ है लेकिन अभी भी इस विषय पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। भारत में अभी भी प्रतिवर्ष केवल कुपोषण से ही लाखों बच्चों की मौत हो जाती है। सर्वेक्षण के अनुसार करीब 32 प्रतिशत से अधिक बच्चे कुपोषण के कारण अल्प वज़न के शिकार हैं। जबकि 35.5 प्रतिशत बच्चे कुपोषण की वजह से अपनी आयु से छोटे कद के प्रतीत होते हैं।

केंद्र सरकार की ओर से कराये जाने वाला यह सर्वेक्षण देश में स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति को समझने में सहायक सिद्ध होता है। दरअसल आज भी हमारे देश में में कुपोषण की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में इसका आंकड़ा ज्यादा नजर आता है। इसकी प्रमुख वजह कमज़ोर आर्थिक स्थिति मानी जा सकती है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली किशोरियों और महिलाओं को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध नहीं हो पाता है। इसका प्रभाव बच्चों के स्वास्थ्य पर भी नज़र आता है।

दृष्टि कोण

उत्कृष्ट परिणामों को उत्तम सुविधाएं चाहिए

आज के ओलंपिक खेल शौकियान न होकर अब पेशेवर हो गए हैं। सदी पूर्व जब जिम थोर्पे के ओलंपिक पदक इसलिए छीन लिए थे कि उसने कहीं खेल के नाम पर थोड़ा सा धन ले लिया था। आज अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ स्वयं विश्व रिकॉर्ड बनाने पर एक लाख अमेरिकी डालर इनाम देता है और भारत में तो कुछ राज्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़ रुपए भी देते हैं। तभी तो बढिया किस्म के खेल उपकरणों का भी महत्व बढ़ गया है। अभी तक बढिया खेल सुविधाएं विकसित देशों को ही मिल पा रही थी, मगर अब यह सुविधा हर देश को चाहिए, तभी उच्च परिणाम आएंगे। खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों को मिले, ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं। ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं, करोड़ों खेलेंगे, तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिए। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरे हैं। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपए का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है, तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जंप व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देख जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपए का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। खेल सामान खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जुडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महविद्यालय को दी जा रही है। जहां भी खेल सामान खरीदना हो, वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों। जिस संस्थान को सामग्री मिले, वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिनके पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं।

कुछ अलग

थूक कर चाटिए...

बचपन से ही मेरी चरित्रवान बनने की इच्छा थी। पिताजी ने मुझे शाखा में भी भेजा तथा स्वयं ने भी संस्कारों की सीख दी, उसका प्रभाव यह हुआ कि मैं लगभग चरित्रवान-सा बन गया था, यानी मुझे मूल्यों से हटाना सरल नहीं था। मैं सिद्धांतों पर अडिग रहता था। कई बार तो मेरी जिद के सामने बाद में पिता जी तक को दिक्कत होने लगी। उन्हें गुस्सा आता कि उन्होंने मुझे इतना जबरदस्त चरित्रवान क्यों बना दिया। वे कहते कि बेटा! थोड़ा व्यावहारिक बनने की भी आवश्यकता है, अन्यथा तुम्हें जीवन में भूखो मरने की नौबत आ सकती है। मैं कहता कि तो क्या हुआ, मूल्यों की रक्षा के लिए भूखो मर जाना भी श्रेष्ठ मानता हूं। उन दिनों देश में भ्रष्टाचार का शुभारंभ हो चुका था। हर राजनेता भ्रष्टाचार से सम्पत्ति अर्जित कर धनाढ्य बनने की होड़ में लगा था। पिताजी ने मुझे अपने कमरे में बुलाया और कहा, 'बेटा! देख रहे हो देश की हालत क्या हो रही है? लोग इसे अपने चारों हाथ-पांवों से लूट रहे हैं। मुझे एक पल गौर से देखो और अपने जीवन का रास्ता चुन लो।' मैंने पिताजी को देखा- फटी धोती, तार-तार कुर्ता, टूटी चप्पलें तथा मोटे फ्रेम के चश्मे में वे भारतीय गरीब का पर्याय थे। मुझे लगा क्या यह इसी विपन्नता में मर जाएंगे। तभी चरित्र ने जोर मारा- जीवन में अपने सद्चरित्र से ही आदमी को अपनी जीविका चलानी चाहिए। जब पिताजी ने इस मूल्य को नहीं त्यागा तो मुझे इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए। तभी मन का विरोधी बोला- 'भूखो मर जाओगे, भाई-बहिनों की पढ़ाई-लिखाई, शादी ब्याह कुछ भी नहीं हो पाएगा। जिंदगी की रेस में बढना है तो भ्रष्टाचार में लग जाओ।' तभी पिताजी बोले- 'बेटा! तुम्हारे भीतर जो द्वंद्व चल रहा है उसे मैं समझता हूं, लेकिन प्रैक्टिकल हुए बिना जीवन नैया पार नहीं लगेगी। मैं चरित्र की अपनी सारी शिक्षाएं विड्रा करता हूं। हो सके तो इस घर को भुखमरी से निकाल लो।' मेरी आंखें आश्चर्य से खुली रह गईं, उनके मुख से यह बात सुनकर। उनकी आंखों में आंसू भरे थे। उनकी चाह को मैं भली प्रकार से समझ सकता था। मैं बोला- 'यह आप क्या कह रहे हैं पिताजी। चरित्र और सिद्धांत मेरी रग-रग में समा चुका है। अब इसे आसानी से विड्रा नहीं किया जा सकता। जब पेट ईमानदारी से भर सकता है, तो बईमानी की क्या आवश्यकता है?' 'बेटा! अकेले पेट का सवाल नहीं है, अब जरूरतें इतनी बढ़ गयी हैं कि उसके अनुसार तुम नहीं बन पाए तो मुझे दुःख होगा। हालांकि गलती मेरी ही है। लेकिन बेटा पहले का जमाना वही था। नए जमाने को और नए मूल्यों को समझने की आवश्यकता है। मैं नहीं चाहता कि तुम भी मेरी ही तरह घुट-घुट कर मरो। चरित्र समय की आवश्यकता नहीं है।' 'मैं आपका आशय समझ नहीं पा रहा?' 'अभी समझाता हूं बेटा। देखो चुनाव नजदीक हैं, मैं चाहता हूं कि तुम राजनीति में चले जाओ। इसमें तुम जल्दी ही प्रेक्टिकल बन जाओगे। सारे चरित्र पर पानी फिर जाएगा। मेरी आत्मा को शांति मिलेगी तथा तुम अच्छा कमा-खा लोगे। राजनीति में जमने के लिए चरित्र को त्यागना पड़ता है तथा थूककर चाटना पड़ता है।' इतना कहकर वे चले गए और मैं ठंडा पड़ गया। काटो तो खून नहीं। निश्चित नहीं कर पा रहा था कि राजनीति में जाऊं या नहीं। क्योंकि चरित्र, संकट बन चुका था।

देश दुनिया से

हिंसा से नहीं विकास से होगा नक्सलवाद का खात्मा

लोकतंत्र का रास्ता छोड़ कर हथियारों के बल पर क्रांति लाने का ख्वाब पाले नक्सलियों को इसकी कीमत अपने खून से लगातार चुकानी पड़ रही है। हथियारों के बल पर हिंसा के जरिए दहशत फैलाने वाले नक्सलियों को यह समझ में नहीं आया कि क्रांति वहां होती है, जहां राजशाही या तानाशाही का शासन हो। लोकतंत्र में लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी मांग मनवाई जा सकती है। इसका सीधा रास्ता है चुनाव की प्रक्रिया के जरिए अपने मनपसंद प्रतिनिधियों को चुनना और कानून बनवाना। इसके विपरीत हथियारों के बलबूते हिंसा के रास्ते पर चलने का नतीजा खून-खराबे के अतिरिक्त कुछ नहीं हो सकता। नक्सली प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की लगातार कसती जा रही घेराबंदी में बड़ी तादाद में युवा नक्सलियों की जान जा रही है। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर-दंतेवाड़ा सीमा के पास सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के साथ जंगल में हुई मुठभेड़ में 32 माओवादियों को मौत के घाट उतार दिया। अब तक ऐसी सैकड़ों मुठभेड़ों में भटके हुए युवा हजारों की संख्या में अपनी जान गंवा चुके हैं। सुरक्षा बलों की संख्या और मजबूती के सामने नक्सली कहीं नहीं टिक सकते। यह जानते हुए भी नक्सलवाद एक हारी हुई लड़ाई है, गुमराह नक्सली जान देने पर आमदा हैं। इससे ज्यादा अफसोसजनक बात क्या हो सकती है, बदलाव के लिए जिन युवाओं के हाथों में कलम, कम्प्युटर या ऐसे ही समाज और राष्ट्रनिर्माण के उपकरण हो सकते हैं, उनके हाथों में हथियार हैं। इसमें भी उन्हें कहीं चैन-सुकून नहीं है। पुलिस की गोली जंगलों में कब उनका काम तमाम कर दे, इसका डर उन्हें दिन-रात सताता रहता है। परिवार और समाज से दूर यायावरों की तरह जंगलों में भटकने वाले नक्सलियों पर हर वक्त मौत का साया मंडराता रहता है। देश की आजादी को 75 साल से ज्यादा हो गए। देश में बदलाव लाने के लिए नक्सलियों के हिंसात्मक आंदोलन को भी 6 दशक से ज्यादा का समय हो गया। नक्सलियों का दायरा लगातार सिकुड़ता जा रहा है। कभी आठ-दस राज्यों में प्रभाव रखने वाले नक्सलियों का दायरा सिमटता हुआ दो-तीन राज्यों में रह गया। देश की पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त और सशक्त कार्रवाई के सामने नक्सली बौने साबित हुए हैं। इस वर्ष अब तक दंतेवाड़ा और नारायणपुर समेत सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग मुठभेड़ों में 171 माओवादियों को मार गिराया है। नक्सलवाद की शुरुआत पश्चिम बंगाल के एक छोटे से गांव नक्सलबाड़ी से हुई थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता कानू सान्याल और चारू माजूमदार ने सरकार के खिलाफ 1967 में एक मुहिम छेड़ी थी। देखते ही देखते ये एक आंदोलन बन गया और चिंगारी फैलने लगी। इस आंदोलन से जुड़े लोगों ने खुद सरकार के खिलाफ हथियार उठा लिए। सरकार के खिलाफ ये विद्रोह उन किसानों का था, जो जमींदारों के अत्याचार से परेशान हो चुके थे। इसमें कोई संदेह नहीं कि जंगलों में पैतृक अधिकारों से वंचित आदिवासियों ने सरकारी तंत्र के जुल्म-सितम से तंग आकर कोई विकल्प नहीं देख कर नक्सली विचारधारा का दामन थामा। राज्यों की सरकार ने दशकों तक इन इलाकों में विकास को तरजीह नहीं दी। इससे नक्सलियों के कुप्रचार का रास्ता और भी आसान हो गया। यही वजह रही कि पश्चिमी बंगाल से शुरु हुआ नक्सलवाद सीमावर्ती राज्यों में फैलता चला गया। बीते दशकों के दौरान नक्सलियों और सुरक्षाबलों को भारी जनहानि उठानी पड़ी। नक्सलियों के प्रभाव वाले क्षेत्रों में विकास कार्य ठप्प पड़ गए। इसका फायदा उठा कर कट्टर नक्सलियों को युवाओं को बहकाने का मौका मिल गया। नक्सलवाद की समस्या से निपटने के लिए केंद्र और राज्यों ने दो स्तरीय नीति बनाई। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के राहत पैकेज और हिंसा करने वालों के प्रति सख्ती की नीति अपनाई। इसी के तहत राज्यों में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को अनुग्रह राशि देने का प्रावधान किया गया। इनके पुनर्वास की योजना को मंजूरी दी गई। विवाह करने के लिए भी राशि का प्रावधान किया गया ताकि युवा हिंसा का रास्ता छोड़ कर परिवार-समाज के साथ सामान्य जीवन बिता सकें। इसके अलावा केंद्र और राज्य संयुक्त तौर पर नक्सलियों से निपटने की रणनीति पर लगातार कार्यरत हैं। नक्सलियों के राहत पैकेज की रफ्तार बेशक धीमी हों, किन्तु इसका फायदा उठा कर अब तक बड़ी संख्या में युवा हथियार छोड़ कर सामान्य जीवन व्यतीत करने में सफल रहे हैं। नक्सलियों पर सुरक्षा बलों पर दवाब के साथ जरूरत इस बात की है कि विकास की रफ्तार तेज की जाए। नक्सलवाद के जड़ सहित खात्मे के लिए दवाब और विकास की रणनीति जरूरी है। सच्चाई यह भी है कि नक्सल प्रभावित राज्यों में जिस तेजी से विकास होना चाहिए था, वह ऊंट के मुंह में जीरा साबित हुआ है।

हथियारों के बल पर हिंसा के जरिए दहशत फैलाने वाले नक्सलियों को यह समझ में नहीं आया कि क्रांति वहां होती है, जहां राजशाही या तानाशाही का शासन हो। लोकतंत्र में लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी मांग मनवाई जा सकती है। इसका सीधा रास्ता है चुनाव की प्रक्रिया के जरिए अपने मनपसंद प्रतिनिधियों को चुनना और कानून बनवाना। इसके विपरीत हथियारों के बलबूते हिंसा के रास्ते पर चलने का नतीजा खून-खराबे के अतिरिक्त कुछ नहीं हो सकता। नक्सली प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की लगातार कसती जा रही घेराबंदी में बड़ी तादाद में युवा नक्सलियों की जान जा रही है। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर-दंतेवाड़ा सीमा के पास सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के साथ जंगल में हुई मुठभेड़ में 32 माओवादियों को मौत के घाट उतार दिया। अब तक ऐसी सैकड़ों मुठभेड़ों में भटके हुए युवा हजारों की संख्या में अपनी जान गंवा चुके हैं।

आप का नजरिया

एक झील की मौत

महकमों की काबिलीयत का शोक मनाती धर्मशाला की डल झील की मछलियों को मरना पड़ा। वे एक दिन में नहीं मरीं और न ही जल रिसाव अचानक हुआ। झील की सड़ांध में कितने ही पाप घुल मिल चुके हैं और वे तमाम घोषणाएं भी वहीं कहीं उसी आस को रो रही हैं, जो वर्षों से नेताओं की रंग बदलती जुबान से निकलती रही हैं। आश्चर्य यह कि पर्यटन के इस ग्रहण को न सरकार की दौलत और न ही विभागीय मोहलत बचा पाई। यह दीगर है कि तड़पने के बाद दस-बारह क्विंटल मछलियों को खड्डु में डाल दिया गया, वरना इस झील की कब्र में कितने ही फर्ज पहले से डूब चुके हैं। आज के युग में एक प्राकृतिक झील की हत्या कई प्रश्न उठाती है और यह कोई अनहोनी घटना भी नहीं, हम पहले ही सबसे बड़ी रेणुका झील का दायरा सुखा चुके हैं। रिवालसर झील की मछलियां बाल-बाल बचती हैं, तो खजियार की झील अब दलदल की सौगात है। धर्मशाला झील की बारी लगातार आ रही है और पिछले एक दशक की मूक गवाही में यह कारनामा हुआ, तो इसलिए कि हमारी हर सुबह सियासत के सपने देखती है। यह दौर विभागों की करामात, योजनाओं के लक्ष्य और परियोजनाओं की डूबती नैया की कहानी में डल झील को सुशोभित कर रहा है। जहां चारों तरफ गाद से पर्यटन विमर्श कर रहा है। आश्चर्य यह कि पर्यटन की किश्तियां अब अपने ही साहिल पर डूब रही हैं। वहां मातम मनाते पर्यटक मिल जाएंगे, लेकिन न मसला जल शक्ति विभाग को समझ आया, न वन विभाग और न ही पर्यटन विभाग इस आकर्षण को सिमटते देख कर अपनी आंखें खोल पाया। एशियन विकास बैंक के सहयोग से पर्यटन की कचहरी दलीलें सुनती रहती है, लेकिन इस अभागी झील को कोई सुखद पैगाम नहीं आया। इसी झील के किनारे वीआईपी दौड़े। स्थानीय लोगों ने अपने-अपने व्यवसायों का सीना चौड़ा कर लिया। झील ने कई विधायक-कई मंत्री बनते देखे, लेकिन खुद को कोसने के सिवाय क्या मिला। जरूर यहां भी ठेकों का आबंटन होता रहा होगा। निर्माण की विधा में कंक्रीट बिछा या चूना लगा, यह वीरान मंजर बता रहा है कि पानी को कहीं न कहीं चूसा गया है। यह भ्रष्टाचार की फॉल्ट लाइन है या हमारे ज्ञान की कमजोरी कि रिसाव की जगह को चिन्हित ही नहीं कर पाए। यह हमारी असफलताओं का मॉडल है जो पर्यटन के नाम पर धब्बा है। हमने अपनी घाटियां उजाड़ीं, देवदार के पेड़ उजाड़े, चाय के बागीचे और नदियों के मुहाने तक खोद डाले। आखिर पर्यटन के लिए हर आकर्षण को संरक्षण चाहिए या उजड़ते सरकारी होटल। झील उस वक्त मर रही है, जब कांगड़ा को पर्यटन की राजधानी बनाने की मशक्कत चल रही है। हम चाहे भारत का सबसे ऊंचा म्यूजिकल फाउंटेन स्थापित कर दें, वेलनेस सेंटर बना दें, हर सडक़ पर द्वार बना दें, लेकिन प्राकृतिक तौर पर उपलब्ध नजारे अगर नहीं बचा पाए, तो पूरा पर्यटन खंडहर बन जाएगा। आश्चर्य यह भी कि स्मार्ट सिटी के तमाम योजनाकारों ने भी धर्मशाला में कंक्रीट ही चुना, लेकिन अपनी किसी परियोजना में नहीं चुनी तो डल झील।

इजराइल का बेरूत और सीरिया पर हवाई हमला, हिजबुल्लाह के गढ़ में कई इमारतें जमींदोज, 22 मारे गए

बेरूत/दमिश्के, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइली सुरक्षा बल (आईडीएफ) लेबनान में कभी बेखौफ घूमने वाले और गाजा की लड़ाई में हमास का साथ देने वाले ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के कमांडरों और उनके गढ़ों को चुन-चुनकर निशाना बना रहा है। इजराइल के ताजा हवाई हमले में हिजबुल्लाह के गढ़ में कम से कम 22 लोग मारे गए । कई इमारतें जमींदोज हो गईं।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने खबर में लेबनान के अधिकारियों के हवाले से कहा है कि गुरुवार को मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले रास अल-नाबा इलाके में इजराइली हवाई हमले में कम से कम 22 लोग मारे गए और कम से कम 117 अन्य घायल हो गए। रास अल-नाबा में इजराइल की बमबारी की वजह से विस्थापित हुए लोग रह रहे हैं। आईडीएफ ने इन हमलों पर तत्काल टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

हमास ने पिछले साल सात अक्टूबर को इजराइल पर हमला किया था। इसके बाद इजराइल ने गाजा में आक्रमण कर हमास के छक्के छुड़ाए। हिजबुल्लाह इससे तिलमिला गया। उसने उत्तरी इजराइल पर रॉकेट दागने शुरू कर दिए। इजराइल ने तब लेबनान में हमले शुरू किए। तब से हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। हाल के हफ्तों में लेबनान में लगभग 10 लाख लोग अपने घर छोड़कर भाग गए हैं। पिछले महीने से इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच घमासान छिड़ा हुआ है। इजराइल के ताजा हवाई हमले में रास अल-नाबा में आठ मंजिला इमारत की मध्य मंजिल को निशाना बनाया गया। इस हमले में दूसरी चार मंजिला इमारत जमींदोज हो गई।

इजराइल को लेबनान में छुपे हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह को मौत के घाट उतारने में कामयाबी मिल चुकी है। यही नहीं नसरल्लाह के प्रमुख उत्तराधिकारी हाशेम सैफिद्दीन का सफाया भी किया जा चुका है। वह पिछले सप्ताह इजराइल की एयरस्ट्राइक में मारा गया। द सीरियन ऑब्जर्वर के अनसार, इजराइल के दक्षिणी सीरिया पर किए गए हवाई हमले में हिज्बुल्लाह का एक आतंकवादी मारा गया है। आईडीएफ के अनुसार, गोलान हाइट्स की सीमा के सीरिया के कुनेइत्रा क्षेत्र में यह हमला किया गया। इसमें हिजबुल्लाह का आतंकी अधम जाहौत मारा गया। इस बीच गुरुवार को इराक ने सीरिया के अल-होल शिविर से अपने 706 लोगों को वापस बुला लिया। इस शिविर में कम से कम 45 देशों के 43,000 से अधिक लोग रहते हैं। इनमें इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह के संदिग्ध आतंकवादियों के रिश्तेदार भी हैं।

इस बीच सीरिया की सरकारी संवाद समिति सीरियन अरब न्यूज एजेंसी (एसएएनए) ने कहा है कि इराकी प्रतिरोध ने शुक्रवार को इजराइल के एक महत्वपूर्ण लक्ष्य को ड्रोन से निशाना बनाया। यह ड्रोन अटैक उम्म अल-रशरश (इलाट) में किया गया।

न्यूज ब्रीफ

विश्वास की बुनियाद पर चलती हैं अदालतें : सीजेआई चंद्रचूड़

थिम्फू। भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि अदालतों की बुनियाद जनता के भरोसे पर टिकी हुई है। इसलिए इसकी विश्वनीयता और जनता का विश्वास बना रहना बेहद जरुरी है। चूंकि जज जनता द्वारा चुने नहीं जाते हैं इसलिए उनकी विश्वसनीयता और वैधता के लिए जनता का विश्वास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास से ही अदालतों को अपना नैतिक अधिकार प्राप्त होता है। भूटान के जेएसडब्ल्यू स्कूल ऑफ लॉ में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीजेआई ने ये बातें कही हैं। सीजेआई ने कहा, लोकतांत्रिक सिद्धांत में जवाबदेही आमतौर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़ी होती है। निर्वाचित प्रतिनिधि सीधे अपने मतदाताओं और विधायी संस्थानों के प्रति जवाबदेह होते हैं। कुल मिलाकर वे लोकप्रिय जनादेश द्वारा चुने जाते हैं। दूसरी ओर न्यायालय और न्यायाधीश संविधान या वैधानिक कानूनों के जनादेश से अपनी शक्तियां प्राप्त करते हैं। चंद्रचूड़ ने कहा, न्याय न केवल किया जाना चाहिए बल्कि न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। अदालती प्रक्रिया में फंसे लोगों की तुलना में नतीजे दुर्लभ होते हैं। इसलिए न केवल संवैधानिक परिणाम बल्कि संवैधानिक यात्राएं भी मायने रखती हैं। ओपन कोर्ट सुलभ अदालतें मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रौद्योगिकी और सरल प्रक्रियाएं इन यात्राओं की कुंजी होंगी।सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीशों के लिए जनता का विश्वास महत्वपूर्ण है क्योंकि हम अपने नागरिकों के दैनिक जीवन की समस्याओं से निपटते हैं। सीजेआई ने कहा, उस भरोसे को पूरा करने के लिए हमें उनके जूते में अपने पैर रखकर चलना चाहिए। उनकी वास्तविकताओं को समझना चाहिए और उनके अस्तित्व में समाधान खोजना चाहिए।सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि औपनिवेशिक संरचनाओं और कानूनी प्रक्रियाओं की पीड़ा से उभरने के बाद भारत में अदालतें सार्वजनिक धारणा के मामले में औपनिवेशिक बोझ से तुरंत मुक्त नहीं हुईं। भारतीय संविधान ने स्वतंत्रता और संप्रभु संस्थानों के एक नए युग की शुरुआत की, लेकिन यह बदलाव हमारी कानूनी प्रक्रियाओं और प्रथाओं में तुरंत परिलक्षित नहीं हुआ ।

शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकराया, ब्लैकआउट, जीपीएस सेवाओं में गिरावट

लॉस एंजिल्स। अमेरिका नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के मुताबिक गुरुवार को एक शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकराया है। तूफान हेलेन और मिल्टन से निपटने के लिए किए जा रहे रिकवरी प्रयासों को यह प्रभावित कर सकता है। एनओएए के अंतरिक्ष मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एसडब्ल्यूपीसी) के मुताबिक मंगलवार को सूर्य से कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) विस्फोट हुआ और गुरुवार सुबह 11: 15 बजे (ईएसटी) करीब 1.5 मिलियन मील प्रति घंटे की गति से पृथ्वी पर पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट में एसडब्ल्यूपीसी के हवाले से बताया कि तूफान जी4 स्तर पर पहुंच गया। इसे जी4 जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच के रूप में वर्गीकृत किया गया है। गुरुवार और शुक्रवार को जी4 या उससे अधिक जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच प्रभावी रहा। एसडब्ल्यूपीसी, जियोमैग्नेटिक तूफान की स्थितियों को लेकर चेतावनियां और अलर्ट जारी करता है। एनओएए के मुताबिक रेडियो ब्लैकआउट, बिजली ग्रिड पर दबाव और जीपीएस सेवाओं में गिरावट आई है। सीएमई, सूर्य के कोरोना से चुंबकीय क्षेत्र और प्लाज्मा द्रव्यमान का बहुत बड़ा उत्सर्जन है। जब वे पृथ्वी की ओर आता है, तो पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में बड़ी हलचल पैदा करता है, जिसे भू-चुंबकीय तूफान कहा जाता है। इससे रेडियो ब्लैकआउट, बिजली कटौती का खतरा बढ़ जाता है ।

32 किग्रा का ट्यूमर लेकर 7 साल से घूम रही थी महिला

ग्वाटेमाला । महिला को शुरू में लगा कि वो प्रेग्नेंट है। इसलिए वो इतने बड़े पेट के साथ घूमती रही। लेकिन हॉस्पिटल गई तो उसके पेट से 32 किलो का ट्यूमर निकाला गया, जो उसके गर्भाशय में मौजूद था। यह मामला सेंट्रल अमेरिका के ग्वाटेमाला का है। तब इसे दुनिया का सबसे बड़ा ट्यूमर कहा गया, लेकिन गिनीज बुक्स के मुताबिक ऐसा नहीं है। बताया जाता है कि ये महिला पिछले 7 सालों से इस ट्यूमर को पेट में लिए घूम रही थी। शुरू में उसे लगा कि प्रेग्नेंट है, लेकिन बाद में जब ट्यूमर होने की बात पता चली, तो उसने समाजिक और सांस्कृतिक कारणों से इलाज करवाने से इनकार कर दिया था। लेकिन जब बात जान पर बन आई, तब थक-हार कर उसने सर्जरी करवाने का फैसला किया। सोशल मीडिया पर इस महिला की कहानी तेजी से वायरल हो रही है। चिकित्सकों के मुताबिक, महिला तब भी ट्यूमर नहीं निकलवाना चाहती थी, लेकिन जब वह कैंसर का रूप लेने लगा, महिला के जान पर बन आई, तब वो सर्जरी करवाने को तैयार हुई। महिला की सर्जरी करने वाली डॉक्टर ने बताया कि पिछड़े इलाकों में ज्यादातर महिलाएं अंधविश्वास की वजह से अपने स्वास्थ के साथ खिलवाड़ करती हैं।

पाकिस्तान में बड़ा अटैक

बलूचिस्तान में कोल खदान पर रॉकेट और ग्रेनेड से हमला, 20 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, 11 अक्टूबर (एजेंसियां) । पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक कोयला खदान में रॉकेट और ग्रेनेड से हुए हमले में कम से कम 20 लोग मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। इस हमले की अभी तक किसी भी आतंकवादी संगठन या समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। उल्लेखनीय है कि बलूचिस्तान में अगस्त में हुए आतंकी हमलों में कम से कम 50 लोगों की जान चली गई थी।

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को बलूचिस्तान के डुकी इलाके में निजी कोयला खदान पर हथियारबंद लोगों के हमले में कम से कम 20 खनिक मारे गए और सात घायल हो गए। डुकी पुलिस स्टेशन के एसएचओ हुमायूं खान ने कहा है कि हथियारबंद लोगों के एक समूह ने तड़के डुकी इलाके में जुनैद कोल कंपनी की खदानों पर हथियारों से हमला किया। हमलावरों ने रॉकेट और ग्रेनेड भी दागे। डुकी जिला अस्पताल के डॉक्टर जौहर खान शादीजई ने कहा कि जिला अस्पताल में अब तक 20 शव और छह घायल भेजे गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

जिला परिषद अध्यक्ष खैरुल्ला नासिर ने भी घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि बदमाशों ने हमले में हैंड ग्रेनेड, रॉकेट लॉन्चर और अन्य आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया। हमलावरों ने खान की मशीनरी में भी आग लगा दी। नासिर ने कहा कि सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और फ्रंटियर कोर की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। डुकी के जिला उपायुक्त कलीमुल्लाह काकर और सहायक आयुक्त, फंटियर कोर कमांडेंट और डुकी के पुलिस अधीक्षक ने मौके का जायजा लिया है।

जिला उपायुक्त कक्कड़ ने कहा कि पीड़ित पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ अफगानिस्तान के भी थे। सातों घायलों को लोरलाई तहसील मुख्यालय स्थानांतरित कर दिया गया है। घटना की जांच आतंकवाद निरोधक विभाग करेगा। उन्होंने कहा कि इस खदान पर हमले का खुफिया अलर्ट मिलते ही इस सूचना से खदान मालिक को अवगत करा दिया गया था।

यह हमला तब हुआ है जब पाकिस्तान 15 और16 अक्टूबर तक इस्लामाबाद में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसे आतंकी हमला करार देते हुए अधिकारियों से इस पर रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने मारे गए खनिकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। कार्यवाहक राष्ट्रपति सैयद यूसुफ रजा गिलानी ने घटना पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह क्रूरता की पराकाष्ठा है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने आतंकवादियों के खिलाफ तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया कि उपद्रवियों को प्रतिबंधित करने और उनका पता लगाने के लिए क्षेत्र की घेराबंदी की जाए। बुगती ने कहा कि आतंकवादियों ने मजदूरों को निशाना बनाकर क्रूरता और उत्पीड़न की हदें पार कर दी हैं। पीटीवी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने भी सशस्त्र हमले की निंदा की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

फितना अल-खवारिज के तीन आतंकी मारे गए- एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, आतंकवाद निरोधक विभाग ने आज बलूचिस्तान के धादर में सिबी के पास अभियान में फितना अल-खवारिज के तीन आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए।

पिछले साल 789 आतंकी हमले, 1524 की मौत- पिछले साल (2023) पाकिस्तान को 789 आतंकी हमलों का सामना करना पड़ा। इन हमलों में 1,524 लोगों की मौत हुई और 1,463 लोग घायल हुए। यह आंकड़ा पिछले छह साल में सर्वाधिक है। जनवरी 2021 में पाकिस्तान के माच कोयला क्षेत्र में शिया हजारा समुदाय के 11 कोयला खनिकों की आंखों पर पट्टी बांधकर हत्या कर दी गई थी। आतंकवादी इस्लामिक स्टेट समूह ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

फिलीपींस ने चीन पर उत्पीड़न का लगाया आरोप, आसियान आचार संहिता में तेजी लाने का किया आग्रह

मनीला, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने गुरुवार को चीन द्वारा उनके देश के खिलाफ उत्पीड़न और धमकी का हवाला दिया और आसियान से दक्षिण चीन सागर में आचार संहिता को अपनाने में तेजी लाने का आग्रह किया।

फिलीपींस के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि फिलीपींस जल क्षेत्र में निरंतर बढ़ती चीनी आक्रामकता और उत्पीड़न के बीच, राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने आसियान सदस्य देशों से सार्थक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए आसियान-चीन आचार संहिता में तेजी लाने का आह्वान किया। मार्कोस जूनियर ने लिखा कि कोड के कुछ मौलिक तत्व अब तक अनिश्चित हैं क्योंकि सदस्य देशों के बीच कुछ मामलों पर असहमति है, जिनमें दस्तावेज की कानूनी स्थिति से लेकर स्वयं संयम जैसे मौलिक अवधारणा शामिल हैं। उन्होंने कहा, सदस्यों को गंभीरता से मतभेदों को समाप्त करने और तनाव कम करने के लिए तत्पर रहना चाहिए।

फिलीपींस और चीन सहित कई एशिया-प्रशांत देश, दक्षिण चीन सागर में कई द्वीपों और चट्टानों की क्षेत्रीय संबद्धता पर विवाद कर रहे हैं। जुलाई 2016 में, फिलीपींस द्वारा दायर एक मुकदमे के बाद, हेग में स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने फैसला सुनाया कि चीन के पास दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय दावों का कोई आधार नहीं है। अदालत ने फैसला सुनाया कि द्वीप विवादित क्षेत्र नहीं हैं और एक विशेष आर्थिक क्षेत्र का गठन नहीं करते हैं, लेकिन बीजिंग ने फैसले को स्वीकार करने से मना कर दिया। हाल के सप्ताहों में विवादित जल क्षेत्र में फिलीपींस और चीनी नौकाओं के टकराव की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। उनमें से सबसे हालिया में, मंगलवार को, मनीला ने चीनी तटरक्षक बल पर फिलीपींस की मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं पर पानी की बौछारें करने का आरोप लगाया, हालांकि बीजिंग ने कहा कि यह उसके क्षेत्र में घुसपैठ के खिलाफ वैध नियंत्रण उपाय था जिसे वह अपना जलक्षेत्र मानता है।

फ्लोरिडा में तूफान मिल्टन का कहर बाढ़ से हालात, 12 लोगों की मौत

न्यूयॉर्क, 11 अक्टूबर (एजेंसियां) । अमेरिका के दक्षिणपूर्वी राज्य फ्लोरिडा के लोगों को तूफान मिल्टन की वजह से सारी रात तेज हवा, बवंडर और भारी बारिश का सामना करना पड़ा। कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। इस दौरान कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, छह लोगों की मौत सेंट लूसी काउंटी में हुई है। पांच लोग बवंडर में मारे गए । एक अन्य की मौत भी जल आपता में हो गई। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। लगभग 2.6 मिलियन लोगों को बिना बिजली के गुजारा करना पड़ा। मिल्टन का प्रभाव ताम्पा खाड़ी क्षेत्र में कमजोर पड़ चुका है। मिल्टन 2024 में अब तक खाड़ी तट से टकराने वाला पांचवां तूफान है। यह फ्लोरिडा तट से टकराया है।

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की लाओस में चार्ल्स मिशेल, मार्कोस और क्लाउस से मुलाकात

विएंतियान/लाओस , 11 अक्टूबर । भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाओस की राजधानी विएंतियान में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से इतर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल, फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस और विख्यात अर्थशास्त्री क्लाउस श्वाब से मुलाकात की।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक नेताओं से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने एक्स हैंडल पर लिखा, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के साथ एक शानदार बातचीत। फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस के साथ अद्भुत बातचीत हुई और दोस्त मार्टिन श्वाब से मिलना अच्छा लगा। उल्लेखनीय है कि मार्टिन श्वाब जर्मन मैकेनिकल इंजीनियर, अर्थशास्त्री और विश्व आर्थिक मंच के संस्थापक हैं। उन्होंने 1971 में संगठन की स्थापना के बाद से डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

मई 2024 में डब्ल्यूईएफ ने घोषणा की कि श्वाब जनवरी 2025 तक कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका से न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष की भूमिका में आ जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के नवनियुक्त प्रधानमंत्री इशिबा उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और जापान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में उनकी सफलता की कामना की। दोनों नेताओं ने सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन को पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीखों पर भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

दोनों ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, डेयरी, कृषि तकनीक, खेल, पर्यटन, अंतरिक्ष और लोगों से लोगों के संबंधों सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान सम्मेलन में कहा कि हम शांतिप्रिय देश हैं और एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं। हम अपने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब विश्व संघर्ष और तनाव का सामना कर रहा है, भारत-आसियान मित्रता, समन्वय, संवाद और सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जापान पर परमाणु हमले में जीवित बचे लोगों के संगठन निहोन हिडांक्यो को नोबेल शांति पुरस्कार

स्टॉकहोम, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोबेल पुरस्कार देने वाली नार्वे की संस्था ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम हमलों में जीवित बचे लोगों के संगठन निहोन हिडांक्यो को इस वर्ष के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुना है। नोबेल समित ने यह पुरस्कार दुनिया में रुस-यूक्रेन युद्ध तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर परमाणु हथियारों के निषेध की सहमित टूटने के खतरों के प्रति दुनिया को सजग करने के लिए निहोन हिडांक्यो संगठन को शांति पुरस्कार के लिए चुना है।नॉर्वे नोबेल समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वात्ने फ्रिदनेस ने शुक्रवार को इस पुरस्कार की घोषणा करते हुए कहा कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के निषेध को लेकर विश्व में जो सहमति बनी थी आज वह दबाव में है, इसी कारण जापान के इस संगठन को पुरस्कार के लिए चुना गया है। निहोन हिडांक्यो का गठन वर्ष 1956 में किया गया था। यह जापान पर अमेरिका की ओर से छह और नौ अगस्त 1945 के परमाणु बम हमलों में बचे लोगों का सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली संगठन है। इसका मिशन परमाणु हथियारों के विनाशकारी मानवीय परिणामों के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना रहा है। हिबाकुशा-हिरोशिमा और नागासाकी के बचे लोगों ने उन परमाणु हमलों से अपने इलाकों में हुई तबाही के अपने व्यक्तिगत अनुभवों और कहानियों को साझा करके, अंतरराष्ट्रीय परमाणु निषेध पर एक सहमति को आकार देने में महत्वपूर्ण भमिका निभाई है। यह सहमति परमाणु हथियारों के उपयोग को नैतिक रूप से अस्वीकार्य बताते हुए परमणु निषेध के शक्तिशाली मानदंड के रूप में काम कर रही है। लेकिन पहले परमाणु हमले के इतने वर्ष बाद भी परमाणु-हथियार निषेध के भंग होने का खतरा है।नोबेल समिति ने परमाणु हथियारों के खिलाफ वैश्विक विरोध को उत्पन्न करने और बनाए रखने के उनके अथक प्रयासों के लिए निहोन हिडांक्यो की प्रशंसा की, इसी के मद्देनजर उनकी गवाही ने ऐसे हथियारों के कारण होने वाले अकल्पनीय दर्द और पीड़ा की एक अनूठी, प्रत्यक्ष समझ प्रदान की है। समिति ने अपनी घोषणा में कहा, हिबाकुशा हमें अवर्णनीय का वर्णन करने, अकल्पनीय के बारे में सोचने में मदद करता है। नोबेल समिति ने कहा है कि बमबारी के लगभग 80 साल बीत जाने के बावजूद परमाणु हथियार वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं। यह पुरस्कार वैश्विक शांति के लिए बढ़ते खतरों की भी याद दिलाता है। समिति ने कहा कि परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, और नए खतरों के सामने आने के कारण उनके उपयोग के खिलाफ मानदंड दबाव में हैं। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अपने तीसरे वर्ष में भी जारी है, जिसमें बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है। गाजा में पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुआ संघर्ष पहले ही 42,000 से अधिक लोगों की जान ले चुका है, और पूरे क्षेत्र में हिंसा बढ़ रही है। सूडान भी 17 महीने से चल रहे घातक युद्ध से जूझ रहा है, जिसमें लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।गौरतलब है कि अगले साल हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए जाने के 80 साल पूरे हो जाएंगे, जिसमें लगभग 120,000 लोगों की मौत हो गयी थी और उसके बाद के हज़ारों लोग घायल हो गए और विकिरण के संपर्क में आये लोगों को दर्द आज भी छलकता है। समिति ने कहा, इस साल का नोबेल शांति पुरस्कार निहोन हिडांक्यो को देकर, नार्वे की नोबेल समिति उन सभी बचे लोगों को सम्मानित करना चाहती है, जिन्होंने शारीरिक पीड़ा और दर्दनाक यादों के बावजूद, शांति के लिए आशा और जुड़ाव पैदा करने के लिए अपने महंगे अनुभव का उपयोग करना चुना है।

इंग्लैंड ने यादगार और रिकॉर्डों से भरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को एक पारी और 47 रन से हराया

मुल्तान, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।
इंग्लैंड ने शुक्रवार को पहले मैच के पांचवें और अंतिम दिन पाकिस्तान को पारी और 47 रन से हराकर अपनी सबसे यादगार टेस्ट जीत दर्ज की। मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अब्दुल्ला शफीक (102), कप्तान शान मसूद (151), आगा सलमान (नाबाद 104) के बेहतरीन शतकों और सऊद शकील (82) के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत अपनी पहली पारी में 556 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने जो रूट (262) के बेहतरीन दोहरे शतक और हैरी ब्रुक (317) के शानदार तिहरे शतक की बदौलत अपनी पहली पारी 7 विकेट पर 823 रन बनाकर घोषित कर दी। सलमान अली आगा (63) और आमिर जमाल (नाबाद 55) के जुझारू अर्धशतकों के बावजूद पाकिस्तान की टीम अपनी दूसरी पारी में पांचवें दिन पहले सत्र में ही 220 रन पर आउट हो गई। 11वें नंबर के अबरार अहमद बुखार के कारण बल्लेबाजी नहीं कर सके और पाकिस्तान को पहली पारी में 500 से अधिक रन बनाने के बावजूद एक पारी से मैच हारना पड़ा। बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच ने अंतिम दिन तीनों विकेट चटकाए और 4-30 के साथ मैच समाप्त किया, इंग्लिश तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और डेब्यू करने वाले ब्रायडन कार्स ने चौथे दिन शाम को ही पाकिस्तान के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। चौथे दिन की समाप्ति पर पाकिस्तान ने 6 विकेट पर 152 रन बनाए थे। पांचवें दिन 152/6 से आगे खेलते हुए, आगा और जमाल ने एक घंटे तक संघर्ष किया और अपनी साझेदारी को 109 रन तक बढ़ाया, इस साझेदारी को लीच ने अपने पहले ओवर में ही आगा सलमान को सीधी गेंद पर पगबाधा आउट कर दिया। सलमान ने 63 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इसके बाद लीच ने 214 के कुल स्कोर पर शाहीन शाह अफरीदी (10) का शानदार लो रिटर्न कैच पकड़ा और फिर नसीम शाह (06) को स्टंप आउट किया। चूंकि अबरार अहमद बीमार होने के कारण बल्लेबाजी करने नहीं उतरे, इसलिए यहीं पर पाकिस्तान की पारी का अंत हो गया। इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक के आक्रामक तिहरे शतक और जो रूट के शानदार 262 रनों की बदौलत पाकिस्तान के पहली पारी के 556 रनों के जवाब में 823-7 रन बनाकर पारी घोषित करके कई टेस्ट रिकॉर्ड तोड़ दिए। बुधवार को रूट इंग्लैंड के सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए।

न्यूज ब्रीफ

वुहान ओपन 2024: गॉफ ने क्वार्टर फाइनल में लिनेट को हराकर साल की 50वीं जीत दर्ज की

वुहान। विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ ने शुक्रवार को वुहान ओपन के क्वार्टर फाइनल में मैग्डा लिनेट को 6-0, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। यह उनकी वर्ष की 50वीं डब्ल्यूटीए मुख्य ड्रॉ जीत थी। सेमीफाइनल में गॉफ का सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका से होगा। पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन गॉफ, दोनों सेटों में डबल फॉल्ट से जूझती रहीं, लेकिन अपनी ही गलतियों के कारण लिनेट इसका फायदा नहीं उठा सकीं। 20 वर्षीय गॉफ ने मैच के बाद साक्षात्कार में कहा, मैंने अच्छा खेला ... कुल मिलाकर, शायद दो गेम खराब रहे। लिनेट पहले सेट में दो बार गॉफ की सर्विस तोड़ने के करीब पहुंचीं, लेकिन गॉफ ने चार ब्रेक प्वाइंट बचाकर दोनों गेम अपने नाम किए। उन्होंने 21 में से 14 रिटर्न प्वाइंट भी जीते। मैच में आठ डबल फॉल्ट करने वाली गॉफ को दूसरे सेट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन लिनेट की 22 अनफोर्स्ड गलतियों में से एक ने अमेरिकी खिलाड़ी को सातवें गेम में बढ़त दिला दी, क्योंकि उन्हें सेट का एकमात्र ब्रेक मिला, जिससे जीत पक्की हो गई। वहीं शुक्रवार को यूएस ओपन चैंपियन सबालेंका ने मैग्डेलेना फ्रेच को 6-2, 6-2 से हराया, जिससे सेमीफाइनल में शनिवार को उनका सामना गॉफ से होगा। तीसरी वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी दिन में बाद में एक अन्य क्वार्टरफाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त झेंग किनवेन से भिड़ेंगी, जबकि एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा का सामना वांग शिन्यू से होगा।

आईओसी अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के प्रेजेंटेशन जनवरी 2025 में

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने गुरुवार को घोषणा की है कि आईओसी प्रेसीडेंसी के लिए उम्मीदवारों के प्रेजेंटेशन 30 जनवरी, 2025 को स्विट्जरलैंड के लॉज़ेन में होंगे। सात उम्मीदवारों द्वारा सुबह के प्रेजेंटेशन के बाद, आईओसी दोपहर में एक सत्र की मेजबानी करेगा, जिसमें 2028 शीतकालीन युवा ओलंपिक खेलों के लिए मेजबान शहर का फैसला किया जाएगा, जिसमें इस साल की शुरुआत में आईओसी के साथ लक्षित वार्ता के बाद इटली की डोलोमिटी वाल्टेलिना एकमात्र दावेदार है। सेबेस्टियन कोए, जुआन एंटोनियो समरंच जूनियर, प्रिंस फैसल अल हुसैन, किर्स्टी कोवेंट्री, जोहान एलियाश, डेविड लैपर्टिएंट और मोरिनारी वतनबे सभी ने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है, चुनाव 18 से 21 मार्च, 2025 तक ग्रीस में आईओसी सत्र में होने वाले हैं।

रणजी ट्रॉफी के पहले दौर के मुकाबले शुरु श्रेयस , ईशान पर रहेंगी नजरें, नए नियम भी लागू हुए

मुम्बई । घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी की शुरुआत हो गयी है। इसमें इस बार पहले राउंड में 32 टीमें उतरी हैं। इन टीमों में खेल रहे कई बड़े खिलाड़ियों का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी करना रहेगा। ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा युवा ऋतुराज गायकवाड़, अभिमन्यु ईश्वरन, बी. साई सुदर्शन भी बेहतर प्रदर्शन कर टीम इंडिया के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे। इसमें गत चैंपियन मुंबई का लक्ष्य अपना खिताब बचाये रखना रहेगा। ईशान जहां झारखंड टीम की कप्तानी कर रहे हैं। वहीं अय्यर रहाणे की कप्तानी में मुंबई से खेलेंगे। इसके अलावा मयंक अग्रवाल, पृथ्वी शॉ, मनीष पांडे और चेतेश्वर पुजारा भी यहां बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। अगले माह होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे को देखते हुए श्रेयस बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह बना सकते हैं। रणजी सत्र की शुरुआत के साथ ही कुछ नए नियम भी भारतीय क्रिकेट में लागू हो गये हैं। रणजी सत्र दो चरणों में होगा। इन चरणों के बीच में विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच खेले जाएंगे। रणजी सत्र दो सत्र में कराने का कारण खिलाड़ियों का कामकाज का भार कम करना है। इससे खिलाड़ियों के चोटिल होने की आशंका भी कम हो जाती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने घरेलू सीजन के लिए कई नियम बदल दिए हैं। इसमें पारी के बीच रिटायर होने का नियम भी है. अब बल्लेबाज केवल चोटिल होने पर ही पारी के बीच में रिटायर हो सकेंगे। अगर और किसी कारण से बल्लेबाज पारी के बीच में मैदान छोड़ता है तो उसे आउट माना जाएगा। इसी तरह अब गेंद पर (लार) लगाने पर केवल जुर्माना ही नहीं लगेगा बल्कि गेंद भी बदल दी जाएगी।

एचआईएल भारतीय हॉकी के स्वर्णिम युग को पुनर्जीवित करने के लिए तैयार : सरदार सिंह

बेंगलुरू, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व कप्तान और 2017 में देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार - मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित सरदार सिंह हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की वापसी से बेहद खुश हैं और दो दिनों में होने वाली नीलामी में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। एचआईएल 2024-25 खिलाड़ियों की नीलामी के लिए 1,000 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है, जिसमें पुरुषों की नीलामी 13 और 14 अक्टूबर को होगी, जबकि ऐतिहासिक महिलाओं की नीलामी 15 अक्टूबर को होगी।

2013 में पहले संस्करण में, 38 वर्षीय खिलाड़ी को दिल्ली वेवराइडर्स के साथ प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट चुना गया था। उन्होंने लीग के सभी संस्करण खेले हैं।

सरदार सिंह ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, एचआईएल एक अविस्मरणीय अनुभव था; हम लंबे समय तक उच्च प्रदर्शन वाले माहौल में रहे, दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेलते रहे। इससे खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग संस्कृतियों और मानसिकताओं से परिचित होने का माहौल बना। एक प्रभावशाली युवा खिलाड़ी के लिए सकारात्मक अनुभव से बढ़कर कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है।

सरदार सिंह 21 साल की उम्र में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी थे, जब उन्होंने 2008 के सुल्तान अजलान शाह कप में टीम की अगुआई की थी। तब से उन्होंने कप्तान और कोच के तौर पर अनगिनत खिलाड़ियों को तैयार किया है।

सरदार ने कहा, एक तरह से, एचआईएल ने जूनियर पुरुष हॉकी टीम, की जूनियर विश्व कप लखनऊ 2016 मे सफलता को प्रेरित किया। लीग ने खिलाड़ियों को तलाशने के साथ-साथ उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की हॉकी से रूबरू कराने का अवसर प्रदान किया। टीम के मौजूदा मुख्य खिलाड़ी; हरमनप्रीत, मंदीप, सुमित और कई अन्य की पहचान एचआईएल में की गई और उन्हें तैयार किया गया। कप्तान हरमनप्रीत ने 2015 में एचआईएल खेला, जिससे उन्हें तेजी से विकास करने में मदद मिली और उन्होंने 19 साल की उम्र में 3 महत्वपूर्ण गोल करके टीम को जीत दिलाई।

2017 में एचआईएल के अपने आखिरी सीज़न में, सरदार सिंह जेपी पंजाब वॉरियर्स के सह-कप्तान थे और उन्होंने मौजूदा भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप कप्तान हार्दिक सिंह को सलाह दी थी। अपने आदर्श की राह पर चलते हुए, हार्दिक एक कमांडिंग मिडफील्डर के रूप में विकसित हुए हैं और उन्होंने दो ओलंपिक कांस्य पदक जीते हैं। यह सब करते हुए उन्होंने सरदार सिंह की 8 नंबर की ही जर्सी पहनी।

उन्होंने कहा, इस बार एचआईएल बड़ा और बेहतर होगा और साथ ही महिला लीग के आयोजन से, लीग भारतीय हॉकी के स्वर्णिम युग को पुनर्जीवित करने के लिए तैयार है। बड़ी संख्या में भारतीय खिलाड़ी उच्चतम स्तर पर हॉकी का अनुभव करने के लिए कतार में होंगे, जिससे भारतीय हॉकी टीमों के लिए संभावित खिलाड़ियों का एक बड़ा समूह तैयार होगा।

सरदार का हॉकी खिलाड़ी के रूप में शानदार करियर रहा है। उनके पुरस्कारों में 2010 और 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक, 2007 और 2017 में एशिया कप में स्वर्ण पदक और 2014 के एशियाई खेलों में यादगार स्वर्ण पदक शामिल हैं। उन्होंने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए 314 बार खेला, उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच जकार्ता में 2018 एशियाई खेल था, जहाँ भारत तीसरे स्थान पर रहा था।

उन्होंने कहा, कुछ बड़े अंतरराष्ट्रीय सितारे हैं जिन्होंने नीलामी में शामिल होने के लिए पंजीकरण कराया है; यह लीग के कद का प्रमाण है। मैं उन सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने पंजीकरण कराया है और उम्मीद करता हूं कि नए चेहरे उभरेंगे और भारतीय हॉकी के मानक को आगे बढ़ाएंगे।

ग्लोबल शतरंज लीग

मैग्नस कार्लसन ने विश्वनाथन को हराया

लंदन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।
मैग्नस कार्लसन ने ग्लोबल शतरंज लीग में विश्वनाथन आनंद को शिकस्त दी। हालांकि चेन्नई के यह प्रतिभाशाली खिलाड़ी अब पहले जैसे सक्रिय नहीं हैं, लेकिन नॉर्वे के कार्लसन शतरंज में सबसे बड़े सितारे बने हुए हैं।

दोनों सर्वकालिक महान खिलाड़ी, जिन्होंने कुल मिलाकर 10 विश्व चैंपियनशिप जीती हैं, गुरुवार को फ्रेंड्स हाउस में ग्लोबल शतरंज लीग में दूसरी बार आमने-सामने आए। अल्पाइन एसजी पाइपर्स का प्रतिनिधित्व कर रहे कार्लसन ने इस बार जीत हासिल की। गंगेज ग्रैंडमास्टर्स के खिलाफ 13-5 की जीत कार्लसन और उनके साथियों के लिए महत्वपूर्ण थी, क्योंकि उन्होंने अपने अंकों की संख्या 18 मैच पॉइंट तक पहुंचाई और फाइनल के एक कदम और करीब पहुंच गए।

आइकॉन बोर्ड पर यहां अपने पहले मुकाबले में, उन्होंने ड्रॉ खेला था, लेकिन इस बार कार्लसन ने सिसिलियन डिफेंस के सफेद पक्ष से खेलते हुए जीत हासिल की। उन्होंने रूक-एंड-बिशप एंडिंग में थोड़ी बढ़त को जीत में बदल दिया।

परहम मघसूदलू, आर. वैशाली और नर्ग्युल सलीमोवा के खिलाफ रिचर्ड रैपॉर्ट, होउ यिफान और कैटरीना लैग्नो की जीत ने पाइपर्स के लिए एक शानदार राह बना दी। टीम की जीत के बाद कार्लसन ने अपने साथियों की तारीफ करते हुए कहा, अब हमें त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स (शुक्रवार को) के खिलाफ एक कठिन मैच जीतना है।

दिन के पहले मैच में अमेरिकन गैम्बिट्स ने अपग्रेड मुंबा मास्टर्स को 11-6 से हराया। दोनों ही टीमें भले ही फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में नहीं थीं, लेकिन उन्होंने कुछ दिलचस्प मुकाबले खेले।

हिकारू नाकामुरा ने मैक्सिम वचियर-लाग्रेव के खिलाफ अपना आइकॉन बोर्ड गेम जीतकर बढ़त बनाई। विदित गुजराती पर जान-क्रिज़्टोफ़ डूडा की जीत गैम्बिट्स के लिए मैच जीतने के लिए पर्याप्त साबित हुई। बाद में दिन में, पीबीजी अलास्का नाइट्स ने कॉन्टिनेंटल किंग्स पर 12-8 की जीत की बदौलत एक राउंड शेष रहते फाइनल में प्रवेश किया।

बावुमा बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर, ब्रेविस पहली बार टीम में शामिल

जोहानसबर्ग, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

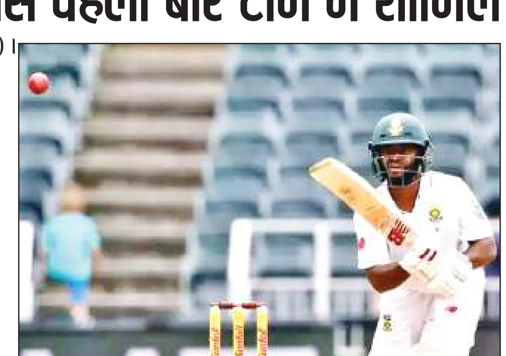

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा बांग्लादेश के खिलाफ ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में खेले जाने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को बताया कि बावुमा को बाएं ट्राइसेप की मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या है।

हालांकि, बावुमा मंगलवार को टीम के साथ ढाका जाएंगे और दूसरे टेस्ट की तैयारी के लिए मेडिकल टीम की देखरेख में अपनी रिकवरी जारी रखेंगे। उनकी अनुपस्थिति में एडेन मार्करम टीम की कमान संभालेंगे।

डेवाल्ड ब्रेविस को बावुमा की जगह टेस्ट टीम में पहली बार शामिल किया गया है। इस बीच, लुंगी एनगिडी को नांद्रे बर्गर की जगह टीम में शामिल किया गया है, जो कमर के तनाव फ्रैक्चर के कारण बांग्लादेश दौरे से बाहर हो हो गए हैं। बर्गर सीएसए और वेस्टर्न प्रोविंस की मेडिकल टीमों के साथ अपना पुनर्वास शुरू करेंगे।

टीम 21 अक्टूबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के लिए 12 से 14 अक्टूबर तक प्रिटोरिया के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रेड-बॉल कैंप के लिए एकत्रित होगी। दक्षिण अफ्रीका की अपडेटेड टीम: टेम्बा बावुमा (पहले टेस्ट के लिए अनुपलब्ध), डेविड बेडिंघम, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी ज़ोरज़ी, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, डेन पैटरसन, डेन पीट, कागिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन, काइल वेरिन।

महिला टी20 विश्व कप : वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

शारजाह, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।
वेस्टइंडीज ने गुरुवार को बांग्लादेश को 8 विकेट से हराकर महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया। बल्लेबाजों के सामूहिक प्रयास और 29 वर्षीय स्पिनर करिश्मा रामहरैक के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में कैरेबियाई टीम ने दबदबा कायम किया।

104 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों की तूफानी बल्लेबाजी ने बांग्लादेश को धूल चटा दी। कप्तान हेले मैथ्यूज और स्टेफनी टेलर ने तेज पीछा की नींव रखी। शुरुआती ओवरों में सतर्क रुख अपनाने के बाद सलामी बल्लेबाजों ने पावरप्ले में बाउंड्री से निपटा और आसानी से स्कोर 48/0 पर पहुंचा दिया। आठवें ओवर में, बांग्लादेश को आखिरकार सफलता मिली। दाएं हाथ के मारुफा अक्तर ने 109.4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी और वेस्टइंडीज के कप्तान को आउट कर दिया। डेक से काफी दूर जाने के कारण गेंद मैथ्यूज के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेते हुए स्टंप्स से जा टकराई। मैथ्यूज ने 22 गेंदों पर 6 चौकों की बदौलत 34 रन बनाए।

सोभना मोस्टरी द्वारा कैच छोड़ने के बाद टेलर ने पूरा फायदा उठाया। उन्होंने शेमेन कैम्पबेल के साथ मैदान पर कुछ समय बिताया, लेकिन अंत में लंगड़ाते हुए 29 गेंदों पर 27 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गईं। इसके बाद 84 के कुल पर शेमैन कैंपबेल (21) को नाहिदा अख्तर ने आउट कर बांग्लादेश को दूसरी सफलता दिलाई। हालांकि इसके बाद डिएंड्रा डॉटिन (नाबाद 19) और चिनेल हेनरी (नाबाद 2) ने वेस्टइंडीज को 12.5 ओवर में सात ओवर से जीत दिला दी। डिएंड्रा डॉटिन ने शानदार अंदाज में गेंद को बाउंड्री रोप के पार पहुंचाकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मैथ्यूज ने पहली पारी में सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया, लेकिन रामहरैक ने अपने शानदार स्पेल से सबको चौंका दिया। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में हर एक ओवर में विकेट लिया, जिससे बांग्लादेश की पारी गति पकड़ने से पहले ही पटरी से उतर गई। उन्होंने अपने 4 ओवर में 17 रन देकर 4 विकेट लिए। बांग्लादेश ने अपने 20 ओवर में 8 विकेट पर 103 रन बनाए।

बांग्लादेश की ओर से निगार सुल्ताना ने 44 गेंदों में 39 रन की धीमी पारी खेली। उनके अलावा दिलारा अख्तर ने 19, सोभना मोस्टरी ने 16 और रितू मोनी ने 10 रन बनाए।

ग्लेन मैक्सवेल की रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी, विक्टोरिया की टीम में हुए शामिल

विक्टोरिया, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।
ग्लेन मैक्सवेल को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की दूसरी एकादश प्रतियोगिता के तहत सोमवार से जंक्शन ओवल में शुरु हो रहे क्वींसलैंड के खिलाफ चार दिवसीय मैच के लिए विक्टोरिया की 12 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मैक्सवेल को 12 महीनों में अपने पहले चार दिवसीय मैच के लिए चुना गया है, क्योंकि वह अगले साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका के टेस्ट दौरे पर जाने की तैयारी कर रहे हैं।

मैक्सवेल के विक्टोरिया के अगले शेफील्ड शील्ड मैच में खेलने की संभावना कम है, जो 20 अक्टूबर रविवार को शुरू होगा। स्टीवन स्मिथ, नाथन लियोन और मिशेल स्टार्क सहित ऑस्ट्रेलिया के कुछ टेस्ट खिलाड़ी उस मैच के लिए तैयार हैं, जबकि स्कॉट बोलैंड के भी उस मैच में अपनी शील्ड वापसी करने की संभावना है।

सीए की दूसरी एकादश प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, मैच में 12 खिलाड़ी खेल सकते हैं, जिसमें 11 बल्लेबाजी और 11 गेंदबाजी करेंगे, जिसका अर्थ है कि चार दिनों के भीतर खिलाड़ियों के लिए आराम और रोटेशन संभव है। मैक्सवेल के कार्यभार की सावधानीपूर्वक निगरानी की जाती है, क्योंकि दो साल पहले उन्हें पैर में चोट लगी थी। मैच के पहले दिन वह 36 वर्ष के हो गए और पिछले पांच वर्षों में उन्होंने केवल दो प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

मैक्सवेल 25 अक्टूबर को न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ एक दिवसीय घरेलू मैच खेलने के लिए तैयार हैं, जिसमें पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड शामिल हो सकते हैं, लेकिन विक्टोरिया के लिए तीसरे या चौथे शील्ड राउंड के लिए उनके उपलब्ध होने की संभावना नहीं है, जो ऑस्ट्रेलिया की पाकिस्तान के खिलाफ वनडे और टी20आई श्रृंखला के साथ मेल खा रही है।

वह बीबीएल शुरू होने से पहले विक्टोरिया के पांचवें और छठे शील्ड गेम के लिए उपलब्ध होंगे और उनमें से कम से कम एक में खेलने के लिए तैयार हैं। विक्टोरिया 6 दिसंबर को एमसीजी में क्वींसलैंड की मेजबानी करने से पहले 24 नवंबर को गाबा में लाइट्स के नीचे गुलाबी गेंद के मैच में क्वींसलैंड से भिड़ेगी।

ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता उन्हें 30 नवंबर से कैनबरा में भारत के खिलाफ़ दो दिवसीय गुलाबी गेंद वाले प्रधानमंत्री एकादश मैच में भी मौका दे सकते हैं।

मैक्सवेल उपमहाद्वीप में अपने टेस्ट अनुभव के कारण ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे के लिए दावेदार हैं। मैक्सवेल 2022 में श्रीलंका दौरे का हिस्सा थे और गॉल में पहला टेस्ट खेलने वाले थे, स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उनकी क्षमता को स्पिनिंग परिस्थितियों में एक परिसंपत्ति के रूप में देखा जाता है, खासकर अगर टेस्ट कम स्कोरिंग और तेज गति से चलने वाले हों।

उनके सभी सात टेस्ट मैच उपमहाद्वीप में खेले गए हैं, जिसमें उनका आखिरी टेस्ट मैच 2017 में बांग्लादेश में खेला गया था। चयनकर्ताओं ने पहले भी कहा है कि श्रीलंका में टेस्ट क्रिकेट के लिए शील्ड क्रिकेट का कोई महत्व नहीं है, क्योंकि वहां की परिस्थितियां और क्रिकेट की शैली काफी अलग है, लेकिन यह समझा जाता है कि मैक्सवेल और ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता चाहते हैं कि वह शारीरिक कंडीशनिंग के दृष्टिकोण से कुछ रेड-बॉल क्रिकेट खेलें।

विक्टोरिया ने राज्य के कप्तान विल सदरलैंड को भी दूसरे एकादश गेम में खेलने के लिए चुना है, क्योंकि उन्हें पहले शील्ड राउंड से बाहर रखा गया था, वह गंभीर पीठ की चोट के बाद अपनी गेंदबाजी को बेहतर बना रहे हैं। वह प्रतिबंधों के तहत गेंदबाजी करेंगे।

रिलायंस ने ग्राहकों के लिए नई सुविधाओं के साथ जियो फाइनेंस ऐप किया लॉन्च

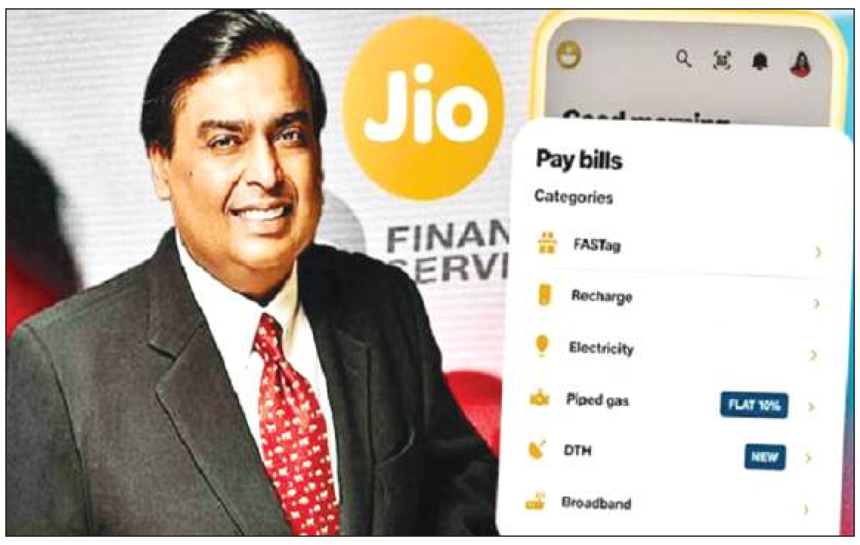

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने फाइनेंशियल मार्केट में हिस्सेदारी पाने के लिए बड़ा दांव लगाया है।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का जियो फाइनेंस ऐप का नया उन्नत संस्करण लॉन्च

आरआईएल की फाइनेंसियल कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने नवरात्रि में जियो फाइनेंस ऐप का नया उन्नत संस्करण लॉन्च किया है। ऐप के जरिए ग्राहकों के विभिन्न बैंक खातों और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स को लिंक किया जा सकता है।

कंपनी ने शुक्रवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि पहले से बेहतर वित्तीय सर्विस देने के लिए जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपना पूर्णतया विकसित जियो फाइनेंस ऐप को लॉन्च किया है। जेएफएसएल ने इसका बीटा वर्जन 4 महीने पहले 30 मई, 2024 को लॉन्च किया था, तब से अबतक इसे 60 लाख उपभोक्ताओं ने डाउनलोड किया है। इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर, एप्पल ऐप स्टोर और माईजियो से डाउनलोड किया जा सकता है।

जेएफएसएल के मुताबिक जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (जेपीबीएल) में करीब 15 लाख ग्राहक अपना सेविंग अकाउंट (बचत खाता) खुलवा चुके हैं। इस बैंक में बचत खाता सिर्फ 5 मिनट में डिजिटल तरीके से खोला जा सकता है। बचत खाते के साथ डेबिट कार्ड भी मिलेगा और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के कारण बचत खाता अधिक सुरक्षित भी होगा। इसके अतिरिक्त, यूपीआई पेमेंट, मोबाइल रिचार्ज और क्रेडिट कार्ड बिलों के भुगतान जैसी सेवाएं भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगी। इस ऐप के जरिए कंपनी लाइफ, हेल्थ, टू-व्हीलर, मोटर इंश्योरेंस डिजिटली ऑफर कर रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

टीसीएस की कमाई घटी- खर्चा बढा

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस को जुलाई से सितंबर माह की तिमाही में 11909 करोड रुपए का मुनाफा हुआ है। पिछले वर्ष की तुलना में यह पांच फ़ीसदी ज़्यादा है। पिछली तिमाही में कंपनी की आय 7.65 फ़ीसदी की दर से बढी थी। जो इस तिमाही में 0.36 फ़ीसदी घट गई है। इस तिमाही में कंपनी का खर्च 8 फ़ीसदी बढ़ गया है। खर्च की तुलना में कंपनी का मुनाफा कम हुआ है। टीसीएस के बोर्ड ने शेयर धारकों के लिए 10 रूपये प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड की मंजूरी दी है। इसका भुगतान 5 नवंबर को किया जाएगा। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को पिछले साल की तुलना में 11 फ़ीसदी ज्यादा डिविडेंड दिया है। पिछले साल 9 रूपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया गया था।

भारत डीपीआई के उपयोग से जुड़े अपने अनुभव आसियान देशों से साझा करेगा

विएंतियान। भारत आधार और यूपीआई जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) के इस्तेमाल से जुड़े अपने अनुभव और ज्ञान को आसियान देशों के साथ साझा करेगा। एक संयुक्त वक्तव्य में हाल ही में यह जानकारी दी गई। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन में विविध चुनौतियों का समाधान करने के लिए सहयोग की संभावना भी तलाशी जाएगी। विएंतियान में आयोजित 21वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में दोनों पक्षों ने कहा कि वे नवाचारी डिजिटल समाधानों के जरिये आसियान और भारत में भुगतान प्रणालियों के बीच सीमापार संबंधों के सहयोग की संभावना तलाशेंगे। दोनों पक्षों ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर एक संयुक्त बयान भी जारी किया।बयान में क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समुद्री सुरक्षा एवं संरक्षा, समुद्री परिवहन और उड़ान की स्वतंत्रता तथा समुद्र के अन्य वैध उपयोगों को बनाए रखने और बढ़ावा देने के महत्व की पुष्टि की गई। इसमें निर्बाध वैध समुद्री वाणिज्य और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देना शामिल है।

ड्रैगन पर शिकंजा! अब सरकार जब्त करेगी 252 करोड़, 10 गुना जुर्माना भी, कंपनी भारत में अवैध तरीके से कर्ज वितरित कर रही थी

नई दिल्ली। चालाक चीन ने अपने देश की कंपनियों पर सरकार की नजर टेढ़ी होने पर भारत में कारोबार करने का दूसरा रास्ता तलाश लिया। अब वह दूसरे देशों की कंपनियां अपने कंट्रोल में लेकर देश में कारोबार चला रहा था, लेकिन खुलासा होते ही सरकार ने उस पर शिकंजा कस दिया। अब न सिर्फ इस कंपनी के 252 करोड़ रुपये जब्त किए जाएंगे, बल्कि इसका 10 गुना जुर्माना भी वसूला जाएगा। यह कंपनी भारत में अवैध तरीके से कर्ज वितरित कर रही थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया है कि चीनी व्यक्तियों के नियंत्रण वाली नॉर्वे की कंपनी की भारतीय इकाई से 252 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की जाएगी। यह आदेश कर्ज देने के अवैध तरीके से काम करने वाले मोबाइल ऐप कैशबीन के खिलाफ फेमा जांच के तहत दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि 7 अक्टूबर को पीसी फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (पीसीएफएस) के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत आदेश जारी किया गया था। जब्ती के साथ ही कंपनी पर 2,146 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना भी लगाया गया है। ईडी ने बताया कि पीसीएफएस नॉर्वे स्थित ओपेरा ग्रुप की सहायक कंपनी है। इसका नियंत्रण चीनी मालिकों के पास है। यह अपने मोबाइल ऐप कैशबीन के जरिये भारत में लोगों को पैसा उधार देने के कारोबार में शामिल है। जांच एजेंसी के अनुसार, पीसीएफएस ने अपने संबंधित विदेशी समूह की कंपनियों को सॉफ्टवेयर लाइसेंस और सेवाओं के आयात की आड़ में 429.30 करोड़ रुपये भेजे, जो फर्जी पाया गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2022 में पाया था कि पीसीएफएस कर्ज लेने वालों से 'गैर-पारदर्शी' तरीके से अत्याधिक ब्याज दर और अन्य शुल्क वसूल रही थी. साथ ही कर्ज लेने वालों से वसूली को लेकर आरबीआई और सीबीआई के प्रतीक चिन्ह का गलत रूप से उपयोग कर रही थी, जो निष्पक्ष व्यवहार संहिता का उल्लंघन है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत पर हमला...

उसने यह भी कहा कि पंजाब के अलावा अब जम्मू-कश्मीर, असम, मणिपुर और नागालैंड में भी स्वतंत्रता आंदोलनों को भड़काने की योजना बनाई जा रही है। इन राज्यों में भी आंदोलन शुरू कर भारत संघ को खंडित करने की धमकी दी गई है।

पन्नू ने केवल भारत के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करने की धमकी ही नहीं दी, बल्कि उसने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी समर्थन की अपील की। उसने चीनी सेना से कहा कि अरुणाचल प्रदेश को चीन का क्षेत्र मानते हुए इसे वापस लेने का समय आ गया है। पन्नू ने दावा किया कि चीन को भारत के खिलाफ अपने हितों की रक्षा के लिए कदम उठाना चाहिए। पन्नू ने यह भी कहा कि वह और उसका संगठन एसएफजे भारत के खिलाफ अपने खतरनाक एजेंडे को आगे बढ़ाते रहेंगे। वह अमेरिका और कनाडा के कानूनी सुरक्षा और संरक्षण में रहकर भारत को कमजोर करने की योजना बना रहा है। एसएफजे लंबे समय से पंजाब को भारत से अलग कर खालिस्तान नाम का एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने की मांग कर रहा है। इसके लिए एसएफजे ने एक अनौपचारिक वैश्विक जनमत संग्रह की पहल भी शुरू की है, जिसमें वह पंजाब को एक अलग देश बनाने के लिए समर्थन मांग रहा है। हालांकि, इस जनमत संग्रह को पंजाब के अंदर कोई समर्थन नहीं मिला। साफ है कि पंजाब के लोग खालिस्तान के विचार को खारिज कर चुके हैं, लेकिन पन्नू और उसके समर्थक इसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उछालने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत और कनाडा के बीच पिछले कुछ समय से रिश्तों में तनाव बना हुआ है, जिसका कारण कनाडा की धरती पर खालिस्तान समर्थक गतिविधियों का बढ़ना है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो के समय-समय पर खालिस्तानियों के प्रति नरम रुख अपनाने से भारत सरकार ने भी नाराजगी जताई थी। हालांकि, डेविड मॉरिसन के हालिया बयान से ऐसा लगता है कि कनाडा ने भारत की अखंडता का समर्थन किया है, जिससे खालिस्तान समर्थक गुटों में हलचल मच गई है।

गुरपतवंत सिंह पन्नू की धमकियों के बावजूद एक बात तो साफ है कि वह लगातार सिर्फ चर्चा में बने रहने के लिए बड़ी-बड़ी बातें करता रहता है। उसकी तरफ से इस तरह की धमकियां पहले भी आती रही हैं। हालांकि दिल्ली में वो पोस्टरबाजी करवाने जैसी हरकतों को अंजाम दे चुका है। बहरहाल, भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही पन्नू और उसके संगठन की गतिविधियों पर नजर रखे हुई हैं और उसकी धमकियों की गंभीरता से समीक्षा की जा रही है।

मां काली के...

अपनी बांग्लादेश यात्रा के दौरान, पीएम मोदी ने कहा था कि जेशोरेश्वरी मंदिर में भारत एक बहुउद्देशीय सामुदायिक हॉल का निर्माण कराएगा, जो स्थानीय लोगों के लिए सामाजिक, धार्मिक और शैक्षिक आयोजनों के लिए उपयोगी होगा और साथ ही, यह चक्रवात जैसी आपदाओं के समय सभी के लिए आश्रय का काम भी करेगा। 2021 में बांग्लादेश सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले ही जेशोरेश्वरी मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था। बांग्लादेश के लिए रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया था कि वे प्राचीन जेशोरेश्वरी काली मंदिर में देवी काली की पूजा करने के लिए काफी उत्साहित हैं।

समस्याओं का...

कि शांति और स्थिरता जल्द से जल्द बहाल होनी चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आ सकता। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करना जरूरी है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने कहा कि विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए भारत इस दिशा में अपना हर संभव योगदान देता रहेगा। उनकी यह बयान यूरेशिया में यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष और पश्चिम एशिया में इस्राइल-हमास युद्ध के बीच आया है। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसका सामना करने के लिए मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को मिलकर काम करना होगा।

उन्होंने संबोधन को शुरू करने पर सबसे पहले तूफान से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, सबसे पहले, मैं टाइफून यागी से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। इस कठिन समय में, हमने ऑपरेशन सद्भाव के माध्यम से मानवीय सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा, भारत ने हमेशा आसियान की एकता और केंद्रीयता का समर्थन किया है। आसियान भारत के इंडो-पैसिफिक विजन और क्वाड सहयोग के केंद्र में भी है। भारत की इंडो-पैसिफिक महासागरों की पहल और इंडो-पैसिफिक पर आसियान आउटलुक के बीच गहरी समानताएं हैं। एक स्वतंत्र, खुला, समावेशी, समृद्ध और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक पूरे क्षेत्र की शांति और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। दक्षिण चीन सागर की शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के हित में है।

पीएम मोदी ने कहा, हम म्यांमार की स्थिति पर आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। हम पांच सूत्री सहमति का भी समर्थन करते हैं। साथ ही, हमारा मानना है कि मानवीय सहायता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और लोकतंत्र की बहाली के लिए भी उचित कदम उठाए जाने चाहिए। हमारा मानना है कि इसके लिए म्यांमार को शामिल किया जाना चाहिए, अलग-थलग नहीं किया जाना चाहिए। पड़ोसी देश के रूप में भारत अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा।अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अलग से मुलाकात की। मोदी-ब्लिंकन मुलाकात को कापी अहम माना जा रहा है। हालांकि इस बैठक के बारे में विदेश मंत्रालय की ओर से अभी की विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज और क्वाड समूह के अन्य सदस्यों की मुलाकात और बैठक हुई थी।

वियेनतियान में ईस्ट एशिया सम्मलेन से इतर पीएम मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री पेतोनगतर्न शिनेवात्रा, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और लाओ पीडीआर के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफानदोन से भी द्विपक्षीय मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लाओस की राजधानी वियनतियाने में भारत-आसियान शिखर सम्मेलन में कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष और तनाव चल रहा है, ऐसे समय भारत और आसियान के बीच संवाद और सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता के लिए सम्मान का आह्वान किया। 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक पूरे होने के उपलक्ष्य में 10 सूत्री योजना की भी घोषणा की, जिसमें आसियान-भारत साइबर नीति वार्ता, 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के रूप में मनाना, नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्तियों की संख्या को दोगुना करना आदि शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी एशियाई सदी है, भारत और आसियान देशों की सदी है। हम पड़ोसी हैं, वैश्विक दक्षिण में भागीदार हैं और दुनिया में तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र हैं। हम शांतिप्रिय राष्ट्र हैं जो एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं।

सम्मेलन में भारत ने 10 सूत्री योजनाओं का ऐलान किया। साल 2025 को आसियान-भारत का पर्यटन वर्ष घोषित किया गया। भारत इसके लिए 50 लाख डॉलर देगा। युवा शिखर सम्मेलन, स्टार्ट-अप महोत्सव, हैकाथॉन, संगीत महोत्सव, आसियान-भारत थिंक टैंक नेटवर्क और दिल्ली वार्ता सहित कई जन-केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का जश्न मनाया जाएगा। आसियान-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास निधि के तहत आसियान-भारत महिला वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन होगा। नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति की संख्या दोगुनी की जाएगी और भारत में कृषि विश्वविद्यालयों में आसियान छात्रों के लिए नई छात्रवृत्ति का प्रावधान किया जाएगा। 2025 तक आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा करेगा। आपदा से निपटने के इंतजाम बढ़ाए जाएंगे जिसके लिए भारत 50 लाख डॉलर उपलब्ध कराएगा। स्वास्थ्य ढांचे के निर्माण की दिशा में स्वास्थ्य मंत्रियों के एक नए ट्रैक की शुरुआत होगी। डिजिटल और साइबर ढांचे को मजबूत करने की दिशा में आसियान-भारत साइबर नीति वार्ता का एक नियमित तंत्र शुरू करेगा। ग्रीन हाइड्रोजन पर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जलवायु सुरक्षा की दिशा में मां के लिए एक पेड़ लगाओ अभियान में शामिल होने के लिए आसियान नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा।आसियान के 10 सदस्य देशों में इंडोनेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, म्यांमार, कंबोडिया, ब्रुनेई और लाओस शामिल हैं। म्यांमार में गृहयुद्ध और दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय तनाव के बीच एकत्र हुए। म्यांमार ने विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव आंग क्याव मो को शिखर सम्मेलन में भेजा, जो तीन वर्षों में शिखर सम्मेलन में उनके पहले उच्च-स्तरीय प्रतिनिधि हैं, जब आसियान ने 2021 के अंत में इसे राजनीतिक प्रतिनिधि भेजने से रोक दिया था।

सरकार पर 10...

पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर उग्रवाद को 200 गज गहराई में दफना दिया है। जब पीएम मोदी ने कार्यभार संभाला था तो एक नीतिगत निष्क्रियता थी, जिसे बहुत ही कम समय में निर्णायक कार्रवाई के साथ खत्म कर दिया गया। पीएम मोदी ने इसकी जगह प्रदर्शन की नीति ला दी।

अमित शाह ने कहा कि दस साल में दुनिया का सबसे लंबा टनल हाईवे भारत में बना। दुनिया का सबसे ऊंचा ब्रिज भारत में है, कोलकाता की अंडर वॉटर मेट्रो है। ये सबकुछ दस साल के अंदर हुआ है। हमने सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट प्रणाली बनाई। दुनिया के कई देश इसे अपना रहे हैं। अनाज सुरक्षा से लेकर स्वास्थ्य सुरक्षा तक हमने सभी आयामों पर काम किया है। विजन, अनुभव और प्रतिबद्धता तीनों के साथ मिलने वाला व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री हो तो बहुत फायदा होता है।

अमित शाह ने कहा कि भारत को एक समय कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था, लेकिन मोदी सरकार ने देश को उस स्थिति से बाहर निकाला और अब आईएमएफ इसे उज्ज्वल जगह कहता है। अगस्त 2013 में मॉर्गन स्टेनली के एक वित्तीय विश्लेषक की ओर से कमजोर पांच अवधारणा का उपयोग उभरते बाजार देशों का वर्णन करने के लिए किया गया था, जो अपनी विकास आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जोखिम भरे विदेशी निवेश पर अत्यधिक निर्भर हो गए। इसमें इंडोनेशिया, ब्राजील, तुर्किये, भारत और दक्षिण अफ्रीका को शामिल किया गया था। गृह मंत्री ने कहा कि 10 साल पहले भारत दोहरे अंक की मुद्रास्फीति वाला देश था, लेकिन अब यह दहाई अंक की विकास दर वाला देश बन गया है।पिछले 10 वर्षों में हाशिये पर पड़े वर्गों के लिए शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रही है, पांच करोड़ लोगों को मुफ्त आवास दिए गए हैं। 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया है, 11 करोड़ लोगों को मुफ्त बिजली कनेक्शन और 15 करोड़ लोगों को पीने योग्य पानी दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत 50 करोड़ लोगों का बाजार है, जबकि शेष 80 करोड़ लोग अपनी रोजी-रोटी कमाने में व्यस्त हैं और उनकी क्रय शक्ति नहीं है। हालांकि, मोदी सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराकर उनकी इन समस्याओं को खत्म कर दिया है और भारत अब 130 करोड़ लोगों का बाजार है।अमित शाह ने कहा, अगले 25 वर्षों में भारत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे सभी क्षेत्रों में वैश्विक लीडर बन जाएगा और मोदी सरकार इस दिशा में ईमानदारी से काम कर रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ती स्टार्टअप अर्थव्यवस्था बना है।

निगरानी वाले ...

सबसे तेज गिरावट मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्रों (85 फीसदी) में दर्ज की गई है। इसके बाद स्थलीय पारिस्थितिक तंत्रों (69 फीसदी) और फिर समुद्री पारिस्थितिक तंत्रों (56 फीसदी) का नंबर है। रिपोर्ट के मुताबिक,दुनिया भर में खासतौर पर खाद्य प्रणालियों से संचालित आवास की हानि और कमी वन्यजीव आबादी के लिए सबसे आम खतरा है। इसके बाद अतिशोषण, आक्रामक प्रजातियां और बीमारी हैं।भारत में कुछ वन्यजीव आबादी स्थिर हो गई है और इसमे सुधार दिखा है। यह काफी हद तक सक्रिय सरकारी पहल, प्रभावी आवास प्रबंधन, मजबूत वैज्ञानिक निगरानी और सामुदायिक जुड़ाव के साथ-साथ सार्वजनिक समर्थन की वजह से है। भारत दुनिया में बाघों की सबसे बड़ी आबादी का घर है। 2022 की गणना में कम से कम 3,682 बाघ दर्ज किए गए, जो 2018 में 2,967 बाघों की संख्या से बढ़ गई है। इसके अलावा, भारत में पहले हिम तेंदुओं जनसंख्या आकलन में लगभग 718 हिम तेंदुओं पाए गए। यह उनके रहने वाले 70 फीसदी क्षेत्र में हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पर्यावरण का नुकसान और जलवायु परिवर्तन मिलकर स्थानीय और क्षेत्रीय पारिस्थितिक तंत्रों में महत्वपूर्ण परेशानियों तक पहुंचने की संभावना को बढ़ाते हैं। जब यह पार हो जाता है,तो पर्यावरण में बदलाव स्थायी हो जाते हैं और उन्हें पलटा नहीं जा सकता। उदाहरण के लिए, चेन्नई में तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार की वजह से इसके आर्द्रभूमि क्षेत्र में 85 फीसदी की कमी आई है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के मुताबिक, इन आर्द्रभूमियों की वजह से जल प्रतिधारण, भूजल पुनर्भरण और बाढ़ नियंत्रण में भारी कमी आई

किसी महिला ...

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि यह दोनों ही शर्तें इस मामले में पूरी नहीं होती थी। ऐसे में कोर्ट ने इसे धारा 509 के तहत अपराध मानने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि महिला को बाकी लोगों से वेश्या बताना दूसरी धाराओं के अंतर्गत अपराध भले ही माना जा सकता हो। लेकिन यह धारा 509 के तहत अपराध नहीं है। कोर्ट ने कहा, यहां अपराध होने के लिए जरूरी पहली शर्त है कि महिला को आरोपी ने सीधे तौर पर वेश्या कहा हो। महिला का आरोप है कि आरोपी ने फ्लैट के निवासियों और पास के दुकानदारों से ऐसा कहा था।

हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी 2021 में केरल के कोच्चि में दर्ज किए गए एक मामले में सुनवाई करते हुए की है। यहां एर्नाकुलम इलाके की एक सोसायटी में रहने वाली एक महिला समीरा ने इसी सोसायटी में रहने वाले राहुल जॉर्ज, एनसन आइजे और द्विन कुरुविल्ला पर आरोप लगाया था कि इन तीनों ने सोसायटी और आसपास के इलाके में महिला के विषय में अपशब्द बोले। महिला का आरोप था कि इन तीनों ने आसपास के लोगों से उसे वेश्या बताया। इसी को लेकर उसने शिकायत दर्ज करवाई थी। महिला की शिकायत के आधार पर तीनों के विरुद्ध धारा 509 (किसी महिला की लज्जा भंग करने के लिए अपशब्द कहना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद आरोपियों ने यह एफआईआर रद्द करवाने के लिए केरल हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। केरल हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए इसे याचिकाकर्ताओं की दलीलों को सही माना और उनके खिलाफ की जा रही कार्रवाई को रद्द कर दियाै।

असम राइफल्स...

इस हिंदू मंदिर का रखरखाव करता आया है। इस हरि मंदिर में दुर्गा पूजा, दिवाली और जन्माष्टमी जैसे त्यौहार भी मनाए जाते हैं और यह शादियों और कीर्तन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का केंद्र भी है।

30 सितंबर 2024 को मिजोरम गोरखा मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष ने आइजोल स्थित द्वितीय असम राइफल्स के कमांडेंट को पत्र लिखकर हरि मंदिर के भविष्य के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की थी। अपने पत्र में मनकुमार जैशी ने लिखा, हरी मंदिर असम राइफल्स के सुरक्षाकर्मियों के परिवारों और वंशजों लिए गहरा भावनात्मक महत्व रखता है, उन्होंने हमारे देश की सेवा की है। ये पवित्र भूमि हमारे देश की अखंडता की रक्षा के लिए उनके बलिदान, समर्पण और अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, यह हमारी विनम्र अपील है कि इस मंदिर को संरक्षित किया जाए और असम राइफल्स के सैनिकों के वंशजों के साथ-साथ बाकी हिंदू समुदाय को भी इसमें पूजा-अर्चना दी जाए। मंदिर को लेकर यह चिंता असम राइफल्स के अपने बेस को हटा कर शहर से बाहर ले जाने के कारण उठी है।

असम राइफल्स बटालियन को आइजोल शहर के बीच से 15 किलोमीटर पूर्व में ज़ोखावसांग में एक जगह पर ले जाने के लिए 2023 से ही बातचीत हो रही है। मिजोरम सरकार ने इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क किया था कि असम राइफल्स को एक नए स्थान पर भेजा जाए। कहा गया है कि असम राइफल्स को यहां से हटा कर दूसरी जगह भेजने के लिए केंद्र और मिजोरम के बीच एक समझौता (एमओयू) को मंजूरी दी जानी थी। अभी एमओयू को लेकर क्या स्थिति, यह नहीं पता है। हालांकि, यह साफ़ है कि गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद मिजोरम सरकार आइजोल के असम राइफल्स परिसर को अपने अधीन ले लेगी। चूंकि यह ऐतिहासिक हरि मंदिर असम राइफल्स के परिसर में स्थित है, इसलिए स्थानीय हिंदुओं को डर है कि मंदिर को चलाने, प्रशासन और रखरखाव की जिम्मेदारी भी मिजोरम सरकार के हाथों में आगे चली जाएगी।

मिजोरम गोरखा मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष मनकुमार जैशी ने असम राइफल्स के कमांडेंट से आग्रह किया है कि वे इस मामले को राज्य सरकार के सामने उठाएं और मंदिर का संचालन गोरखा हिंदुओं को दिलवाएं। सितंबर 2024 में लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा, हम आपसे हरि मंदिर को आइजोल के स्थानीय गोरखा समुदाय को देने पर विचार करने की मांग करते हैं ताकि हमें अपनी धार्मिक जरूरतों के लिए एक जगह बची रहे। मनकुमार जैशी ने अपने पत्र में कहा कि जिस तरह असम राइफल्स का चर्च, स्थानीय चर्च को दिया गया है, उसी तरह मंदिर को भी स्थानीय हिंदुओं के हाथ में दिया जाए। मिजोरम गोरखा मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष ने इन चिंताओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि मिजोरम सरकार कैंटीन स्क्वायर क्षेत्र का विस्तार करने और सड़कों को चौड़ा करने पर विचार कर रही है। इसके दायरे में मंदिर आने से स्थानीय हिंदुओं के सांस्कृतिक केंद्र असम राइफल्स हरि मंदिर का भविष्य अब खतरे में है।इस मंदिर को बचाने की मांग अब सोशल मीडिया पर चल रही है। एक एक्स यूजर ने लिखा, मंदिर महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र हैं। असम राइफल्स के मंदिर को हटाने से हमारे समुदाय की पहचान ही खत्म हो जाएगी। एक अन्य यूजर ने लिखा, हम आगे की पीढ़ियों के लिए असम राइफल्स मंदिर को बचाने में एकजुट हैं। आइए इसको बचाने के लिए अपनी आवाज उठाएं। एक और यूजर ने लिखा असम राइफल्स मंदिर दशकों से शांति और प्रार्थना का स्थल रहा है। जो मंदिर इतने सारे लोगों के लिए इतना मायने रखता है, उसे क्यों नष्ट किया जाए?

2001 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, मिजोरम ईसाइयों की आबादी 7.7 लाख है जबकि इसकी तुलना में केवल 31,562 हिंदू यहां रहते हैं। राज्य के हिंदुओं में मुख्य रूप से गोरखा और ब्रू रेहंग शामिल हैं। ब्रू रेहंग को 1997 में मिज़ो लोगों के अत्याचार का सामना करना पड़ा था। ब्रू रहंग इस कारण भाग कर त्रिपुरा चले गए थे। 2018 में त्रिपुरा और मिजोरम के बीच हुए एक समझौते के बाद ही ब्रू आबादी यहां लौट पाई थी। मिजोरम के भीतर मंदिर पर हमले के भी कई मामले सामने आए हैं। आइजोल के असम राइफल्स हरि मंदिर के बाहर एक बड़ी प्लेट मिली, जिसमें लिखा है कि इस मंदिर को उपद्रवियों ने नष्ट कर दिया था। इस मंदिर का दोबारा से निर्माण करवाया गया था। आज जैसा यह मंदिर दिखता है, उसका निर्माण ब्रिगेडियर श्री राम सिंह द्वारा करवाया गया था और अगस्त 1993 में असम राइफल्स की पहली बटालियन के कमांडेंट द्वारा इसका उद्घाटन किया गया था।मिजोरम में हिंदू प्रथाओं के खिलाफ हमेशा ही एक शत्रुता की भावना बनी रही है। अगर किसी प्रमुख नेता को हिंदुओं से जुड़ा हुआ देखा जाता है, तो उसे बदनाम किया जाता है। 2011 में, मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) ने कोलकाता में दुर्गा पूजा और दशहरा के हिंदू त्यौहारों में भाग लेने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री लाल थनहवला पर हमला किया था। एमएनएफ के उपाध्यक्ष आर त्लांगमिंगथांगा ने कहा था, हम लाल थनहवला के समारोह में भाग लेने की कड़ी निंदा करते हैं।

आज मनाई जाएगी विजयादशमी

हर साल नवरात्रि पर्व के समापन के साथ ही बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में दशहरा पर्व मनाया जाता है। इस साल विजयादशमी पर्व 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल विजयादशमी पर्व आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि मनाई जाती है। यही कारण है कि इसे विजयादशमी भी कहा जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि इस साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 12 अक्तूबर प्रातः 10:58 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन तिथि का समापन: 13 अक्तूबर 2024, प्रातः 09:08 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार दशहरा का त्योहार इस साल 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। हर साल दशहरा का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। दशहरा के दिन भगवान राम ने रावण का वध कर युद्ध में जीत हासिल की थी। इस पर्व को असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के रूप में भी मनाया जाता है। दशहरा पर्व हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। इस त्योहार को विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था, इसलिए भी शारदीय नवरात्र की दशमी तिथि को ये उत्सव मनाया जाता है। कई जगह पर इस दिन मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन भी किया जाता है। दशहरा या विजयदशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्म में दशहरा के पर्व का विशेष महत्व है। इस साल दशहरा 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दशमी को ही मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसलिए इसे विजयदशमी के रूप में मनाया जाता है। देशभर में अलग-अलग जगह रावण दहन होता है और हर जगह की परंपराएं बिल्कुल अलग हैं। इस दिन शस्त्रों की पूजा भी की जाती है। इस दिन शमी के पेड़ की पूजा भी की जाती है। इस दिन वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम, सोना, आभूषण नए वस्त्र इत्यादि खरीदना शुभ होता है। दशहरे के दिन नीलकंठ भगवान के दर्शन करना अति शुभ माना जाता है। इस दिन माना जाता है कि अगर आपको नीलकंठ पक्षी के दर्शन हो जाए तो आपके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं। नीलकंठ पक्षी को भगवान का प्रतिनिधि माना गया है। दशहरे पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन होने से पैसों और संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। मान्यता है कि यदि दशहरे के दिन किसी भी समय नीलकंठ दिख जाए तो इससे घर में खुशहाली आती है और वहीं, जो काम करने जा रहे हैं, उसमें सफलता मिलती है।

दशहरा तिथि

दशमी तिथि का आरंभ: 12 अक्तूबर प्रातः 10:58 मिनट पर

तिथि का समापन: 13 अक्तूबर 2024, प्रातः 09:08 मिनट पर

हिंदू पंचांग के अनुसार ऐसे में दशहरा 12 अक्तूबर 2024 को मनाया जाएगा।

शुभ संयोग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विजयदशमी के दिन श्रवण नक्षत्र का होना बहुत शुभ होता है, और इस साल इसका संयोग बन रहा है। बता दें श्रवण नक्षत्र 12 अक्तूबर को सुबह 5:25 मिनट से प्रारंभ होकर 13 अक्तूबर को सुबह 4:27 मिनट पर समाप्त हो रहा है। इसके साथ ही कुंभ राशि में शनि शश राजयोग, शुक्र और बुध लक्ष्मी नारायण योग के साथ शुक्र मालव्य नामक राजयोग का निर्माण कर रहे हैं।

शस्त्र पूजन मुहूर्त

दशहरा के दिन कई जगहों पर शस्त्र पूजा करने का भी विधान है। दशहरा के दिन शस्त्र पूजा विजय मुहूर्त में की जाती है। इस साल दशहरा पूजन के लिए शुभ मुहूर्त दोपहर 2:02 मिनट से शुरू होगा, जो दोपहर 2: 48 तक रहेगा। मुहूर्त की कुल अवधि लगभग 46 मिनट तक रहेगी।

रावण दहन मुहूर्त

दशहरा के दिन लंकापति रावण और उसके भाई कुंभकर्ण और पुत्र मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जाता है। पुतलों का दहन सही समय में किया जाए, तो ही शुभ माना जाता है। विजयदशमी के दिन यानी 12 अक्टूबर को पुतलों के दहन का शुभ मुहूर्त सूर्यास्त के समय शाम 05.45 से रात 08.15 तक होगा।

कई तरीकों से मनाया जाता है दशहरा

अलग-अलग जगहों पर दशहरे का त्योहार अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। शस्त्र का प्रयोग करने वाले समुदाय इस दिन शस्त्र पूजन करते हैं। वहीं कई लोग इस दिन अपनी पुस्तकों, वाहन इत्यादि की भी पूजा करते हैं। किसी नए काम को शुरू करने के लिए यह दिन सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। कई जगहों पर दशहरे के दिन नया सामान खरीदने की भी परंपरा है। अधिकतर जगहों पर इस दिन रावण का पुतला जलाया जाता है। वहीं जब पुरुष रावण दहन के बाद घर लौटते हैं तो कुछ जगहों पर महिलाएं उनकी आरती उतारती हैं और टीका करती हैं।

मांगलिक कार्यों के लिए यह दिन माना जाता है शुभ

दशहरा या विजयादशमी सर्वसिद्धिदायक तिथि मानी जाती है। इसलिए इस दिन सभी शुभ कार्य फलकारी माने जाते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, दशहरा के दिन बच्चों का अक्षर लेखन, घर या दुकान का निर्माण, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण, अन्नप्राशन, कर्ण छेदन, यज्ञोपवीत संस्कार और भूमि पूजन आदि कार्य शुभ माने गए हैं। विजयादशमी के दिन विवाह संस्कार को निषेध माना गया है।

पूजन विधि

दशहरे के दिन सुबह जल्दी उठकर, नहा-धोकर साफ कपड़े पहने और गेहूं या चूने से दशहरे की प्रतिमा बनाएं। गाय के गोबर से 9 गोले व 2 कटोरियां बनाकर, एक कटोरी में सिक्के और दूसरी कटोरी में रोली, चावल, जौ व फल रखें। अब प्रतिमा को केले, जौ, गुड़ और मूली अर्पित करें। यदि बहीखातों या शस्त्रों की पूजा कर रहे हैं तो उन पर भी ये सामग्री जरूर अर्पित करें। इसके बाद अपने सामर्थ्य के अनुसार दान-दक्षिणा करें और गरीबों को भोजन कराएं। रावण दहन के बाद शमी वृक्ष की पत्ती अपने परिजनों को दें। अंत में अपने बड़े-बुजुर्गों के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त करें।

यहां जलाया नहीं बल्कि पूजा जाता है रावण

खुद को भाग्यशाली मानते हैं गांव के लोग

रावण, रामायण का नकारात्मक लेकिन एक महत्वपूर्ण पात्र रहा है। ऐसा माना जाता है कि रावण बहुत बलशाली और ज्ञानी था। लेकिन उसने अधर्म का साथ दिया, जिस कारण उसे भगवान श्रीराम की हाथों मृत्यु प्राप्त हुई। दशहरे का पर्व भगवान श्रीराम की विजय के रूप में मनाया जाता है और इस दिन पर रावण दहन किया जाता है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां दशहरे के दिन रावण दहन नहीं किया जाता, बल्कि उसकी पूजा की जाती है।

मिलता है यह कारण

आज हम बात कर रहे हैं उत्तर प्रदेश के बागपत जिला में स्थित बड़ागांव की। यह गांव अपने आप में इसलिए भी अनोखा है, क्योंकि यहां के लोग रावण के पुतले का दहन नहीं करते, बल्कि उसकी पूजा करते हैं। इसके पीछे का कारण भी काफी खास है। रावण दहन न करने के पीछे एक प्रचलित कथा मिलती है। जिसके अनुसार, एक बार रावण मनसा देवी की मूर्ति को अपने साथ ले जा रहा था। तब देवी मनसा ने उससे वचन लिया कि वह जहां भी मूर्ति को रखेगा, देवी वहीं स्थापित हो जाएंगी।

यहां स्थापित की मूर्ति

जब रावण, देवी की मूर्ति को लेकर जा रहा था, तो उसने बड़ागांव में ही इस मूर्ति को स्थापित कर दिया। ऐसा माना जाता है कि तब से ही मां मनसा की मूर्ति यहां स्थापित है, जहां आज मनसा देवी का मंदिर देखने को मिलता है। इस मंदिर की मान्यता काफी दूर-दूर तक फैली हुई है। इसी के साथ इस गांव के लोग रावण को अपना पूर्वज मानते हैं और उनकी पूजा करते हैं। साथ ही गांव के लोग इसे अपना सौभाग्य मानते हैं कि रावण द्वारा स्थापित की गई मनसा देवी की मूर्ति उनके गांव में स्थापित है।

यहां भी नहीं होता रावण दहन

मध्य प्रदेश में स्थित मंदसौर में भी दशहरे के दिन रावण दहन या रावण वध नहीं किया जाता। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह रावण की पत्नी यानी मंदोदरी का मायका था और उसी के नाम से इस स्थान को मंदसौर के नाम से जाना जाता है। यही कारण है कि इस स्थान के लोग रावण को अपना दामाद मानते हैं और दशहरे के दिन रावण दहन नहीं करते।

रावण ने छलपूर्वक पाई थी सोने की लंका, विश्वकर्मा ने किया था निर्माण

रावण एक पराक्रमी योद्धा होने के साथ-साथ प्रकांड विद्वान, राजनीतिज्ञ और महाज्ञानी भी था। साथ ही वह सोने की लंका का स्वामी भी था। सोने के लंका का नाम सुनते ही सबसे पहले मन में रावण का ही विचार आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रावण को यह लंका किस प्रकार प्राप्त हुई।

मां पार्वती ने की विनती

एक बार जब माता लक्ष्मी, मां पार्वती जी से भेंट करने के लिए कैलाश पर्वत पर गईं, तो उन्होंने पार्वती जी से कहा कि आप एक राजकुमारी हैं, तो आप किस प्रकार इस कैलाश पर्वत पर अपना जीवन यापन कर रही हैं। इसके बाद माता पार्वती के मन में ही यह विचार आया कि हमारा एक महल होना चाहिए, तब उन्होंने अपने मन की बात शिव जी से कही। तब शिवजी ने पार्वती जी की इस बात को मानते हुए विश्वकर्मा और देव कुबेर को बुलाकर एक सोने का महल बनाने के लिए कहा।

रावण के मन में जागा लालच

महादेव के कहे अनुसार, विश्वकर्मा जी और कुबेर देव ने मिलकर भगवान शिव और माता पार्वती के लिए सोने की लंका का निर्माण किया। सोने की लंका बहुत ही सुंदर और रमणीय थी, जिसे देखकर रावण के मन में इसे पाने का लालच पैदा हो गया। तब उसने लंका को हथियाने का विचार बनाया। एक दिन रावण ने एक बार ब्राह्मण का रूप धारण किया और भगवान शिव के पास पहुंच गया।

तब रावण ने ब्राह्मण के रूप में भिक्षा के तौर पर सोने की लंका की। हालांकि भगवान शिव ने उसे पहचान लिया था, लेकिन फिर भी शिव जी ने उसकी यह मांग पूरी करते हुए उसे भिक्षा के रूप में सोने की लंका दे दी। एक कथा यह भी है, जिसमें वर्णन मिलता है कि रावण ने अपने सौतेले भाई कुबेर से सोने की लंका को बल पूर्वक छीना था।

माता पार्वती ने दिया श्राप

जब माता पार्वती को यह ज्ञात हुआ कि रावण ने छलपूर्वक सोने की लंका हथिया ली है, तब मां पार्वती बहुत क्रोधित हुईं और उन्होंने रावण को श्राप दे दिया। जिसके अनुसार, एक दिन सोने की पूरी लंका आग में भस्म हो जाएगी। इसी श्राप के अनुसार, हनुमान जी ने पूरी लंका में आग लगा दी थी, जिससे सोने की लंका जल गई।

आदिपर्वम से मांचू लक्ष्मी का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

राउला वेंकटेश्वर राव द्वारा प्रस्तुत, आदिपर्वम का निर्माण अन्विका आर्ट्स बैनर के तहत एआई एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया गया है। इस फिल्म में मांचू लक्ष्मी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण भूमिका आदित्यम ओम ने निभाई है। निर्देशक संजीव मेगोती फिल्म आदिपर्वम बना रहे हैं जो मुख्य रूप से एर्रागुडी की पृष्ठभूमि में अम्मावरी के आसपास बुनी गई एक आवधिक प्रेम कहानी के साथ ग्राफिक है।

सेंसर प्रक्रिया पूरी होने के बाद आदिपर्वम फिल्म इस महीने की 31 तारीख को एक भव्य नाटकीय रिलीज होने जा रही है।प्रतिभाशाली अभिनेत्री मांचू लक्ष्मी ने अपने जन्मदिन पर फिल्म आदिपर्वम में अपने किरदार का पहला लुक जारी किया। उनके किरदार का फर्स्ट लुक दिलचस्प और प्रभावशाली है. मांचू लक्ष्मी एक नए रोल में दर्शकों का मनोरंजन करने जा रही हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया है. डायरेक्टर संजीव मेगोटी ने कहा- सबसे पहले मांचू लक्ष्मी को जन्मदिन की शुभकामनाएं. मैं अन्विका आर्ट्स और एआई एंटरटेनमेंट्स के सहयोग से आदिपर्वम को एक बेहतरीन फिल्म बनाकर बहुत संतुष्ट हूं। मांचू लक्ष्मी, आदित्यम ओम, शिव कंथामनिनेनी और एस्तेर नीराजना कहने वाले लोगों के पात्र हैं। उनका प्रदर्शन यादगार है. मैंने यह फिल्म 1974-90 के बीच हुई वास्तविक घटनाओं के संग्रह के रूप में बनाई है। यह फिल्म अम्मोरू और अरुंधति फिल्मों की तरह ही बुरी शक्ति और दैवीय शक्ति के बीच की लड़ाई है। हाल के दिनों में ऐसी फिल्म नहीं आई है. हमारी फिल्म में ग्राफ़िक्स को हाइलाइट किया गया है। इस महीने की 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में हमारी फिल्म आदिपर्वम देखें। कहा।कार्यकारी निर्माता घंटा श्रीनिवास राव ने कहा- हम मांचू लक्ष्मी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हैं। आदिपर्वम एक रेट्रो फील के साथ एक अच्छी प्रेम कहानी के रूप में शुरू होती है और एक पूर्ण एक्शन थ्रिलर बन जाती है जो बिना नजरें घुमाए आपको प्रभावित करती है। हमें उम्मीद है कि आप आदिपर्वम फिल्म का समर्थन करेंगे। कहा।सह-निर्माता गोरेंटा श्रावणी ने कहा- मांचू लक्ष्मी को जन्मदिन की शुभकामनाएं।

हमें उम्मीद है कि आदिपर्वम को तेलुगु फिल्मों में एक बेहतरीन प्रयास के रूप में सराहा जाएगा। फिल्म की टीम बहुत सहयोगी थी. आदिपर्वम एक अच्छी फिल्म होगी जो आप सभी को याद होगी. झगड़े, ग्राफिक्स आपकी सराहना के पात्र हैं। कहा।कलाकार - मांचू लक्ष्मी, आदित्यम ओम, एस्तेर, सुहासिनी, सृजिता घोष, शिव कंथमनेनी, वेंकट किरण, सत्य प्रकाश, सम्मेता गांधी, जेमिनी सुरेश, दिल्ली राजेश्वरी, हैरी जोश, जबरदस्त गद्दाम नवीन, योगी क्रांति, मधु नांबियार, बीएन शर्मा, बृंदा , स्नेहा अजित, अयोशा, ज्योति, देवी श्री प्रभु, श्रावणी, गुडा रामकृष्ण, राधाकृष्ण थेलु, रवि रेड्डी, लीलावती, दुग्गीरेड्डी वेंकट रेड्डी, श्रीराम, आदि।

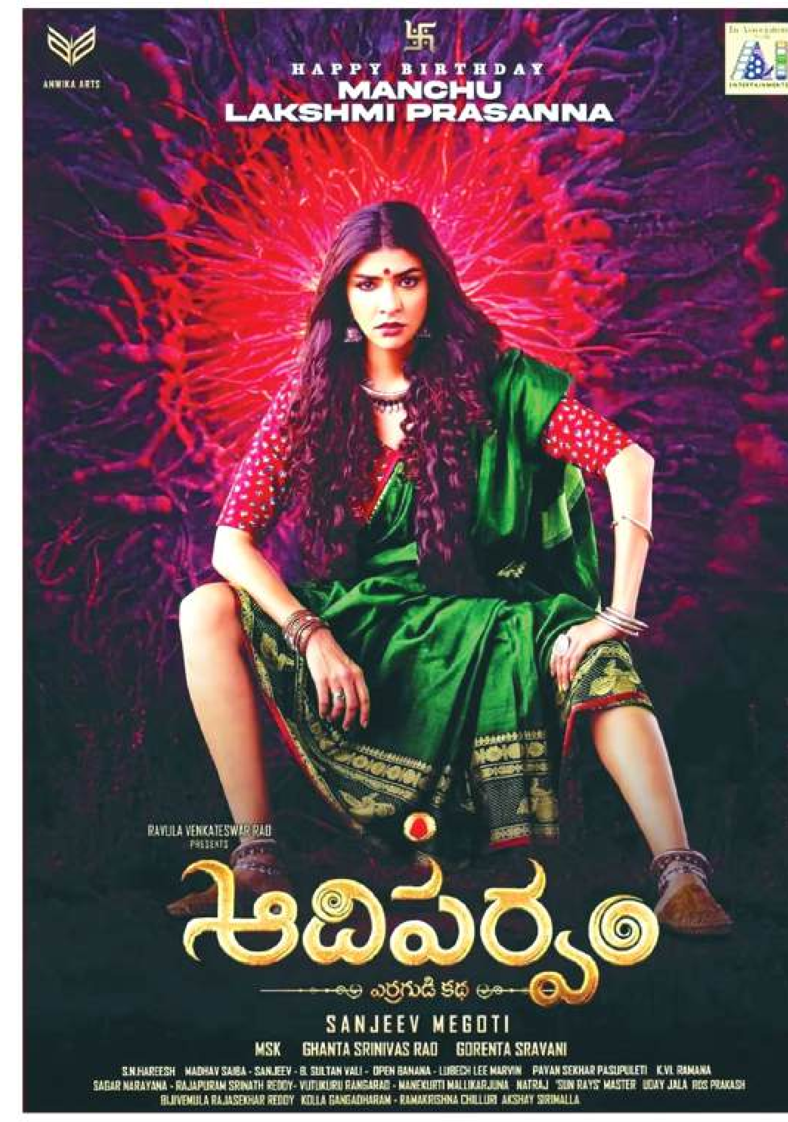

ओटीटी पर भी शुरू हो चुका है सरकटे का डर

अमेजन प्राइम पर हुई रिलीज

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर खूब जादू चलाया है। उनकी फिल्म को इतना पसंद किया गया कि ये फिल्म डेढ़ महीने तक सिनेमाघरों पर टिकी रही है। हॉरर-कॉमेडी फिल्म को आज के समय में बहुत पसंद किया जा रहा है। ये एक ऐसा जॉनर बन गया है जिसकी फिल्में जैसे ही रिलीज हो रही हैं वो बॉक्स ऑफिस पर छा जा रही हैं। सिनेमाघरों पर धमाल मचाने के बाद अब ओटीटी पर स्त्री 2 रिलीज हो गई है। फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने का फैंस लंबे समय से इतंजार कर रहे थे। अब ये इंतजार खत्म हो गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने भी इसकी ऑफिशियल जानकारी दे दी है।स्त्री 2 में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव के साथ पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी अहम किरदार निभाते नजर आए हैं। फिल्म में अक्षय कुमार का कैमियो है। जो अगले पार्ट में बड़े रोल में नजर आएगा।स्त्री 2 को अमेजन प्राइम पर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म को आप फ्री में देख सकते हैं। अब ये फिल्म रेंटल पर नहीं है। अमेजन प्राइम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके स्त्री 2 की ओटीटी रिलीज की जानकारी दी है। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- स्त्री आ चुकी है। स्त्री प्राइम पर। इसका वीडियो बहुत मजेदार है। हर कोई चीखता हुआ ही नजर आ रहा है। कभी स्त्री को देखकर तो कभी सरकटे को देखकर।स्त्री 2 को सिनेमाघरों पर 15 अगस्त को रिलीज किया गया था। इस फिल्म के साथ अक्षय कुमार की खेल खेल में और जॉन अब्राहम की वेदा रिलीज हुई थी। दोनों ही बड़े स्टार की फिल्मों को स्त्री 2 ने पीछे छोड़ दिया था। पहले दिन ही कलेक्शन के मामले में ये फिल्में स्त्री 2 से कोसो दूर थीं। उसके बाद से अब तक सिनेमाघरों में जितनी भी फिल्में रिलीज हुई हैं वो स्त्री 2 को मात नहीं दे पाई हैं।

दो पत्ती का पहला गाना रांझणा जारी, कृति सैनन-शाहीर शेख की केमिस्ट्री ने जीता दिल

अभिनेत्री कृति सैनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म के जरिए कृति बतौर निर्माता बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। दो पत्ती कृति के होम प्रोडक्शन ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स की पहली फिल्म है।इस फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री काजोल भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं।अब दो पत्ती का पहला गाना रांझणा रिलीज हो गया है, जिसे परम्परा टंडन ने अपनी आवाज दी है।रांझणा के बोल कौसर मुनीर ने लिखे हैं। इस गाने में कृति नशे में धुत नजर आ रही हैं, वहीं शाहीर शेख संग उनकी कमेस्ट्री ने दिल जीत लिया है।दो पत्ती सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी

प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 25 अक्टूबर, 2024 से होने वाला है। इस फिल्म में कृति डबल रोल में नजर आएंगी।दो पत्ती के निर्देशन की कमान कनिका ढिल्लों ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित फिल्म दो पत्ती में जुड़वा बहनों की एक पेचीदा कहानी दिखाई गई है, जिसमें रहस्य छिपे हैं और एक पुलिस हत्या के प्रयास के एक मामले में सच्चाई का पता लगाने के लिए तत्पर है। कृति सेनन और काजोल के अलावा इस फिल्म में शाहीर शेख, तन्वी आजमी और बृजेंद्र काला भी हैं।फिल्म की कहानी में काजोल को एक पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है जो बेपरवाह कृति सेनन से पूछताछ कर रही हैं। काजोल कृति से एक रहस्य साझा करने का आग्रह करती हैं, लेकिन कृति सवाल को टाल देते हैं और जवाब देती हैं कि एक पुलिस अधिकारी के रूप में, रहस्य को सुलझाना काजोल का काम है। कहानी में एक मोड़ जोड़ते हुए, कृति की हमशक्ल सीन में दिखाई देती है।

सोफी चौधरी के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

थाई स्लिट गाउन में एक्ट्रेस दिखीं बेहद खूबसूरत

एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी हमेशा अपने बोल्ड स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स से अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान एक्ट्रेस को स्पॉट किया। जहां उनका कातिलाना अंदाज और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस देखकर की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।सोफी चौधरी का नाम मल्टीटेलेंटेड एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हैं। वो अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपनी फिटनेस और फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस को पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान किया। इस दौरान वो बेहद ही किलर लुक में नजर आईं।फोटोज में आप देख सकते हैं सोफी चौधरी ने ऑरेंज कलर का थाई स्लिट गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।खुले बाल को कर्ली लुक में स्टाइल कर के और साथ ही मिनिमल कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो उनके हर एक लुक को फैंस फॉलो करते हैं। सोफी चौधरी की हर एक तस्वीर इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगती हैं।सोफी चौधरी सोशल मीडिया काफी एक्टिव रहती हैं। उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

निक्की तंबोली ने देसी अवतार में गिराई बिजली, साड़ी पहन दिए किलर पोज

बिग बॉस 14 की एक्स कंटेस्टेंट निक्की तंबोली अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो लोग उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हाल ही में निक्की तंबोली की लेटेस्ट हॉट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो गया है।निक्की तंबोली इन दिनों सोशल पर काफी एक्टिव हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका बोल्ड अवतार नजर आ रहा है. निक्की ने ऑरेंज कलर की साड़ी पहनी है और बाल खुले करके सेक्सी पोज देते नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस की खूबसूरती और बोल्डनेस देख यूजर्स के होश उड़ गए हैं और कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट की बौछार कर रहे हैं. निक्की तंबोली बिग बॉस 14 में नजर आ चुकी हैं और आजकल वे सिंगल्स कर रही हैं.बता दें कि एक्ट्रेस निक्की तंबोली का हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। और आए दिन वो अपनी अदाओं से इंटरनेट का पारा बढ़ाती रहती हैं।निक्की तंबोली अपने लुक्स से बी-टाउन की बड़ी-बड़ी हसीनाओं को मात देती हैं।अभिनेत्री निक्की तंबोली फैशनिस्ट से कम नहीं हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर लाइमलाइट बटौरता रहता है।

निखिल सिद्धार्थ स्टारर अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो का पोस्टर रिलीज

कार्तिकेय 2 से देशभर में लोकप्रियता हासिल करने वाले निखिल फिलहाल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। अभिनेता निखिल, जो लगातार हिट फिल्में दे रहे हैं, और बहुमुखी निर्देशक सुधीर वर्मा, जो अपनी विभिन्न फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, के साथ एक एक्शन एंटरटेनर का निर्माण किया जा रहा है। इस दिलचस्प जोड़ी ने पहले ब्लॉकबस्टर फिल्मों स्वामी रारा और केशव में साथ काम किया था।प्रमुख प्रोडक्शन हाउस श्री वेंकटेश्वर सिने चित्रा एलएलपी इस प्रोजेक्ट को अपनी 32वीं फिल्म के रूप में प्रोड्यूस कर रहा है। इसे वरिष्ठ और बेबाक निर्माता बीवीए-सएन प्रसाद द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है, जिन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं। आज, फिल्म का पहला लुक और उसका दिलचस्प शीर्षक सामने आया। फिल्म का नाम अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो रखा गया है, जिसमें एक दिलचस्प कार तत्व है जो जिज्ञासा बढ़ाता है।पहली झलक में निखिल और रुक्मिणी वसंत टहलते हुए नजर आ रहे हैं। निखिल स्टाइलिश अवतार में आकर्षक लग रहे हैं, जबकि रुक्मिणी वसंत अपनी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर रही हैं। पहली झलक प्रभावशाली है और एक मनोरंजक अनुभव का वादा करती है। ब्लॉकबस्टर स्वामी रारा की जोड़ी एक बार फिर दर्शकों को रोमांचित और गुदगुदाने के लिए वापस आ गई है। इस रोमांचक सहयोग से उम्मीदें बहुत ज़्यादा हैं क्योंकि उनका लक्ष्य अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो के साथ हैट्रिक बनाना है।कन्नड़ अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत, जिन्होंने अच्छी लोकप्रियता हासिल की है, इस फ़िल्म से अपना तेलुगु डेब्यू कर रही हैं। खूबसूरत दिव्यांशा कौशिक ने एक प्रमुख भूमिका निभाई है, साथ ही हर्षा चेमुडु भी एक प्रमुख भूमिका में हैं। योगेश सुधाकर, सुनील शाह और राजा सुब्रमण्यम फ़िल्म का सह-निर्माण कर रहे हैं। बापीनेदु बी इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट को प्रस्तुत कर रहे हैं। गायक कार्तिक गाने की रचना कर रहे हैं, जबकि सनी एमआर बैकग्राउंड स्कोर संभाल रहे हैं। रिचर्ड प्रसाद सिनेमैटोग्राफी के प्रभारी हैं, और नवीन नूली संपादन का काम संभाल रहे हैं। अप्पुडो इप्पुडो एप्पुडो इस दिवाली पर सिनेमाघरों में भव्य रिलीज के लिए तैयार है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख-कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा-शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएं तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक़्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालांकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे- साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरूरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे - बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएं गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएं मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने-फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे- लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग-पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता-कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरूरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे- इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक़्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक़्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 12 अक्टूबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी दोपहर 11:00 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 04:28 तक
योग : धृति रात्रि 12:21 तक
करण : कौलव प्रातः 11:00 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:56 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:02 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 05:48 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी , विजया दशमी, दशहरा, शमी पूजनम्

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जल्द से जल्द धान खरीद और उठान सुनिश्चित करें अधिकारी : सैनी

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द धान खरीद और उठान सुनिश्चित करें। श्री सैनी ने कुरुक्षेत्र की पीपली अनाज मंडी में जाकर जीरी (धान) की खरीद का जायजा लेने के बाद अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसान के दाने-दाने की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद सुनिश्चित होनी चाहिए।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मंडी में आने वाले किसानों को को दिक्कत नहीं होनी चाहिए और धान का जल्द से जल्द उठान भी सुनिश्चित करें। बाद में, श्री सैनी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा के सभी नवनिर्वाचित विधायक मंडियों में हैं ताकि किसान को किसी प्रकार की समस्या या दिक्कत न रहे। वह खुद पीपली मंडी में हैं और लाड़वा व अन्य मंडियों में भी जाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मापदंड है कि 17 मॉइसचराइस या उससे नीचे मॉइसचराइस की एक भी ढेरी मंडी में नहीं दिखाई नहीं देनी चाहिए।

अधिकारियों को कहा है कि एक-एक दाना खरीदना है। उसका उठान भी करना है और भुगतान भी करना है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग पांच लाख 32 हजार मैट्रिक टन खरीद की जा चुकी है। इसमें से एक लाख 59 हजार मैट्रिक टन का उठान किया गया है। उन्होंने बताया कि बाजरे की एक लाख 31 हजार मैट्रिक टन की खरीद की गई है।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम को सरकार सर्तकता से कर रही काम : भजनलाल

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि डेंगू, मलेरिया एवं स्क्रब टाइफस जैसी मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए राज्य सरकार पूरी सर्तकता के साथ अलर्ट मोड पर काम कर रही है।

श्री शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित जिला कलक्टर्स की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांव से लेकर शहर तक आमजन को मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार तत्परता के साथ निर्णय ले रही है। उन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के जलभराव क्षेत्रों में सघन फॉगिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर्स आमजन को इन बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाएं। उन्होंने कलेक्टर्स को प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त स्वास्थ्यकर्मियों को नियोजित करने, स्वास्थ्य केन्द्र पर दवाईयों की पूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित करने और 24 घंटे संचालित कंट्रोल रूम की नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वृहद् स्तर पर कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। उन्होंने कृषि विभाग को किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कलक्टर्स को खाद के स्टॉक का नियमित निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने किसानों के लिए डीएपी खाद के विकल्प के रूप में एसएसपी को प्रोत्साहित करते हुए कलक्टर्स को इसके व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए। श्री शर्मा ने 22 से 24 अक्टूबर को आयोजित होने वाली समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलक्टर्स को प्रश्न-पत्रों की सुरक्षा के लिए प्रभावी प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लाखों परीक्षार्थियों का भविष्य इस परीक्षा में जुड़ा हुआ है, ऐसे में उनके लिए परिवहन, परीक्षा केन्द्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल सहित आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित कर ली जाएं।

हरियाणा की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 15 को

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा की नई भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 15 अक्टूबर, मंगलवार को पंचकुला में होगा। राज्यपाल ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों के लिए पंचकुला के जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में एक 10-सदस्यीय समिति बनाई है। हरियाणा विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने 48 सीटें जीती है, जो बहुमत के आंकड़े से तीन ज्यादा हैं और उसे तीनों निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन प्राप्त है।

फुट-रॉट रोग की रोकथाम के लिए हरियाणा में अलर्ट

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने पशुओं के फुट रॉट (खुर-सड़न) रोग से बचाव के लिए अलर्ट जारी किया है। प्रदेश सरकार ने पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में भेड़ और बकरियों में फैल रहे रोग को ध्यान में रखते हुए यह एडवाइजरी जारी की है।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरियाणा ने प्रदेश में सतर्कता बढ़ा दी है। प्रदेश में फुट रॉट रोग के किसी भी संभावित विस्तार (आउटब्रेक) को रोकने के लिए विभाग पूरी तरह तैयार है। राज्य सरकार ने इसके लिए लागू किए जा रहे रोग निवारक उपायों की रूपरेखा भी साझा की है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश में अभी तक इस रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। विभाग प्रदेश के पशुधन को फुट-रॉट रोग से बचाने के लिए एहतियाती कदम उठा रहा है। इस रोग से प्रभावित भेड़-बकरियों के खुरों को नुकसान पहुंचता है। इस रोग के कारण पशुओं की चलने-फिरने की क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। जिसके कारण चरवाहों और पशुपालकों को काफी आर्थिक नुकसान होता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस बीमारी से बचाव के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं है। केवल सख्त जैव-सुरक्षा उपाय ही इस रोग के प्रसार को प्रभावी ढंग से रोक सकते हैं।विभाग द्वारा प्रदेश में विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश की सीमा से लगे क्षेत्रों में इस रोग के प्रति अधिक सावधानी बरतने के निर्देश जारी किए हैं।

उप निदेशकों को राज्य भर के सभी सरकारी पशु चिकित्सा अस्पतालों (जीव-एच) और सरकारी पशु चिकित्सा औषधालयों (जीवीडी) में पोटेशियम परमैंगनेट, हाइड्रोजन पेरोक्साइड और पोविडोन आयोडीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।विभाग ने पशुपालकों को किसी भी संदिग्ध लक्षण की सूचना तुरंत अपने स्थानीय पशु चिकित्सा अधिकारी को देनी होगी। पशुपालक विभाग के टोल-फ्री नंबर-1962 पर भी सहायता प्राप्त सकते हैं।

बुजुर्ग पर हमला करने वाले तेंदुए को ग्रामीणों ने मार डाला

उदयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर जिले के सायरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक अधेड़ व्यक्ति पर हमला करने वाले तेंदुए को ग्रामीणों ने पीट-पीट कर मार दिया।

पुलिस ने बताया कि कमोल गांव में शुक्रवार सुबह देवाराम गमेती (55) के मकान से सटे बाडे में बंधे भैंस के बछडे पर तेन्दुआ ने हमला किया। इस दौरान देवाराम बाडे में गया तो तेन्दुआ ने उस पर हमला कर दिया जिससे उसके दोनो हाथ जख्मी हो गये।

भाजपा के आठ और कांग्रेस के तीन प्रत्याशियों की जमानत हुई जब्त

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा के जीत की हैट्रिक लगाने के बावजूद उसके आठ प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई है, जबकि विपक्षी कांग्रेस, जो चुनाव हार गई, के तीन प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई है। भाजपा ने कुल 48 सीटें जीती हैं और कांग्रेस की झोली में 37 सीटें आई हैं। इंडियन नैशनल लोकदल को दो सीटें मिली हैं और तीन सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं।

90-सदस्यीय विधानसभा में दोनों प्रमुख पार्टियों ने 89-89 सीटों पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने जहां एक सीट भिवानी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए छोड़ी थी वहीं भाजपा ने सिरसा सीट से अपना एक प्रत्याशी हटा लिया था। वकील एवं राजनीतिक-चुनाव विश्लेषक हेमंत कुमार के अनुसार भाजपा उम्मीदवारों की 8 विधानसभा सीटों पर ज़मानत राशि जब्त हुई हैं, इनमें गन्नौर, हिसार, डबवाली, रानियां, ऐलनाबाद, महम, पुन्हाना और नूहं वि.स. हलके शामिल हैं। इन में से दो- गन्नौर और हिसार में तो निर्दलीय जीते हैं, डबवाली और रानियां में इनेलो उम्मीदवार जबकि शेष चार महम, पुन्हाना, नूहं और ऐलनाबाद में कांग्रेस प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है।

दूसरी तरफ, अम्बाला छावनी, तिगांव और बल्लभगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशियों को अपनी ज़मानत राशि गंवानी पड़ी। तीनों सीटों पर कांग्रेस के बागी प्रत्याशियों क्रमशः चित्रा सरवारा, ललित नागर और शारदा राठौर के दूसरे क्रमांक पर रहने व वोट बटोरने के कारण ही पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों क्रमशः परविंदर पाल परी, रोहित नागर और पराग शर्मा की जमानत जब्त हुई। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 158 (4) के अनुसार अगर किसी चुनाव में कोई उम्मीदवार विजयी नहीं होता है, तो उसे अपनी ज़मानत राशि वापिस लेने के किये उस चुनाव में डाले गए कुल वैध वोटो का एक-छठा भाग से ज्यादा अर्थात 16.66 फीसदी से अधिक वोट लेने अनिवार्य होते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछली बार यानी 2019 के चुनाव में भाजपा के केवल तीन प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई थी और कॉंग्रेस के 27 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई थी।

मजदूरी के पैसे मांगने पर मजदूरों को बंधक बनाया, की मारपीट

हिसार, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार जिला के बरवाला में मेले में काम करने वाले मजदूरों को मजदूरी मांगने पर बंधक बनाने, उनके साथ मारपीट करने व उनके परिजनों को फोन कर फिरौती मांगने के आरोप में ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मिली शिकायत के अनुसार उत्तर प्रदेश से दो अक्टूबर को आए 11 मजदूरों ने गांव बनभौरी मेले में ठेकेदार सतीश जांगड़ा के लिए काम किया था। आरोप है कि मेले का काम पूरा होने के बाद जब उन्होंने अपनी मजदूरी के पैसे मांगे, तो सतीश जांगड़ा व उनके सभी साथियों ने उनके साथ बुरी तरह मारपीट की और एक कमरे में बंधक बनाकर रखा। बाद में उनके परिजनों को फोन कर पांच लाख रुपये की फिरौती भी मांगी। बरवाला पुलिस ने किसी अज्ञात व्यक्ति से सूचना मिलने पर वहां से छुड़वाया था। उनकी शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 190, 191(2), 115(2), 127(2), 308(4), 351(3) के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की जांच जारी है।

तस्करों से मुठभेड़ के बाद 60 लाख का अवैध डोडा-चूरा बरामद

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के कारोई थाना क्षेत्र में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय के दल ने भीलवाड़ा जिले के कारोई थाना क्षेत्र में स्थानीय पुलिस के सहयोग कल रात तस्करों से मुठभेड़ के बाद तीन क्विंटल 92 किलो अवैध डोडाचूरा बरामद किया जिसकी कीमत करीब 60 लाख रुपये आंकी गयी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध) दिनेश एमएन ने शुक्रवार को बताया कि सूचना मिली कि भीलवाड़ा जिले में एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में तस्कर भारी मात्रा में मादक पदार्थ की तस्करी करके ले जा रहे हैं जो गाडरमाला होते हुए गरलां के रास्ते से जायेंगे। इस पर पुलिस दल ने उक्त रास्ते के घुमावदार मोड़ पर नाकाबंदी की। रात करीब पौने बारह बजे स्कॉर्पियो गाड़ी आती हुई दिखाई दी, जिसमें दो व्यक्ति बैठे हुए थे।

उन्होंने बताया कि पुलिस दल ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, वे नहीं रुके तो सड़क पर स्टॉप स्टिक बिछा दिया जिससे उनका टायर फट गया। बाद में बदमाशों ने पुलिस दल पर गोली चलाई, जवाबी कार्रवाई के बाद वे अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गये। पुलिस दल ने स्कार्पियो से 22 कट्टे बरामद किये जिसमें 392 किलो डोचूरा भरा था। दोनों बदमाशों की तलाश की जा रही है।

सूरतगढ़ उप कारागृह में विचाराधीन बंदी ने की खुदकुशी

श्रीगंगानगर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ के उप कारागृह में एक विचाराधीन बंदी ने शुक्रवार को बैरक के गेट पर गमछा से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी उप कारागृह पहुंच गये। वहीं श्रीगंगानगर से जिला कारागृह के अधीक्षक डॉ. अभिषेक शर्मा भी जानकारी मिलते ही सूरतगढ़ के लिए रवाना हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक नसीब सिंह (34) सूरतगढ़ तहसील क्षेत्र के गांव भगवानगढ़ का निवासी था। उसने रात में किसी समय बैरक नंबर एक में दरवाजे पर कपड़े के साफे से बने फंदे पर फांसी लगा ली। सुबह पौने पांच बजे उसका शव फंदे से लटका मिला। इस बंदी को फाजिल्का (पंजाब) की एक अदालत में आज ही तारीख पेशी पर ले जाया जाना था। जेलर ने इस घटना की वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। इसी बैरक के दूसरे बंदियों को पता ही नहीं चला कि कब नसीबसिंह ने फांसी लगा ली। इस घटना की न्यायिक जांच आरंभ हो गई है।

एक न्यायिक अधिकारी की उपस्थिति में सूरतगढ़ के सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। बताया जाता है कि वह अवसादग्रस्त था। वह 30 मई 2023 से न्यायिक अभिरक्षा के तहत सूरतगढ़ उप कारागृह में था। उसे अवैध मादक पदार्थ रखने के आरोप में पकड़ा गया था।

हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष को पद से हटाया गया

हिसार, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल होने के कारण नरेश जांगड़ा को श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पद से तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है। सूत्रों के अनुसार श्री जांगड़ा कुलदीप बिश्नोई परिवार के करीबी माने जाते थे और 2022 में श्री बिश्नोई के साथ ही कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में आए थे। उन्हें सात महीने पहले श्रम कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था। विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच में ही श्री जांगड़ा कांग्रेस में शामिल हो गए थे। बाद में उन्होंने आदमपुर में कांग्रेस प्रत्याशी चंद्र प्रकाश के लिए प्रचार भी किया।

युवक की हत्या के आरोपी का मकान फूंका

भरतपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर में रूपवास के खानवां में दो दिन पूर्व आपसी विवाद के बाद एक दलित युवक की हत्या से जुड़े आरोपी पक्ष के व्यक्ति के छप्पर पोश मकान को आग लगाकर जला देने का मामला सामने आया है।

गत बुधवार को हुई इस हत्या के इस मामले को लेकर हरिजन एवं दलित समुदाय के बीच आपसी तनाव एवं तनातनी को देखते मौके पर आरएसी के जवान और गहनौली थाने के पुलिसकर्मी तैनात होने के बावजूद इस वारदात से हरिजन समुदाय में आक्रोश व्याप्त है। आगजनी की इस घटना में खिललो हरिजन के छप्पर पोश मकान के खाक हो जाने के साथ ही एक मोटरसाइकिल और मकान में रखा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित के परिजनों के अनुसार गुरुवार रात को करीब 10 से 12 लोग आये और मकान में आग लगाकर चले गये। दमकल की गाड़ी की मदद से आग को बुझाया गया। गौरतलब है कि चाउमीन एवं शराब को लेकर हुये विवाद में नौ अक्टूबर की रात दोनों पक्षों की तरफ से जमकर लाठियां चली और पथराव हुआ। इस दौरान सिर में चोट लगने से जितेंद्र (40) की मौत हो गई वहीं जितेंद्र का भाई गोपाल घायल हो गया। घटना के बाद से आरोपी हरिजन पक्ष के लोग फरार हैं जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। आगजनी की इस वारदात के समय खिललो हरिजन के छप्पर पोश मकान में सिर्फ उंसकी पत्नी ही मौजूद थी।

बुराइयों पर विजय पाना ही है विजयादशमी : देवनानी

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रदेशवासियों को विजयादशमी पर्व की बधाई एवं शुभकानाएं देते हुए कहा है कि बुराइयों पर विजय पाना ही विजयादशमी हैं।

श्री देवनानी ने शुक्रवार को दशहरा की पूर्व संध्या पर कहा कि विजयादशमी पर्व को मनाने की सार्थकता के लिए हमें अपने भीतर के क्रोध, अंहकार, लालच, ईर्ष्या, आलस्य, हिंसा जैसी बुराइयों पर विजय प्राप्त करने के लिए निरन्तर अभ्यास किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विजयादशमी मानवता की विजय यात्रा का पर्व है।

सत्यनिष्ठ मनुष्य किस प्रकार अत्यल्प साधनों द्वारा भी कठिन कार्य करता हुआ महान लक्ष्य को प्राप्त करता है, विजय दशमी इसका उदाहरण है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि उन्हें विजयादशमी मनाते हुए अनुष्ठान और सदाचार से जीवन को एक नये मार्ग की ओर ले जाना चाहिए।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

हर हिंदू को घर में त्रिशूल रखना चाहिए, पूजा कीजिए इसकी, जरूरत पर काम आ सकता है : गिरिराज सिंह

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि हिंदू धर्म दुनिया का एकमात्र धर्म है, जो सभी धर्म का सम्मान करता है। हम धर्म की रक्षा करने वाले संकल्प पर रहने वाले लोग हैं। उन्होंने हिंदुओं से अपने धर्म की रक्षा करने की भी अपील की। उन्होंने कहा- धर्म की रक्षा करेंगे, तो धर्म आपकी रक्षा करेगा। अब हर हिंदू को त्रिशूल रखना चाहिए और उसकी पूजा भी करनी चाहिए, ताकि बुरे वक्त पर वही त्रिशूल आपकी रक्षा कर सके। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि हम सब हिंदू पूर्वजों के सत्ता लोभ का परिणाम भुगत रहे हैं। इसलिए, देश के सनातनी हिन्दू का यह हाल है। हम विशेष अवसर पर ही हिंदू दिखते हैं। यह बड़ी चिंता का विषय है। नवरात्र के अष्टमी पर आयोजित फलाहार कार्यक्रम के दौरान मंच से हिंदू को लेकर उन्होंने यह चिंता जताई।

केंद्रीय मंत्री ने हिंदुओं को अपनी एकता बनाए रखने पर कसम दिलाते हुए कहा कि जातियों को भूलकर अपनी एकता को बनाए रखें। देश में हिंदुओं को तोड़ने की साजिश चल रही है। आतंकियों के मारे जाने पर हमारे देश में कई लोगों के पेट में दर्द होता है। बांग्लादेश-पाकिस्तान में हिंदुओं के नरसंहार पर यह लोग नहीं बोलते। लेबनान में हिजबुल्ला के बड़े आतंकी नसरुल्लाह के मारे जाने पर कई लोगों ने जुलूस तक निकाल कर आंसू बहाए थे। इनके पेट में दर्द भी होता है। क्या लेबनान में आतंकी हिजबुल्ला मानवता का प्रतीक है? यह इंसानियत के लिए कोई लड़ाई लड़ रहा था? दूसरे देशों में हिन्दू के साथ जुर्म-अत्याचार किसी को दिखाई नहीं देता है।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि हम तो चाहते थे कि इस बार लोकसभा का चुनाव किशनगंज लोकसभा क्षेत्र से लड़ें। इसकी प्रबल इच्छा थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अगर किशनगंज में मेरी जमानत भी जब्त हो जाती तो मैं वहां से चुनाव जरूर लड़ता। यह अंतर हम हिंदुओं को कमजोर कर रहा है और इसके लिए सभी हिंदुओं को जाति भेदभाव भूल कर एक साथ चिंतन करना होगा। हमें आने वाले भविष्य की चिंता होती है।

नवरात्रि में आकर्षण का केंद्र बना वंदे भारत एक्सप्रेस

शहर में बना चर्चा का विषय

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में नवरात्रि की धूम है और लोग माता के दर्शन को लेकर खासे उत्साह में हैं। शहर के चंदवारा सोडा गोदाम चौक पर बनी ट्रेन वाली पंडाल की खूब चर्चा हो रही है।

इस पंडाल में चलाई जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस इस बार भक्तो के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट रही है। यही नहीं बल्कि हिन्दू तो हिंदू बल्कि मुस्लिम समुदाय की महिलाओं का भी उत्साह ट्रेन में चढ़ने और माता के दर्शन का केंद्र बना हुआ है। सभी लोग वन्दे भारत ट्रेन पर चढ़ के माता का दर्शन करने आर्टिफिशियल गुफाओं से होकर जा रहे हैं। इस दौरान स्टेशन भी बनाये गये हैं। स्टेशन पर टिकट घर बनाया गया है। लोग टिकट लेकर लंबी-लंबी कतार लगा कर ट्रेन पर सफर कर रहे है, जहां पूजा के साथ-साथ बच्चों के लिए मनोरंजन का भी साधन बना हुआ है। साथ ही शहर के लिए एक बड़ा आकर्षण का केंद्र बना है। इस अनोखी पहल को सभी समाज के लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

इस संबंध में पूजा समिति के सदस्य रामबाबू का कहना है कि इस बार हमलोगों ने सोचा था कि पूजा में कोई नया चीज बनाया जाए, जिसके बाद उन्होंने वंदे भारत ट्रेन बना कर लोगों के सामने एक मिसाल पेश की है। यह आपसी प्रेम-सद्भाव के रूप में सामने आ रही है और लोग एक दूसरे के साथ टिकट कटा कर साथ में माता के दर्शन कर रहे हैं। वहीं घूमने आए सनोज मिश्रा ने बताया कि इस बार का यह प्रयोग लोगों के लिए बहुत ही बढ़िया लग रहा है, खास कर बच्चे ट्रेन पर चढ़ने की जिद करते हैं और जिस वजह से उन्हें घुमाने के लिए भी ला रहे हैं। फिलहाल यह लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

मैजिक के तहखाने, छज्जा और सीट से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

कोसी (एजेंसियां)। जिले के बलवा हाट थाना पुलिस और डीआईयू की टीम ने गुप्त सूचना पर दुर्गा पूजा को लेकर जमा किए जा रहे भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद किया है। बलवाहाट थानाध्यक्ष कुलवंत कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देशन में जिला में अवैध शराब का सेवन, निमार्ण, बिकी भण्डारण एवं परिवहन के रोकथाम तथा शराब तस्कारों के विरूद्ध कड़ी कारवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में जिला आसूचना ईकाई के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि सहरसा से एक पीले रंग की मैजिक वाहन से एक शराब तस्कर भारी मात्रा में विदेशी शराब लेकर बलवाहाट की ओर आने वाला है। प्राप्त सूचना के आधार पर बलवाहाट थाना एवं जिला आसूचना ईकाई की संयुक्त टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम-मदनपुर चौक से आगे एनएच-107 पर वाहन चेकिंग प्रारंभ किया गया।

उसी क्रम में एक पीले रंग का मैजिक वाहन पुलिस टीम को देखकर घुमाकर कर भागने का प्रयास किया। जिसे संयुक्त टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। उक्त मैजिक की तलाशी लेने पर ब्लैक डॉट का 179 बोतल, रॉयल पार्टी का 249 बोतल, ब्लू क्रीजरेल 323 बोतल, 7 पीएम व्हिस्की 48 बोतल विदेशी शराब बरामद किया गया तथा वाहन चालक वीरभूमि पश्चिम बंगाल निवासी बाबू अंसारी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने एक मोबाइल भी बरामद किया है।

मुजफ्फरपुर में नहर का तटबंध टूटा, कई घरों में घुसा पानी

प्रशासन ने शुरू किया मरम्मत कार्य

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी प्रखंड क्षेत्र के किशुनपुर मोहिनी पंचायत के जमीन हाट गांव के पास नहर का तटबंध टूट जाने से आसपास के कई घरों में पानी भर गया है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। यह घटना रविवार सुबह 11 बजे के आसपास हुई जब नहर में पानी का बहाव अचानक तेज हो गया और तटबंध 20 फीट तक टूट गया। उसके बाद पानी तेजी से गांव की ओर फैलने लगा, जिससे कई घरों और खेतों में पानी भर गया और स्थिति अफरा-तफरी की हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि लगातार हो रही बारिश से नहर में पानी का

स्तर बढ़ता जा रहा था, जिससे तटबंध पर दबाव बढ़ गया। कटाव और पानी के तेज बहाव के कारण तटबंध टूट गया, जिसके बाद नहर का पानी तेजी से किशुनपुर मोहिनी गांव में फैलने लगा। ग्रामीणों ने बताया कि तटबंध टूटने से गांव की स्थिति बिगड़ती जा रही है और लोगों के घरों में पानी घुसने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

मामले की जानकारी मिलते ही जल संसाधन विभाग के इंजीनियर, अंचल अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता और कुढ़नी अंचल अधिकारी ने स्थिति का जायजा लिया और तटबंध की मरम्मत का कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया।

अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) पश्चिमी श्रेया श्री ने बताया कि तटबंध के टूटने की वजह पानी का अत्यधिक बहाव और तीव्र कटाव है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और प्रशासन हालात पर नजर रखे हुए है। किसी भी बड़ी परेशानी की सूचना नहीं है, और प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने के प्रयास जारी हैं।

प्रशासन की टीम ने बताया कि तटबंध की मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है, ताकि पानी के बहाव को रोका जा सके। इसके साथ ही प्रशासन की एक टीम गांव में कैंप कर रही है और हालात पर लगातार नजर रख रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से त्वरित कटावरोधी कार्य की मांग की है, ताकि गांव में पानी और ज्यादा न फैल सके और जनजीवन सामान्य हो सके।

जमीन विवाद का है मामला

सहरसा में युवक की पीट-पीट कर हत्या, एक गंभीर रूप से घायल

कोसी (एजेंसियां)। सहरसा जिले के सौरबाजार थानाक्षेत्र के समदा वार्ड-11 में आपसी जमीन विवाद को लेकर एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। जबकि उसका बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान चंदन कुमार के रूप में हुई है, जो दिल्ली में अपने परिवार के साथ रहता था और दुर्गा पूजा के अवसर पर अपने गांव आया था। जानकारी के अनुसार, गुरुवार की देर रात जमीन विवाद को लेकर पड़ोसी दिनेश मेहता और उसके साथियों ने चंदन कुमार के घर पर हमला कर दिया। बदमाशों ने रॉड और लाठी-डंडों से चंदन पर हमला किया, जिससे उसको गंभीर चोटें आईं। जब चंदन का बड़ा भाई सूरज कुमार बीच-बचाव करने आया, तो उसे भी बुरी तरह पीटा गया। चंदन की गंभीर हालत में इलाज के दौरान शुक्रवार को मौत हो गई, जबकि सूरज कुमार का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक के परिजनों ने दिनेश मेहता और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाया है। यह विवाद पहले से चला आ रहा था और घटना के समय बदमाशों ने मौका पाकर हमला किया। परिवार का दावा है कि दो बीघा जमीन को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था, जो इस हिंसक घटना में तब्दील हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

सीवान में आर्केस्ट्रा से कई नाबालिग लड़कियां बरामद, वायरल गर्ल बुलबुल भी पकड़ी गई, संचालक गिरफ्तार

सीवान (एजेंसियां)। सीवान में नाबालिग बच्चियों से अश्लील डांस कराने वाले आर्केस्ट्रा संचालक के यहां रेड डाली गई।इस दौरान कुल छह नाबालिग बच्चियां बरामद हुई हैं। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मिशन मुक्ति फाउंडेशन के डारेक्टर को गुप्त सूचना मिली थी कि जिले के बड़हरिया में गुड़िया आर्केस्ट्रा संचालक के नाम से एक ऑर्केस्ट्रा संचालक नाबालिग बच्चियों को एक रूम में अगवा कर रखा हुआ है। उन लोगों से जबरन अश्लील डांस भी करवाता है।

सूचना पर मिशन मुक्ति फाउंडेशन दिल्ली के डायरेक्टर वीरेंद्र कुमार सिंह एवं बाल संरक्षण इकाई टीम शैलेश कुमार एवं

बड़हरिया पुलिस टीम ने गुड़िया आर्केस्ट्रा संचालक के यहां छापेमारी की। छापेमारी में एक कमरे में छह नाबालिग बच्चियां बंद पाई गई, जिसको टीम ने बरामद कर लिया है।वहीं, लड़कियों से पूछताछ करने पर बच्चियों ने बताया कि प्रताड़ित कर जबरदस्ती अश्लील गाना पर डांस कराया जाता है। डांस नहीं करने पर प्रताड़ित किया जाता है।

आपको बता दें कि बरामद बच्चियां कोई बंगाल की तो कोई यूपी की अलग-अलग जिले से यहां पर लाई गई थी। उन लोगों ने बताया कि पैसे का लालच देकर बहला- फुसलाकर लाया गया था और यहां पर जबरन अश्लील डांस करवाया जाता था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आर्केस्ट्रा संचालक सीता देवी एवं उसके पति चतुर्भुज और एक आर्केस्ट्रा कर्मी अरशद इकबाल को गिरफ्तार कर लिया है। मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

सीवान में आर्केस्ट्रा संचालकों के द्वारा इस तरह की घटना कोई नई नहीं है। मिशन मुक्ति मोर्चा के डायरेक्टर को गुप्त सूचना मिली थी कि सीवान के बड़हरिया में कुछ बच्चियों को अगवा कर रखा गया है, जिनसे अश्लील डांस करवाया जाता है। जो कानूनन जुर्म है। वहीं, कार्रवाई करते हुए टीम ने सभी बच्चियों को बरामद कर लिया है और उसमें एक बुलबुल कुमारी भी है, जो काफी सोशल मीडिया पर वायरल है।

आपको बता दें कि बुलबुल ने पुलिसिया पूछताछ में बताया कि पैसे का लालच देकर लाया गया था और जबरन अश्लील गाने पर डांस करवाया जाता है। नहीं करने पर प्रताड़ित भी किया जाता है। बुलबुल कुमारी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो चुकी है। जो नवापारा पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। बताया जाता है कि जैसे ही यह बुलबुल वायरल हुई, गुड़िया आर्केस्ट्रा संचालक उसको बहला फुसला कर सीवान लाया और अश्लील डांस करवा रहा था। वहीं, बरामद बच्चियों की उम्र 14 वर्ष से 17 वर्ष के बीच है

एसपी लिपि सिंह मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकीं, तुम क्या हो... दरोगा ने महिला वकील पर कराया हमला

भागलपुर (एजेंसियां)। सहरसा में एक महिला वकील और उसकी मां पर महिला दारोगा के द्वारा पिटाई करने का आरोप लगा है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी महिला दारोगा अभी वर्तमान में सुपौल जिला में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर नीलू कुमारी है। वह इससे पहले सहरसा जिला बल में पदस्थापित थी। पीड़िता व्यवहार न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत एकता झा और उसकी मां का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। एकता झा (35) मूल रूप से महिषी थाना क्षेत्र के लहुआर की रहने वाली है लेकिन वर्तमान में वह अपनी मां भगवती झा (60) के साथ नगर निगम क्षेत्र के बटरहा वार्ड 36 में उदय कुमार झा के मकान में किराए पर रहती है।

जख़्मी अधिवक्ता एकता झा ने बताया कि वो पेशे से सहरसा व्यवहार न्यायालय में वकील है। बीते मंगलवार को कोर्ट में एक केस के सिलसिले में जीआर कोर्ट

में गयी थी। वहां एक सिविल ड्रेस में मौजूद एक महिला पुलिस कर्मी से उसकी नोंकझोंक हो गयी। इस दौरान मामला हाथपाई तक पहुँच गया। महिला अधिवक्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस दौरान सब इंस्पेक्टर नीलू कुमारी ने धमकी देते हुए कहा कि तुमको चार दिनों में पता चल जायेगा। एकता झा ने कहा कि वह सिविल ड्रेस में थी इस वजह से वह उसे नही पहचान पाई थी। बाद में पता चला कि वह सब इंस्पेक्टर है। अधिवक्ता एकता झा ने यह भी कहा कि सब इंस्पेक्टर नीलू कुमारी ने धमकी देते हुए कहा था कि तुमको चार दिन में ही पता चल जायेगा कि हम कौन हैं। उसने धमकी के साथ यह भी कहा था कि उसने तत्कालीन एसपी लिपि सिंह के मुंह पर पिस्टल और वर्दी फेक दी थी। फिर विभागीय कार्रवाई के दौरान वह हाईकोर्ट से भी लौट चुकी है। वैसे भी मैं छोटे मोटे वकील का कोई वैल्यू नही देती हूं। जख़्मी अधिवक्ता एकता झा ने कहा कि सब इंस्पेक्टर नीलू कुमारी के गुंडो ने ही घर में घुसकर मुझे बुरी तरीके से मारपीट किया है। उसका आरोप है कि बीच बचाव करने पहुंची मेरी मां को भी तीन मंजिले मकान से नीचे फेंक दिया। स्थानीय लोगों द्वारा मुझे शहर के निजी नर्सिंग होम में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। हालांकि डॉक्टरों ने इस बात से इंकार किया है।

इस बाबत सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया कि महिला अधिवक्ता के साथ मारपीट हुई है। एक सब इंस्पेक्टर के साथ उनका तीन चार दिन पहले विवाद होने की बात कही जा रही है। मामले की तहकीकात की जा रहे है। सब इंस्पेक्टर पर ही साजिश का आरोप लगा रही है। मामला दर्ज कर अग्रतर कारवाई की जा रही है।

अवैध संबंध और लोन से छुटकारा पाने के लिए की थी पत्नी की हत्या, आरोपी पति समेत चार लोग गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसियां)। समस्तीपुर जिले के चकमहेसी थानाक्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है, जिसमें संदीप ठाकुर ने अपनी पत्नी अंशु कुमारी (28) की हत्या कर दोहरी योजना बनाई थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि संदीप अपनी पत्नी के चाल-चलन पर शक करता था और वह उसकी मौत के जरिए 10 लाख रुपये के समूह लोन से भी छुटकारा पाना चाहता था। संदीप ने इस हत्या के लिए अपने भाई और अन्य सहयोगियों की मदद ली, लेकिन पुलिस की तफ्तीश से उसकी साजिश बेनकाब हो गई।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी संदीप ठाकुर चकमहेसी बाजार में सैलून चलाता है। उसकी शादी 2016 में अंशु कुमारी से हुई थी। दोनों के तीन बच्चे भी हैं। कुछ समय से संदीप को अपनी पत्नी

पर अवैध संबंध का शक हो गया था।

इसके अलावा अंशु ने विभिन्न सहायता समूहों से करीब 10 लाख रुपये का लोन ले रखा था, जिसे चुकाने में दिक्कत हो रही थी। संदीप ने सोचा कि पत्नी को रास्ते से हटा देने से दोनों समस्याओं का समाधान हो जाएगा, अवैध संबंधों का शक खत्म हो जाएगा और लोन चुकाने का झंझट भी खत्म हो जाएगा।

संदीप ने योजना के तहत वैशाली जिले से सात हजार रुपये में एक देसी कट्टा खरीदा। बुधवार की रात जब वह घर लौटा, तो उसने अपनी पत्नी से विवाद किया और फिर उसके सिर पर नजदीक से गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

पत्नी की हत्या के बाद संदीप ने अपने भाई राजा ठाकुर, मोहन ठाकुर और एक टोटो चालक सोनू कुमार की मदद से शव को दरभंगा डीएमसीएच ले जाकर एक झूठी कहानी गढ़ी। उसने पुलिस को बताया कि जब वह और उसकी पत्नी चकमहेसी से बेलादुला की ओर जा रहे थे, तो बाघमारा पुल के पास दो बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। संदीप के मुताबिक, जब उसकी पत्नी ने प्रतिरोध किया, तो बदमाशों ने उसे गोली मार दी।

दरभंगा पुलिस को संदीप की कहानी पर शक हुआ और उन्होंने समस्तीपुर पुलिस को जानकारी दी। समस्तीपुर पुलिस ने संदीप, उसके भाई और टोटो चालक को हिरासत में लिया और उनसे पूछताछ की। टोटो चालक ने बताया कि संदीप ने उसे बताया था कि उसकी पत्नी बीमार है और उसे दरभंगा अस्पताल ले जाना है। पूछताछ के बाद संदीप ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और पुलिस ने उसकी निशानदेही पर पोखर से हत्या में इस्तेमाल किया गया देसी कट्टा और गोली के खोखे बरामद किए।

सदर डीएसपी विजय महतो ने बताया कि संदीप ठाकुर ने पत्नी की हत्या अवैध संबंधों के शक और लोन चुकाने से बचने के लिए की थी। मामले की जांच में पुलिस को संदीप की साजिश और उसके झूठे बयान का खुलासा हुआ। संदीप, उसके भाई राजा ठाकुर, मोहन ठाकुर और टोटो चालक सोनू कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। पुलिस ने हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने और पुलिस को गुमराह करने की संदीप की कोशिशों का पर्दाफाश किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com